राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

10 प्रधानमंत्री मोदी से मिले एप्पल के सीईओ, निवेश की.....

भारत में होने वाले एससीओ समेलन में हिस्सा लेंगे पाकिस्तान..... 12

वर्ष : 13 | अंक : 334 | नई दिल्ली, शुक्रवार, 21 अप्रैल, 2023 | बैशाख कृष्णा पक्ष, प्रतिपदा, विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

बौद्ध सम्मेलन कर भारत ने किया दायित्वों का निर्वहन, सांस्कृतिक संबंध होंगे मजबूत: केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय मंत्रियों ने बृहस्पतिवार को कहा कि बौद्ध धर्म की जन्मस्थली होने के नाते भारत वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन की मेजबानी करके अपना कर्तव्य निभा रहा है, जो अन्य देशों के साथ अपने सांस्कृतिक और राजनयिक संबंधों को मजबूत करने में मदद करेगा। दो दिवसीय इस शिखर सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में दुनिया के विभिन्न हिस्सों से बौद्ध भिक्षुओं की उपस्थिति हमें भगवान बुद्ध की उपस्थिति का एहसास कराती है। केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि भारत के अलावा 30 देशों के 170 प्रतिनिधि इस बड़े आयोजन में भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधियों में प्रख्यात बौद्ध भिक्षु, विद्वान, राजदूत और राजनयिक शामिल हैं। उन्होंने कहा, यह पहला वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है। इसका विषय समकालीन चुनौतियों पर प्रतिक्रिया : अभ्यास के लिए दर्शन है। रेड्डी ने कहा, शिखर सम्मेलन के दौरान शांति, पर्यावरण,

नैतिकता, स्वास्थ्य, स्थिरता समेत अन्य विषयों पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि शिखर सम्मेलन के हिस्से के रूप में पांच प्रदर्शनियों का भी आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन अन्य देशों के साथ सांस्कृतिक और राजनयिक संबंधों को मजबूत करने में मदद करेगा। 20 से 21 अप्रैल तक चलने वाले इस कार्यक्रम की मेजबानी राष्ट्रीय राजधानी में केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय और अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) द्वारा की जा रही है। केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि वह भाग्यशाली हैं कि उन्हें शिखर सम्मेलन में भाग लेने अवसर मिला। उन्होंने दर्शकों के साथ साझा किया कि वह आईबीसी की स्थापना के समय से ही इससे जुड़े रहे हैं। उन्होंने कहा, भारत बौद्ध धर्म की जन्मस्थली है। इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी करके भारत न केवल अपना कर्तव्य निभा रहा है, बल्कि यह आगे का रास्ता भी दिखा रहा है। रीजीजू ने कहा, कामना करता हूं कि शुद्ध धम्म लंबे समय तक बना रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने अपना संबोधन शुरू करने से पहले मंच पर मौजूद भिक्षुओं को सम्मानित किया। आईबीसी के महानिदेशक अभिजीत हलदर ने सोमवार को कहा था कि जापान, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड, कंबोडिया, वियतनाम और रूस सहित अन्य देशों के प्रतिनिधि इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि सम्मेलन की पहली बार 2020 में कल्पना की गई थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण उस समय इसका आयोजन नहीं हो सका था। उन्होंने कहा कि तब विभिन्न देशों के शीर्ष भिक्षुओं को एक समय में एक स्थान पर लाना मुश्किल था।

मौसम

अधिकतम तापमान 40.4°C

न्यूनतम तापमान 22.5°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	61,850
चांदी	77,400
संसेक्स	59,568
निफ्टी	17,619

संक्षिप्त खबरें

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने दिल्ली चिड़ियाघर के बाड़े में सफेद बाघ के दो शावकों को छोड़ा

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बृहस्पतिवार को दिल्ली के राष्ट्रीय प्राणी उद्यान में बाघों के बाड़े में सफेद बाघ के दो शावकों को छोड़ा। पर्यावरण मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यादव ने मादा शावक का नाम अवनी रखा है, जिसका अर्थ है पृथ्वी और नर शावक का नाम व्योम है, जिसका अर्थ आकाश है। मंत्रालय ने कहा कि इन शावकों को 24 अगस्त, 2022 को बाघिन सीता ने जन्म दिया था। यादव ने ट्वीट किया, स्कूली बच्चों और चिड़ियाघर के कर्मचारियों की मौजूदगी में आठ महीने के अवनी और व्योम को उनके बाड़े में छोड़ा गया। चिड़ियाघर में आने वाले लोग अब अवनी और व्योम को देख सकेंगे।

बुद्ध के मार्ग पर ही मिलेगा दुनिया को वैश्विक चुनौतियों से बचाने का रास्ता: मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भगवान गौतम बुद्ध की शिक्षाओं को मानवता का विश्वास बताते हुए आज कहा कि दुनिया को आर्थिक अस्थिरता, आतंकवाद एवं मजहबी उन्माद तथा जलवायु परिवर्तन की वैश्विक चुनौतियों से बचाने के लिए बुद्ध के मार्ग पर चलना होगा। श्री मोदी ने यहां शुरू हुए दो दिवसीय वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही। कार्यक्रम में केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री किरण रिजीजू, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी, संस्कृति एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, संस्कृति एवं विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी, अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ के महासचिव, देश-विदेश से आये बौद्ध भिक्षु शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने कहा, आज का ये समय इस सदी का सबसे चुनौतीपूर्ण समय है। आज एक ओर, महीनों से दो देशों में युद्ध चल रहा है, तो वहीं दुनिया आर्थिक अस्थिरता से भी गुजर रही है। आतंकवाद और मजहबी उन्माद जैसे खतरे मानवता की आत्मा पर प्रहार कर रहे हैं। जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौती पूरी मानवता के अस्तित्व पर आफत बनकर मंडरा रही है। ग्लेशियर्स पिघल रहे हैं, पारिस्थितिकीय तंत्र नष्ट हो रही है, प्रजातियाँ विलुप्त हो रहीं हैं। लेकिन इस सबके बीच, हमारे आप जैसे करोड़ों लोग भी हैं जिन्हें बुद्ध में आस्था है, जीव मात्र के कल्याण में विश्वास है। ये उम्मीद, ये विश्वास ही इस धरती की सबसे बड़ी ताकत है। जब ये उम्मीद एकजुट होगी, तो बुद्ध का धम्म विश्व की धारणा बन जाएगा, बुद्ध का बोध

मानवता का विश्वास बन जाएगा। श्री मोदी ने अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन आने वाले अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि बुद्ध की इस धरती की परंपरा है- अतिथि देवो भवः! अर्थात, अतिथि हमारे लिए देवता के समान होते हैं। लेकिन, भगवान बुद्ध के विचारों को जीने वाले इतने व्यक्तित्व जब हमारे सामने हों, तो साक्षात बुद्ध की उपस्थिति का अहसास होता है। क्योंकि, बुद्ध व्यक्ति से आगे बढ़कर एक बोध हैं। बुद्ध स्वरूप से आगे बढ़कर एक सोच हैं। बुद्ध चित्रण से आगे बढ़कर एक चेतना है और बुद्ध की ये चेतना चिरंतर है, निरंतर है। ये सोच शाश्वत है। ये बोध अविस्मरणीय है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अलग-अलग देशों से, अलग-अलग भौगोलिक सांस्कृतिक परिवेश से लोग यहाँ एक साथ उपस्थित हैं। यही भगवान बुद्ध का वो विस्तार है, जो पूरी मानवता को एक सूत्र में जोड़ता है। हम कल्पना कर सकते हैं, दुनिया के अलग-अलग देशों में बुद्ध के करोड़ों अनुयायियों का ये सामर्थ्य जब एक साथ कोई संकल्प लेता है, तो उसकी ऊर्जा कितनी असीम हो जाती है। उन्होंने कहा कि जब इतने सारे लोग विश्व के बेहतर भविष्य के लिए एक विचार के साथ काम करेंगे, तो भविष्य निश्चित रूप से भव्य ही होगा। और इसलिए ऐसा विश्वास है कि पहला वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन इस दिशा में हम सभी देशों के प्रयासों के लिए एक प्रभावी मंच का निर्माण करेगा।

उन्होंने कहा कि वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन की मेजबानी एक ऐसे समय में हो रही है जब भारत ने अपनी आजादी के 75 वर्ष पूरे किए हैं, भारत अपनी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। इस अमृतकाल में भारत के पास अपने भविष्य के लिए विशाल लक्ष्य भी हैं, और वैश्विक कल्याण के नए संकल्प भी हैं। भारत ने आज अनेक विषयों पर विश्व में नई पहल की हैं। और इसमें हमारी बहुत बड़ी प्रेरणा भगवान बुद्ध ही हैं। उन्होंने कहा कि आप सभी परिचित हैं कि बुद्ध का मार्ग है- परियत्ति, पटिपत्ति और पटिवेध, यानी, पाठ, अभ्यास एवं अनुभव। पिछले 9 वर्षों में भारत इन तीनों ही बिन्दुओं पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। हमने भगवान बुद्ध के मूल्यों का निरंतर प्रसार किया है।

हमने बुद्ध की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए एक समर्पण भाव से काम किया है। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल में बुद्ध सर्किट का विकास हो, सारनाथ और कुशीनगर जैसे तीर्थों के कायाकल्प के प्रयास हों, कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा हो, लुम्बिनी में भारत और अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ के सहयोग से भारत अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संस्कृति एवं विरासत केन्द्र का निर्माण हो, भारत के ऐसे हर काम में ह्यपटिपत्तिह्न की प्रेरणा शामिल है। ये भगवान बुद्ध की शिक्षाओं का पटिवेध ही है कि भारत विश्व के हर मानव के दुःख को अपना दुःख समझता है। श्री मोदी ने कहा कि दुनिया के अलग-अलग देशों में शांति मिशन हों, या तुर्किए के भूकम्प जैसी आपदा हो, भारत अपना पूरा सामर्थ्य लगाकर, हर संकट के समय मानवता के साथ खड़ा होता है, मम भाव से खड़ा होता है।

आज भारत के 140 करोड़ लोगों की इस भावना को दुनिया देख रही है, समझ रही है, और स्वीकार भी कर रही है। और अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ का ये मंच इस भावना को नया विस्तार दे रहा है। ये हम सभी समान सोच एवं समान भावनाओं वाले देशों को एक परिवार के रूप में बुद्ध धम्म और शांति के विस्तार के नए अवसर देगा। वर्तमान चुनौतियों को हम किस तरह से हैंडल करते हैं, इस पर चर्चा अपने आप में न केवल प्रासंगिक है, बल्कि विश्व के लिए इसमें उम्मीद की किरण भी समाहित है। उन्होंने कहा कि हमें याद रखना है कि समस्याओं से समाधान की यात्रा ही बुद्ध की यात्रा है। बुद्ध ने महल इसलिए नहीं छोड़ा था, क्योंकि उन्हें कोई कष्ट था। बुद्ध ने महल, राजसी ठाठ-बाट इसलिए छोड़ा था, क्योंकि उनके लिए उपलब्ध सब सुख-सुविधाओं के बाद भी दूसरों के जीवन में दुःख था। यदि हमें विश्व को सुखी बनाना है, तो स्व से निकलकर संसार, संकुचित सोच को त्यागकर, समग्रता का ये बुद्ध मंत्र ही एकमात्र रास्ता है। हमें हमारे आस-पास गरीबी से जूझ रहे लोगों के बारे में सोचना ही होगा। हमें संसाधनों के अभाव में फंसे देशों के बारे में सोचना ही होगा। एक बेहतर और स्थिर विश्व की स्थापना के लिए यही एक मार्ग है, यही आवश्यक है। आज ये समय की मांग है कि हर व्यक्ति की, हर राष्ट्र की प्राथमिकता, अपने देश के हित के साथ ही, विश्व हित भी हो, वैश्विक हित भी हो। उन्होंने कहा कि आधुनिक विश्व की ऐसी कोई समस्या नहीं है, जिसका समाधान सैकड़ों वर्ष पहले बुद्ध के उपदेशों में हमें प्राप्त न हुआ हो। आज दुनिया जिस युद्ध और अशांति से पीड़ित है, बुद्ध ने सदियों पहले इसका समाधान दिया था। बुद्ध कहा था- जीत वैर को जन्म देती है, और हारा हुआ व्यक्ति भी दुःख की नींद सोता है। इसलिए, हार-जीत, लड़ाई-झगड़ा इन्हें छोड़कर ही हम सुखी हो सकते हैं। भगवान बुद्ध ने युद्ध से उबरने का रास्ता भी बताया है। भगवान बुद्ध ने कहा है- वैर से वैर शांत नहीं होता। वैर अवैर से शांत होता है। भगवान बुद्ध का वचन है- संघों के बीच एकता में ही सुख समाहित है। सभी लोगों के साथ, मिलजुलकर रहने में ही सुख है। श्री मोदी ने कहा कि आज अपने विचारों, अपनी आस्था को दूसरों पर थोपने की सोच दुनिया के लिए बहुत बड़ा संकट बन रही है।

राहुल गांधी पर अदालत का फैसला गांधी परिवार के अहंकार पर तमाचा: भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आपराधिक मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दोषसिद्धि पर रोक लगाने की याचिका खारिज करने के सूरत की अदालत के फैसले को न्यायपालिका व लोगों की जीत और गांधी परिवार के अहंकार पर तमाचा करार दिया। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, अदालत का फैसला गांधी परिवार, खासकर राहुल गांधी के अहंकार पर तमाचा है। उन्होंने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अदालत का फैसला यह भी साबित करता है कि कानून सभी के लिए बराबर है और वह किसी भी प्रकार के दवाब के आगे झुकता नहीं है। पात्रा ने कहा, आज के फैसले से एक बात स्पष्ट है कि इस देश में संविधान का राज है, परिवार का राज नहीं है। और किसी भी परिवार के लिए अलग कानून नहीं हो सकता। उन्होंने राहुल गांधी को संबोधित करते हुए कहा, अभी भी मौका है अहंकार को छोड़िए, देश के सामने ओबीसी समाज से क्षमा याचना कीजिए कि जो मैंने किया, गलत किया, मुझे यह नहीं करना चाहिए था। गुजरात में सूरत की एक सत्र अदालत ने मोदी उपनाम वाले बयान को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दोषी ठहराये जाने के फैसले पर रोक लगाने की उनकी याचिका बृहस्पतिवार को खारिज कर दी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश आर. पी. मोगेरा की अदालत ने राहुल को आपराधिक मानहानि के इस मामले में दो साल के कारावास की सजा सुनाये जाने के एक निचली अदालत के फैसले के खिलाफ दायर अर्जी आज खारिज कर दी। गत 23 मार्च को सूरत की एक अदालत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक पूर्णेश मोदी द्वारा दायर आपराधिक मानहानि के मामले में राहुल गांधी को दोषी करार दिया था और दो साल के कारावास की सजा सुनाई थी जिसके एक दिन बाद उन्हें लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य करार दे दिया गया था।

मोदी सरकार की नीतियों से खेत, किसान पर आया संकट : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस ने सरकार की नीतियों को किसान विरोधी बताते हुए गुरुवार को कहा कि उसने किसानों से जुड़ी कई योजनाओं का बजट और उनमें मिलने वाली सब्सिडी को घटा दिया है जिसके कारण किसान, खेती और खेतिहर मजदूरों पर संकट आ गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा, आज पूरे देश में खेती और किसान संकट में हैं। मोदी सरकार ने 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का सपना दिखाया था। मोदी सरकार में किसानों की आमदनी तो नहीं बढ़ी लेकिन कर्ज कई गुना जरूर बढ़ गया है। श्री हुड्डा ने मोदी सरकार को किसान विरोधी बताते हुए कहा कि इस सरकार की सारी नीतियां खेती और किसान के खिलाफ हैं और यही वजह है कि उसने किसानों से जुड़ी कई योजनाओं का बजट और उनमें मिलने वाली सब्सिडी को घटा दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को 15500 करोड़ रुपये से घटाकर 13625 करोड़ रुपये कर दिया है। इसी तरह से प्रधानमंत्री किसान निधि योजना को भी 68 हजार करोड़ रुपये से घटाकर 60 हजार करोड़ रुपया किया गया है। मनरेगा को भी 70 हजार करोड़ रुपये से घटाकर 60 हजार करोड़ रुपया किया गया है। किसानों के लिए पेट्रोलियम सब्सिडी भी घटाई गई है। खाद्य सब्सिडी भी कम की गई है जिसका किसानों पर सबसे ज्यादा बुरा असर होने वाला है। श्री हुड्डा ने सरकार की नीतियों को किसान विरोधी बताते हुए कहा कि इस सरकार ने प्रधान मंत्री बीमा योजना लागू की लेकिन यह योजना किसान के लिए फायदेमंद नहीं है बल्कि उसका सीधा लाभ निजी बीमा कंपनियों को मिल रहा है और इन निजी कंपनियों के लिए यह लाभ की योजना बन गयी है। कांग्रेस नेता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने किसानों से उनकी आय दोगुना करने का वादा किया था। भजपा ने तब कहा था कि किसानों की आय दोगुनी करेंगे, आज किसान की आय दोगुना तो नहीं हुई लेकिन खेती किसानी की लागत जरूर दोगुनी से ज्यादा हो गई है। सरकार ने जो जीएसटी लागू किया उसकी ज्यादा मार किसानों पर पड़ी है। कांग्रेस के समय उर्वरक, कीटनाशक और ट्रैक्टर के पुर्जों पर कर नहीं था लेकिन अब किसान को इन सब पर कर देना पड़ रहा है।उन्होंने किसान आंदोलन के समय सरकार के आंदोलन खत्म करने के लिए किए गए वादे को लेकर कहा कि मोदी सरकार ने किसान आंदोलन के समय न्यूनतम समर्थन मूल्य(एमएसपी) के वास्ते लीगल गारंटी देने की बात कही थी लेकिन वास्तविकता यह है कि आज भी किसानों को एमएसपी नहीं मिल रही है।

सड़क हादसे में पिता पुत्र समेत तीन की मौत, एक गम्भीर घायल

नई दिल्ली, एजेंसी

बदायूं जनपद के फैजगंज बेहटा थानाक्षेत्र में मुरादाबाद फरुर्खाबाद मार्ग पर बृहस्प तिवार सुबह एक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई जबकि एक अन्य घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक अलग-अलग दिशाओं से आ रहे एक ट्रक और अन्य (पिकअप) वाहन आपस में टकरा गए जिससे दूसरे वाहन में सवार तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतकों के शव कब्जे में लेकर पंचनामा भरने की कार्यवाही शुरू कर दी है और घायल को जिला अस्पताल भर्ती कराया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी (बिसौली) पवन कुमार ने बताया कि बदायूं जिले में फैजगंज बेहटा थाना क्षेत्र के कस्बा मुड़िया धुरेकी बस स्टैंड के पास एक भूसा से भरे ट्रक और एक अन्य वाहन की आमने सामने से भीषण टक्कर हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने स्थानीय लोगों की सहायता से वाहनों में फंसे हुए लोगों को बाहर निकाला तब तक तीन लोगों की मौत हो गई थी और एक व्यक्ति घायल अवस्था में था। उन्होंने बताया कि इस हादसे जान गंवाने वालों की पहचान मुरादाबाद के निवासियों इजहार (22), हाजी इमरान (60) के रूप में हुई है, दोनों पिता-पुत्र थे। उनके अनुसार हादसे में मारे गये पिकअप वाहन के ड्राइवर की शिनाख्त अभी नहीं हो पाई है। पुलिस के अनुसार इसके अलावा इजहान नाम का एक व्यक्ति हादसे में घायल हुआ जिस को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कर्नाटक में प्रधानमंत्री कर सकते हैं 20 रैलियां, मुख्यमंत्री बोम्मई ने दिए संकेत

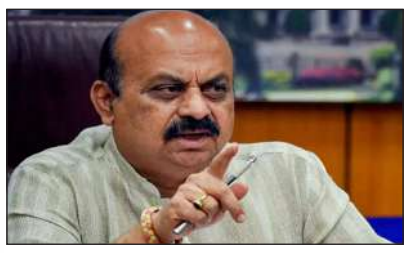

नई दिल्ली, एजेंसी

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राज्य में करीब 20 स्थानों पर चुनाव प्रचार करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रचार कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा रहा है। बोम्मई ने यहां संवाददाताओं से कहा, प्रधानमंत्री के करीब 20 स्थानों पर चुनाव प्रचार करने की पूरी संभावना है। मुख्यमंत्री ने कहा, ह्यह्यइनमें से अधिकतर स्थानों पर वह रैली को संबोधित करेंगे और कुछ में रोड शो होंगे। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव के लिए 10 मई को मतदान होगा और नतीजे 13 मई को घोषित किए जाएंगे। मोदी, भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्रियों की एक मजबूत टीम चुनाव के लिए पार्टी के 40 स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल है। पार्टी द्वारा जारी नेताओं की सूची के अनुसार केंद्रीय मंत्रियों में राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी, निर्मला सीतारमण, स्मृति ईरानी, धर्मेंद्र प्रधान, मनसुख मंडाविया और प्रह्लाद जोशी शामिल हैं। आदित्यनाथ के अलावा मध्य प्रदेश और असम के मुख्यमंत्री क्रमशः शिवराज सिंह चौहान और हिमंत विश्व शर्मा तथा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल किया गया है। बोम्मई, कर्नाटक भाजपा के कद्दावर नेता बी एस येदियुरप्पा, पूर्व मुख्यमंत्री डी वी सदानंद गौड़ा, कर्नाटक के कुछ मंत्री और राज्य पार्टी के नेता भी सूची में शामिल हैं।

समीक्षा बैठक अचानक वृद्धि होने के बारे पर प्रकाश डाल.....

प्रधानमंत्री कार्यालय ने की कोविड की स्थिति की विस्तृत समीक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी

हाल के दिनों में देश भर में कोविड-19 के मामलों में वृद्धि को देखते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय ने आज यहां एक उच्च स्तरीय बैठक में इस महामारी से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की। देश में कोविड-19 की स्थिति का आकलन करने के लिए बुलायी गयी इस बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी.के. मिश्रा ने की। इस बैठक में देश में स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचे एवं लॉजिस्टिक्स, दवाओं, टीकाकरण अभियान से जुड़ी तैयारियों की स्थिति और कोविड-19 के मामलों में आए हालिया उछाल से निपटने के उपाय के तौर पर उठाए जाने वाले महत्वपूर्ण आवश्यक कदमों पर ध्यान केन्द्रित किया गया। इस बैठक में कैबिनेट सचिव राजीव गौबा, नीति आयोग के सदस्य डॉ. विनोद पॉल, वित्त सचिव टी. वी. सोमनाथन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सचिव राजेश भूषण, फार्मास्यूटिकल्स सचिव श्रीमती एस. अपर्णा, नागरिक विमानन सचिव राजीव बंसल, आयुष सचिव राजेश कोटेचा, डीएचआर सचिव एवं डीजी आईसीएमआर राजीव बहल, जैव प्रौद्योगिकी सचिव राजेश एस. गोखले और सूचना और प्रसारण सचिव अपूर्व चंद्रा ने भाग लिया। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण सचिव राजेश भूषण द्वारा वैश्विक स्तर पर कोविड-19 की स्थिति का विवरण प्रदान करते हुए एक व्यापक प्रस्तुति दी गई। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत में आठ राज्यों (केरल, दिल्ली, महाराष्ट्र,

हरियाणा, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक और राजस्थान) में अधिकांश मामलों के साथ कोविड-19 के मामलों में तेजी से वृद्धि देखी जा रही है। इसके अलावा, देश में किए जा रहे जांच की स्थिति के साथ-साथ पॉजिटिविटी दर में अचानक वृद्धि होने के बारे में भी प्रकाश डाला गया। इन आठ राज्यों में सक्रिय मामलों का विस्तृत विश्लेषण भी प्रस्तुत किया गया और इस तथ्य को रेखांकित किया गया कि लगभग 92 प्रतिशत मामले होम आइसोलेशन के अधीन हैं। इस प्रस्तुति में, जनवरी 2023 से हुई विभिन्न वेरिएंट की जीनोम सीक्वेंसिंग से संबंधित विवरण भी प्रदान किया और भारत में फैले वेरिएंट के अनुपात पर गौर किया गया। टीकाकरण की स्थिति पर भी चर्चा की गई। इसके बाद, देश भर में दवा की उपलब्धता और बुनियादी ढांचे की तैयारी के बारे में चर्चा की गई। प्रधानमंत्री के निदेर्शों के अनुरूप, बुनियादी ढांचे की सक्रियता का आकलन करने हेतु एक राष्ट्रव्यापी मॉक ड्रिल आयोजित की गई और प्रतिभागियों के सामने इस मॉक ड्रिल की स्थिति प्रस्तुत की गई। इसके अलावा, कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम के खर्च और दवाओं एवं टीके के निर्माण में उपयोग किए जाने वाले कच्चे माल के लिए बजट प्रावधानों की भी समीक्षा की गई। स्वास्थ्य सचिव ने यह भी बताया कि राज्यों को पहले ही यह सलाह दी जा चुकी है कि वे केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से बिना किसी पूर्व स्वीकृति के सीधे निमार्ताओं से कोविड के टीकों की खुराक की अपेक्षित खरीद के लिए कदम उठा सकते हैं। राज्यों में स्थित निजी अस्पताल भी सीधे निमार्ता से ऐसे टीकों की खरीद कर सकते हैं। एक बार खरीदे जाने के बाद इन टीकों के खुराकों को कोविड टीकाकरण के मौजूदा दिशानिदेर्शों के अनुसार लोगों को दिया जा सकता है। इस विस्तृत प्रस्तुति के बाद डॉ. मिश्रा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि स्थानीय स्तर पर मामलों में आने वाले उछाल से निपटने के लिए यह जरूरी है कि उप-जिला स्तर पर पर्याप्त स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचा उपलब्ध हो और इसे राज्यों के परामर्श से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि उभरते परिदृश्य के आधार पर राज्यों का मार्गदर्शन करने हेतु दिए जाने वाले का परामर्श का मूल्यांकन किया जाना चाहिए और उसे उसी के अनुरूप अद्यतन किया जाना चाहिए।

दवाई कंपनी के कर्मचारी की संदिग्ध हालात में मौत, परिजनों ने युवती पर लगाया हत्या का आरोप

रुड़की, एजेंसी। बताया जा रहा है कि मंगलवार की रात वह कंपनी से ड्यूटी कर कमरे पर लौटा था। रात में उसकी अचानक तबीयत खराब हो गई। वहीं, अस्पताल में इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई।

रुड़की में एक दवाई कंपनी में काम करने वाले कर्मचारी की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। कर्मचारी की मौत से गुस्साए परिजनों ने सिविल अस्पताल में जमकर हंगामा किया। परिजनों ने एक युवती पर जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। जानकारी के अनुसार, मूल रूप से सहारनपुर और हाल निवासी रुड़की के सुनहरा निवासी मिथुन (26) रुड़की के रामनगर औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक दवाई कंपनी में काम करता था। बताया जा रहा है कि मंगलवार की रात वह कंपनी से ड्यूटी कर कमरे पर लौटा था। रात में उसकी अचानक तबीयत खराब हो गई। परिजनों ने आनन-फानन उसे सिविल अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई है। वहीं, सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में भेज दिया।

उधर, बुधवार की सुबह परिजन और बड़ी संख्या में रिश्तेदार सिविल अस्पताल में जमा हो गए। परिजनों ने एक युवती पर जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया।

अब महंगी बिजली की कीमत हर महीने चुकाएंगे उपभोक्ता, लागू होने जा रही नई व्यवस्था

देहरादून, एजेंसी।
अभी तक यूपीसीएल सालभर में उपभोक्ताओं से केवल थर्मल प्लांट की बिजली में होने वाले अतिरिक्त खर्च को फ्यूल चार्ज एडजस्टमेंट (एफसीए) के तौर पर वसूलता था। यह राशि हर तिमाही वसूली जाती थी, जिसे माहवार करने के लिए पूर्व में एक याचिका यूपीसीएल ने दायर की थी।

अब यूपीसीएल बाजार से जितनी महंगी बिजली खरीदेगा, उसकी भरपाई हर महीने उपभोक्ता के बिल से करेगा। यूपीसीएल ने इस संबंध में एक याचिका उत्तराखंड विद्युत नियामक आयोग में दायर की है, जिस पर आयोग ने नौ मई को जनसुनवाई की तिथि तय की है। इससे पहले यूपीसीएल फ्यूल चार्ज एडजस्टमेंट की भरपाई हर तीन माह के बजाय हर माह करने की याचिका दायर कर चुका है, जिस पर आयोग ने 30 अप्रैल तक सुझाव-आपत्तियां मांगे हुए हैं।

दरअसल, अभी तक यूपीसीएल सालभर में उपभोक्ताओं से केवल थर्मल प्लांट की बिजली में होने वाले अतिरिक्त खर्च को फ्यूल चार्ज एडजस्टमेंट (एफसीए) के तौर पर वसूलता था। यह राशि हर तिमाही वसूली जाती थी, जिसे माहवार करने के लिए पूर्व में एक याचिका यूपीसीएल ने दायर की थी।

अब जो नई याचिका दायर की गई है, वह फ्यूल और

पावर परचेज एडजस्टमेंट (एफपीपीए) के लिए है। इसमें केंद्र सरकार के आदेश का हवाला देते हुए मांग की है कि बाजार की महंगी बिजली के हिसाब से उन्हें उपभोक्ताओं के बिल से माहवार वसूली की अनुमति दी जाए।

ऐसे बढ़ेगा बिजली का बिल

अभी तक नियामक आयोग की ओर से एक अप्रैल को जारी दरों के हिसाब से बिजली बिल आता है। अब नियामक आयोग यूपीसीएल के लिए बाजार से बिजली खरीद की एक दर तय कर देगा। इसके बाद भारी मांग के चलते अगर यूपीसीएल बाजार से उस दर से अधिक पर बिजली खरीदेगा तो बढ़ी हुई राशि उपभोक्ताओं के बिलों में जोड़ दी जाएगी। यानी अगर नियामक आयोग ने बाजार से बिजली खरीद दर सात रुपये प्रति यूनिट तय की है। यूपीसीएल मजबूरी में बाजार से 12 रुपये प्रति यूनिट की दर पर खरीद रहा है तो पांच रुपये प्रति यूनिट की वसूली उपभोक्ताओं से माहवार आने वाले बिल में की जाएगी।

इस याचिका पर आदेश आने के बाद हर साल नियामक आयोग की बिजली दरें इतनी अधिक नहीं बढ़ेंगी, क्योंकि राज्य में यूपीसीएल को एक बड़ी रकम केवल बिजली खरीद पर खर्च करनी पड़ती है। लिहाजा, जब सालभर में बिजली खरीद की बढ़ी दरें वसूली जाएंगी तो अप्रैल में यूपीसीएल के लिए नियामक आयोग दरों में अपेक्षाकृत काफी कम इजाफा करेगा। केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय की ओर से एक अधिसूचना जारी की गई है, जिसमें कहा गया है कि विद्युत वितरण कंपनियों को फ्यूल चार्ज एडजस्टमेंट के अलावा बिजली खरीद पर होने वाले अतिरिक्त खर्च को वसूलने के लिए दो माह में फैसला लेना है। अगर दो माह में फैसला न लिया गया तो राज्य में केंद्र सरकार की नियमावली स्वत-लागू हो जाएगी। उम्मीद जताई जा रही है कि इस याचिका के बहाने राज्य की नियमावली बनेगी। नियामक आयोग के सचिव नीरज सती की ओर से जारी सूचना के मुताबिक, यूपीसीएल ने यूईआरसी (टर्म्स एंड कंडीशन फॉर डिटरमिनेशन ऑफ मल्टी ईयर टैरिफ) रेगुलेशन 2021 में बदलाव के तहत जो याचिका दायर की है, उसकी पूरी जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपभोक्ता याचिका को पढ़कर इस पर अपने सुझाव आठ मई तक नियामक आयोग के सचिव के पास भेज सकते हैं। इसके बाद नौ मई को इस मामले में नियामक आयोग के कार्यालय में जनसुनवाई होगी।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की शिकायत का समाधान किया जाए

नैनीताल। प्रदेश के गृह विभाग ने पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की शिकायत का समाधान करने के लिए कहा है। बार एसोसिएशन के महासचिव विकास बहुगुणा ने 12 दिसंबर 2022 में प्रमुख सचिव गृह को शिकायती पत्र भेजा था। इसमें पुलिस पर आरोप लगाया गया था कि वह अक्सर अधिवक्ताओं के साथ होने वाली घटनाओं पर विपक्षियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं करती है। किसी मामले में एफआईआर दर्ज हो भी तो वह बहुत विलंब से होती है। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने गृह विभाग से पुलिस अधिकारियों को दिशा निर्देश जारी करने की मांग की। बीती 28 मार्च 2023 को गृह विभाग के अनु सचिव ज्योतिर्मय त्रिपाठी ने पुलिस महानिदेशक को उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया है। इसकी प्रति एसएसपी नैनीताल को भी भेजी गई है।

आगे चल रहे ट्रक से दुग्ध वाहन की टक्कर, परिचालक की मौत

हल्द्वानी, एजेंसी। बाजपुर स्थित दुग्ध प्लांट से से दूध लेकर आ रही पिकअप कमलुवागांजा में आगे चल रहे ट्रक से भिड़ गई। हादसे में दुग्ध वाहन के परिचालक की मौत हो गई जबकि चालक चोटिल हो गया। बाजपुर स्थित दुग्ध प्लांट के मालिक गोल्डी शर्मा ने बताया कि बाजपुर निवासी चालक सुरेंद्र और परिचालक वीर सिंह दुग्ध वितरण के लिए पिकअप लेकर निकले थे। बुधवार तड़के करीब तीन बजे मुखानी क्षेत्र के कमलुवागांजा में पिकअप आगे चल रहे ट्रक से भिड़ गई। ट्रक के पिछले हिस्से में फंसकर पिकअप काफी दूर तक रगड़ती चली गई जिससे पिकअप बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और क्लीनर वीर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद स्थानीय व्यक्ति ने आनन-फानन में घायल वीर सिंह को मुखानी स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां से घायल को एसटीएच रेफर कर दिया गया। हालांकि बाद में इलाज के लिए घायल को नैनीताल मार्ग स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। अस्पताल प्रबंधन ने कागजी कार्रवाई के बाद परिजनों को शव सौंप दिया। वे शव लेकर बाजपुर चले गए। इधर, जब पुलिस को सूचना मिली तो परिजनों से बात कर शव वापस मंगाया। बृहस्पतिवार को शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। परिजनों ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कराने की बात कही है। इधर, पिकअप चालक सुरेंद्र को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। पुलिस ने ट्रक कब्जे में ले लिया जबकि चालक फरार हो गया।

दिव्यांग के साथ सहवर्ती को भी निःशुल्क यात्रा

हल्द्वानी, एजेंसी। दिव्यांग के साथ ही अब उसके सहवर्ती को भी रोडवेज की बसों में निशुल्क यात्रा का लाभ मिलेगा। पूर्व में की गई शिकायत के संदर्भ में निर्णय लेते हुए रोडवेज के जीएम (संचालन) ने कहा कि दिव्यांग को निशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। साथ ही उसके साथ यात्रा करने वाले सहवर्ती का भी टिकट नहीं लिया जाएगा। हल्द्वानी डिपो के एआरएम सुरेंद्र सिंह बिष्ट ने यह आदेश हल्द्वानी डिपो की इंचार्ज इंद्रा भट्ट को भेजा दिया है।

स्वतंत्रता सेनानियों और समाजसेवियों के नाम से जाने जाएंगे नगर के मार्ग

भवाली (नैनीताल), एजेंसी। नगर पालिका सभागार में बुधवार को पालिकाध्यक्ष संजय वर्मा ने सभासदों के साथ बोर्ड बैठक कर नगर क्षेत्र के विकास के लिए कई प्रस्ताव पारित किए। इस दौरान नगर के मार्गों के नाम स्वतंत्रता सेनानियों और समाजसेवियों के नाम से रखने के प्रस्ताव को भी हरी झंडी दी गई। पालिकाध्यक्ष संजय वर्मा ने बताया कि घोड़ाखाल मार्ग पर स्थित वर्षों पुरानी बोरिंग को जल संस्थान की ओर से अधिग्रहण करने को पत्र भेजने, चिल्ड्रन पार्क में बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने, रिसाइक्लिंग प्लांट का नाम पूर्व चेयरमैन बृज मोहन कपिल के नाम पर करने, नगर के विभिन्न मार्गों के नाम स्वतंत्रता सेनानियों, समाजसेवियों, पालिका के पूर्व सभासदों और अध्यक्षों के नाम पर रखने, विभिन्न वार्डों में विकास कार्यों में सड़क, नाली, रेलिंग, स्ट्रीट लगाने समेत तमाम प्रस्ताव पारित किए गए। कहा कि पालिका का उद्देश्य नगर के सभी वार्डों को विकसित करना है। ईओ संजय कुमार, सभासद मुकेश कुमार, विनोद तिवारी, नाजमा खान, मीना बिष्ट, किशन अधिकारी, मनोज तिवारी, इंदर कपिल, प्रियंका जोशी आदि मौजूद रहे।

साल का पहला दुर्लभ सूर्यग्रहण भारत में नहीं दिखा

नैनीताल, एजेंसी। साल का पहला सूर्यग्रहण गुरुवार लगा। यह संकर (हाईब्रिड) सूर्यग्रहण था। दुनिया के सीमित हिस्सों में देखे जाने वाला यह ग्रहण भारत में भी नहीं दिखा। भारतीय समयानुसार यह ग्रहण 20 अप्रैल सुबह 7-04 बजे शुरू और दोपहर 12-29 बजे समाप्त हुआ। इससे पहले संकर सूर्यग्रहण 2013 में दिखा और आगे 2031 में लगेगा। आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के निदेशक प्रो. दीपांकर बनर्जी ने बताया कि इस वर्ष सिर्फ चार ग्रहण लगेंगे। जिनमें दो सूर्य ग्रहण और दो चंद्रग्रहण होंगे। 20 अप्रैल को लगने जा रहा ग्रहण हाईब्रिड यानी संकर सूर्यग्रहण होगा। इस ग्रहण का पाथ संकरा होने के कारण इसे संकर ग्रहण कहा जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य ग्रहण में 12 घंटे पहले सुत्तक व चंद्र ग्रहण में 9 घंटा पहले सुत्तक लग जाता है। इस समय पूजा पाठ मंदिर का कपाट आदि बंद रहते हैं। इस साल 2023 का पहला सूर्य ग्रहण सिंगापुर, थाईलैंड, ताइवान, मलेशिया, फिजी, जापान, कंबोडिया, चीन, अमेरिका, इंडोनेशिया, सोलोमन, बरूनी, अंटार्कटिका, आस्ट्रेलिया, दक्षिण हिंद महासागर, दक्षिण प्रशांत महासागर न्यूजीलैंड, वियतनाम और फिलीपींस जैसे देशों में दिखाई देगा।

यहां रहने वाले लोगों के लिए सुत्तक पात्तक मान्य होंगे। विशेषकर गर्भवतियों एवं अन्य महिलाओं-पुरुषों का ग्रहण काल की अवधि में भोजन, शयन, सहवास आदि से दूरी बनाना ही श्रेयस्कर रहेगा।

यात्रा दल के वाहनों को सीएम ने किया हरी झंडी दिखाकर रवाना

देहरादून, एजेंसी।
24 और 25 अप्रैल को हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा भी की जाएगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड की चारधाम यात्रा के लिए श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत सभी तैयारियां की गई है। चारधाम यात्रा की नियमित समीक्षा की जा रही है मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को केदारनाथ धाम के सेवादार सदस्यों के दल के वाहनों का फ्लैग ऑफ किया। इन सेवादारों द्वारा श्री केदारनाथ यात्रा मार्ग पर 21 से 25 अप्रैल तक श्रद्धालुओं के लिए उत्तराखंड के मुख्य सेवक के नाम पर भंडारे का आयोजन किया जाएगा। बाबा केदार की डोली के गुप्तकाशी से केदारनाथ पहुंचने तक यात्रा पड़ावों पर श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया जाएगा। 24 और

25 अप्रैल को हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा भी की जाएगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड की चारधाम यात्रा के लिए श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत सभी तैयारियां की गई है। चारधाम यात्रा की नियमित समीक्षा की जा रही है।

चारधाम यात्रा के प्रति लोगों में काफी उत्साह हैं। अभी तक 16 लाख से अधिक पंजीकरण हो चुके हैं। स्वयं सेवी संगठनों एवं सामाजिक संगठनों का पूरा सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा की देवभूमि उत्तराखण्ड आने वाले सभी श्रद्धालुओं को हर संभव सुविधा दी जाएगी। इस अवसर पर कर्नल अजय कोठियाल (से.नि) भी मौजूद रहे।

बीते 24 घंटे के भीतर प्रदेश में 147 लोग मिले कोरोना संक्रमित, एक मरीज की मौत

देहरादून, एजेंसी।
प्रदेश में कुल 1068 सैंपलों की जांच की गई। 147 लोग कोरोना संक्रमित मिले हैं। इसमें देहरादून जिले में 60, नैनीताल में 29, ऊधमसिंह नगर में 24, पौड़ी में 9, टिहरी में 8, हरिद्वार व चंपावत में 6-6, चमोली व पिथौरागढ़ में दो-दो, उत्तरकाशी जिले में एक संक्रमित मिला है।

प्रदेश में कोरोना संक्रमित मामले लगातार बढ़ रहे हैं। बीते 24 घंटे के भीतर 147 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए। जबकि एम्स ऋषिकेश में एक संक्रमित मरीज की मौत हुई है। पिछले साढ़े तीन माह में एक दिन में संक्रमितों की सबसे अधिक संख्या रही है।

स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार बुधवार को प्रदेश में कुल 1068 सैंपलों की जांच की गई।

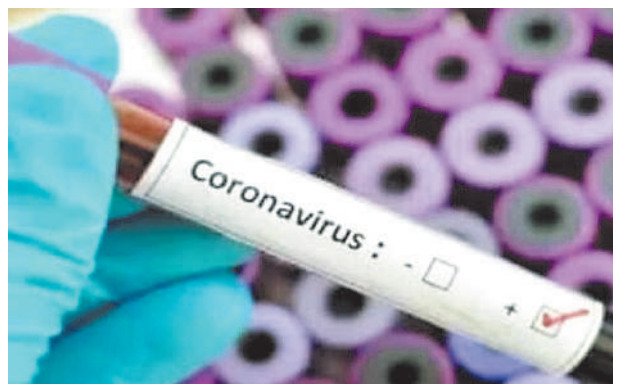

147 लोग कोरोना संक्रमित मिले हैं। इसमें देहरादून जिले में 60, नैनीताल में 29, ऊधमसिंह नगर में 24, पौड़ी में 9, टिहरी में 8, हरिद्वार व चंपावत में 6-6, चमोली व पिथौरागढ़ में दो-दो, उत्तरकाशी जिले में एक संक्रमित मिला है। एम्स ऋषिकेश में भर्ती एक संक्रमित मरीज की मौत हुई है। एक जनवरी 2023 से अब तक प्रदेश में कुल 1556 संक्रमित मामले मिले हैं। जबकि 10 संक्रमितों की मौत हुई है।

वन निगम की टीम पर हमला, पथराव

रामनगर (नैनीताल), एजेंसी। कोसी नदी में अवैध खनन को रोकने गई वन निगम की टीम पर लकड़ी तस्करों ने हमला कर दिया। आरोपियों ने निगम की गाड़ी पर पथराव कर क्षतिग्रस्त कर दिया और फरार हो गए। बुधवार को वन निगम डीएलएम शेर सिंह राणा टीम के साथ कोसी नदी में अवैध खनन के खिलाफ छापा मारने गए थे। इस दौरान बंजारी द्वितीय गेट के पास लकड़ियों से भरी एक बैलगाड़ी आती नजर आई। उन्होंने बताया कि बैलगाड़ी में एक महिला व पुरुष सवार थे। पूछताछ करने पर दोनों लकड़ी के संबंध में वे जानकारी नहीं दे पाए। शक होने पर टीम ने पुरुष को निगम की गाड़ी में बिठा लिया। महिला को पकड़ने के लिए कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई लेकिन इसी बीच महिला ने वन निगम की टीम पर पत्थर बरसाने शुरू कर दिए। गाड़ी में बैठे आरोपी ने वाहन का पिछला शीशा तोड़ दिया और वह भी निगम की टीम से हाथापाई करने लगा।

वनों से धार्मिक अतिक्रमण हटाने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त, पहले से चल रही कार्रवाई, अब होगी तेज

देहरादून, एजेंसी। राज्य के शहरी, ग्रामीण आबादी क्षेत्र के आसपास वन भूमि पर धार्मिक स्थलों और अन्य गतिविधियों की आड़ में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण किए गए हैं। वन भूमि पर हुए इन अतिक्रमणों को शासन ने गंभीरता से लिया है। इसके साथ ही अतिक्रमणों को हटाते हुए वन भूमि को खाली कराने के निर्देश मिले हैं।

प्रदेश में वन भूमि पर बड़े पैमाने पर धार्मिक स्थलों और अन्य गतिविधियों के नाम पर अतिक्रमण हुए हैं। शासन के निर्देश पर वन मुख्यालय की ओर से ऐसे अतिक्रमणों को चिह्नित करने के साथ ही कार्रवाई के लिए मुख्य वन संरक्षक, वन पंचायत एवं सामुदायिक वानिकी डॉ.पराग मधुकर धकाते को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

इस संबंध में प्रमुख वन संरक्षक (हॉफ) विनोद कुमार सिंघल की ओर से बुधवार को आदेश जारी किए गए हैं। इसमें कहा गया है कि संज्ञान में आया है कि राज्य के शहरी, ग्रामीण आबादी क्षेत्र के आसपास वन भूमि पर धार्मिक स्थलों और अन्य गतिविधियों की आड़ में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण किए गए हैं। वन भूमि पर हुए इन अतिक्रमणों को शासन ने गंभीरता से लिया है। इसके साथ ही अतिक्रमणों को हटाते हुए वन भूमि को खाली कराने के निर्देश मिले हैं।

नोडल अधिकारी बनाए गए वरिष्ठ आईएफएस अधिकारी डॉ.पराग मुधकर धकाते से कहा गया है कि वह ऐसे अतिक्रमणों और अन्य गतिविधियों की सूचनाएं एकत्र करने के साथ ही इन्हें हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। इस काम की प्रत्येक दिन समीक्षा की जाएगी। इसकी रिपोर्ट धकाते प्रतिदिन हॉफ को देंगे और वह शासन को अवगत कराएंगे।

इस मामले में शासन के निर्देश पर वन क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पहले से जारी है, लेकिन अब सरकार के निर्देश पर वन मुख्यालय की ओर से नोडल अधिकारी की तैनाती कर दी गई है। ऐसे में माना जा रहा है कि वन क्षेत्रों में हुए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई अब तेज हो सकती है।

उड़द की दाल से बनाया जा रहा है डांडा नागराज मंदिर, सीमेंट प्रयोग न करने के पीछे है खास वजह

उत्तरकाशी, एजेंसी।
जनपद की गंगा-यमुना घाटी अपनी भवन शैली निर्माण के लिए जानी जाती है। यहां के गांवों में पंचपुरा सहित ढैपुरा शैली के मकान सबसे ज्यादा बनाए जाते हैं।

सीमांत जनपद उत्तरकाशी अपनी संस्कृति के लिए देश-विदेश में प्रसिद्ध है। जिले के भंडारस्यूं क्षेत्र में डांडा नागराजा के मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। मंदिर निर्माण में ग्रामीणों के घरों से दी गई उड़द की दाल का प्रयोग किया जा रहा है। देवडोली के आदेश पर मंदिर निर्माण में किसी भी प्रकार के सीमेंट और रेत-बजरी का प्रयोग नहीं किया जा रहा है। ग्रामीण मंदिर के लिए उड़द की दाल दान कर रहे हैं।

जनपद की गंगा-यमुना घाटी अपनी भवन शैली निर्माण के लिए जानी जाती है। यहां के गांवों में पंचपुरा सहित ढैपुरा शैली के मकान सबसे ज्यादा बनाए जाते हैं। इन भवनों में पूरे संयुक्त परिवार सहित मवेशियों के रहने की व्यवस्था होती है लेकिन आज के भौतिकवाद में पहाड़ की भवनशैली विलुप्त हो रही है। विलुप्त होती भवन शैली और निर्माण सामग्री को बचाने के लिए जुणगा-भंडारस्यूं के ग्रामीणों ने एक नई शुरूआत की

है।

क्षेत्र के दशगी और भंडारस्यूंय पट्टी में स्थित देवलडांडा में डांडा नागराज देवता का मंदिर का निर्माण करवाया जा रहा है जिसमें करीब 10 से 11 गांव के ग्रामीण सहयोग कर रहे हैं। मंदिर का निर्माण कार्य हिमाचल, बगांण और पत्थरों को सहारनपुर के कारीगर तराश रहे हैं। निर्माण कार्य में सात लोग जुटे हैं जो एक साल के भीतर पूरा मंदिर तैयार करके देंगे।

डांडा नागराज मंदिर समिति के अध्यक्ष विजेन सिंह कुमांई ने बताया कि देवता की देवडोली ने आदेश किया है कि उनके मंदिर निर्माण में सीमेंट और रेत बजरी का प्रयोग न किया जाए। उसके स्थान पर उड़द (काली दाल) का प्रयोग किया जाए जिसके लिए ग्रामीण अपनी श्रद्धा से घरों से उड़द की दाल पीस कर मंदिर समिति को दे रहे हैं।

जिला पंचायत सदस्य शशी कुमांई का कहना है कि यह नागराज देवता के आदेश से एक अनूठा प्रयास है। यह तकनीक हमारी समृद्ध भवन शैली धरोहर के संरक्षण में एक मील का पत्थर साबित होगा। वरिष्ठ पत्रकार सूरत सिंह रावत बताते हैं कि पहाड़ में उड़द की दाल का प्रयोग भवन निर्माण में टिहरी रियासत के समय किया जाता था।

पहले किया बदरी-केदार यात्रा का पंजीकरण, अब गंगोत्री व यमुनोत्री में उठानी पड़ रही परेशानी

देहरादून, एजेंसी।
21 फरवरी से पर्यटन विभाग ने बदरीनाथ-केदारनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू की थी। पर्यटन विभाग ने चारों धामों की क्षमता के अनुसार प्रतिदिन पंजीकरण का स्लॉट निर्धारित किया है। जिसके तहत बदरीनाथ के लिए 18 हजार, केदारनाथ के लिए 15 हजार, गंगोत्री के लिए 9000 और यमुनोत्री के लिए 5500 प्रतिदिन पंजीकरण किए जा रहे हैं।

चारधाम यात्रा में आने वाले तीर्थयात्रियों को पंजीकरण के लिए दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिन यात्रियों ने पहले केदारनाथ और बदरीनाथ धाम के लिए पंजीकरण किया है। अब उनका गंगोत्री व यमुनोत्री धाम जाने का प्लान बना है। तो उन्हें बुकिंग स्लाट फुल होने से पूर्व पंजीकरण के अनुसार दर्शन के लिए तिथि नहीं मिल रही है।

उधर, सरकार का कहना है कि किसी भी यात्री को बिना दर्शन किए वापस नहीं भेजेंगे। पर्यटन विभाग ने चारों धामों की क्षमता के अनुसार प्रतिदिन पंजीकरण का स्लॉट निर्धारित किया है। जिसके तहत बदरीनाथ के लिए 18 हजार, केदारनाथ के लिए 15 हजार, गंगोत्री के लिए 9000 और यमुनोत्री के लिए 5500 प्रतिदिन पंजीकरण किए जा रहे हैं।

21 फरवरी से पर्यटन विभाग ने बदरीनाथ-केदारनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू की थी, जबकि गंगोत्री व यमुनोत्री की धाम के कपाट खुलने की औपचारिक घोषणा न होने से पर्यटन विभाग ने पंजीकरण शुरू नहीं किया। बाद में मंदिर समितियों की ओर से पत्र देने के बाद 15 मार्च से गंगोत्री व यमुनोत्री के लिए पंजीकरण शुरू किया

गया, लेकिन जिन यात्रियों ने पहले केदारनाथ व बदरीनाथ के लिए पंजीकरण किया। अब उन्हें गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के लिए पूर्व पंजीकरण के अनुसार दर्शन के लिए पंजीकरण उपलब्ध नहीं हो रहा है। गुजरात के अहमदाबाद के नरेश ठाकुर ने पंजीकरण उपलब्ध न होने पर पर्यटन के कंट्रोल रूम में संपर्क किया। जिसमें उन्होंने 20 मई को यमुनोत्री धाम के लिए पंजीकरण उपलब्ध कराने की बात कही। उन्हें बताया कि यमुनोत्री धाम के लिए बुकिंग स्लॉट नहीं है। लिहाजा जून महीने में यात्रा के लिए पंजीकरण करा सकते हैं। चारधाम यात्रा में आने वाले सभी यात्रियों को दर्शन कराए जाएंगे। यदि किसी यात्री के पास पंजीकरण नहीं है तो उन्हें वापस नहीं भेजा जाएगा। इसके लिए ऋषिकेश व हरिद्वार में ऑफलाइन बुकिंग की सुविधा होगी।

प्रदूषण के खिलाफ समर एक्शन प्लान को लेकर 30 विभागों ने सौंपी अपनी रिपोर्ट - गोपाल राय

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

जानकारी

- पर्यावरण विभाग को समर एक्शन प्लान के तहत सभी विभागों द्वारा दिए गए रिपोर्ट / सुझावों के आधार पर विस्तृत कार्ययोजना बनाने के दिए गए निर्देश - गोपाल राय

दिल्ली में गर्मियों के मौसम में होने वाले प्रदूषण से निपटने के लिए केजरीवाल सरकार ने अपनी तैयारियाँ तेज कर दी है` पिछले वर्ष के समर एक्शन प्लान की सफलता के बाद इस वर्ष 16 फोकस बिन्दुओ के साथ सरकार समर एक्शन प्लान को लांच करने जा रही है` इसी सन्दर्भ में आज दिल्ली सचिवालय में पर्यावरण मंत्री गोपाल राय की अध्यक्षता में सभी सम्बंधित विभागों के साथ समर एक्शन प्लान को लेकर समीक्षा बैठक की गई` इस बैठक में समर एक्शन प्लान से संबंधित 30 विभागों ने अपनी -अपनी रिपोर्ट / सुझाव पर्यावरण विभाग को सौंपे पर्यावरण विभाग को समर एक्शन प्लान के तहत सभी विभागों द्वारा दिए गए रिपोर्ट / सुझावों के आधार पर विस्तृत कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए है` दिल्ली के माननीय मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को समर एक्शन प्लान की विस्तृत रिपोर्ट 24 अप्रैल को सौंपी जाएगी

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि प्रदूषण की रोकथाम के लिए केजरीवाल सरकार निरंतर कार्यरत रही है` पिछले वर्ष सर्दियों के मौसम में होने वाले प्रदूषण से निपटने के लिए शुरू किए गए विंटर एक्शन प्लान का नतीजा यह रहा कि दिल्ली में पीएम 10 और पीएम 2.5 की मौजूदगी में लगातार गिरावट दर्ज की गई है` साथ ही पिछले 8 सालो में प्रदुषण स्तर में भी लगभग 30 प्रतिशत से ज्यादा की कमी देखी गई है` इस वर्ष भी सरकार गर्मियों के मौसम में होने वाले प्रदूषण से निपटने के लिए 16 फोकस बिन्दुओ पर आधारित समर एक्शन प्लान लेकर आ रही है` जिसके लिए विभाग द्वारा 12 अप्रैल को सभी सम्बंधित विभागों के साथ संयुक्त बैठक की गई थी` उस बैठक के दौरान सभी विभागों को 7 दिन अर्थात 20 अप्रैल तक समर एक्शन प्लान के तहत निर्धारित 16 फोकस बिंदुओं के आधार पर कार्ययोजना तैयार कर अपनी रिपोर्ट पर्यावरण विभाग को सौपने के निर्देश दिए गए थे। आज विभिन्न विभागों द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट पर चर्चा करने के लिए दिल्ली सचिवालय में संयुक्त बैठक की गई` बैठक में पर्यावरण विभाग, डीपीसीसी , विकास विभाग, दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड , सीपीडब्लूडी , डीडीए , दिल्ली पुलिस, डीटीसी, राजस्व विभाग, डीएसआईआईडीसी , शिक्षा विभाग , डीएमआरसी , पीडब्लूडी , ट्रांसपोर्ट विभाग , एनएचएआई , दिल्ली जल बोर्ड , डूसिब, एनडीएमसी, एमसीडी आदि के अधिकारी शामिल रहे`

उन्होंने बताया कि समर एक्शन प्लान में शामिल 16 फोकस बिन्दुओ के तहत दिल्ली के प्रदूषण के नियंत्रण के लिए तात्कालिक और दीर्घकालिक एक्शन प्लान बनाकर उसको लागू करने की तरफ काम करने का निर्णय लिया गया है` इसी कड़ी में आज बैठक के बाद पर्यावरण विभाग को सभी विभागों द्वारा सौंपे गए रिपोर्ट / सुझावों के आधार पर विस्तृत कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए` समर एक्शन प्लान का फाइनल ड्राफ्ट तैयार कर उसकी विस्तृत रिपोर्ट 24 अप्रैल को दिल्ली के मुख्यंत्री अरविन्द केजरीवाल को सौंपी जाएगी` इस बैठक का मुख्य उद्देश्य दिल्ली के अंदर प्रदूषण के खिलाफ संयुक्त कार्य योजना का निर्माण करना है।

2 लाख बच्चों में से टॉप 100 बिजनेस ब्लास्टर्स स्टार्टअप,इन्वेस्टमेंट एक्सपो के लिए चुने गये

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

पहले साल की शानदार सफलता के बाद, केजरीवाल सरकार के बिजनेस ब्लास्टर्स प्रोग्राम में दूसरे साल भी छात्रों का जबरदस्त प्रदर्शन रहा है। केजरीवाल सरकार के इस स्टूडेंट एंत्रप्रेन्योरशिप प्रोग्राम के तहत गुरुवार को इन्वेस्टमेंट एक्सपो के लिए विभिन्न चरण से होते हुए 2 लाख बच्चों में से टॉप 100 स्टार्टअप्स की चयन प्रक्रिया पूरी हुई। गुरुवार को स्वयं शिक्षा मंत्री आतिशी ने सर्वोदय विद्यालय राउज एवेन्यू में जाकर छात्रों के से उनके बिजनेस आइडियाज को जाना और उनसे बातचीत की

बता दें कि विभिन्न स्तरों की चयन प्रक्रिया के बाद ज़िला स्तर पर दिल्ली सरकार के स्कूलों की 995 बिजनेस ब्लास्टर्स टीमों ने 19 व 20 अप्रैल को 33 स्थानों पर 165 पैनलिस्टों के सामने अपने बिजनेस आइडिया प्रस्तुत किए और उनमें से इन्वेस्टमेंट एक्सपो के लिए 100 स्टार्टअप्स को चुनने की प्रक्रिया पूरी हुई। अब इन 100 स्टार्टअप्स में शामिल बच्चे इन्वेस्टमेंट एक्सपो में देशभर के इन्वेस्टर्स के सामने इन्वेस्टमेंट के लिए अपने बिजनेस आइडियाज प्रस्तुत करेंगे।

उल्लेखनीय है कि इन टीमों को अनुभवी एंत्रप्रेन्योर द्वारा प्रशिक्षित किया गया है। अंतिम चयन प्रक्रिया में बिजनेस ब्लास्टर्स की टीमों के बिजनेस आइडियाज का मूल्यांकन एक जिला स्तरीय एक्सपर्ट कमिटी द्वारा तैयार किए गए रूब्रिक के आधार पर किया गया है। बिजनेस ब्लास्टर्स में भाग लेने वाले सभी छात्रों के प्रयासों की सराहना करते हुए शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा, बिजनेस ब्लास्टर्स को दूसरे साल भी जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। दिल्ली सरकार के स्कूलों के छात्रों के उत्साह और रचनात्मकता के स्तर को देखकर ये साबित हो गया है कि हमारे बच्चों में प्रतिभा की कमी नहीं हैं। ईएमसी और बिजनेस ब्लास्टर्स को हमारे छात्रों को सफल उद्यमी बनने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस कार्यक्रम को हमारे छात्रों को रिस्क लेने, रोजमर्रा की चुनौतियों से बेहतर ढंग से निपटने में सक्षम बनाने के लिए तैयार किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि 12 साल की शिक्षा के बाद बच्चों में इस बात का भरोसा आ जाये कि वे अपने जीवन में कुछ बेहतर कर सकते है तो इसका साफ अभिप्राय है कि हमने शिक्षा से असल मकसद हासिल कर लिया है शिक्षा मंत्री ने कहा कि, आज छात्रों से यह जानकार बेहद खुशी हुई कि बच्चो ने अपनी पढ़ाई से जो कुछ सीखा है उसे अपने बिजनेस आईडिया में तब्दील कर रहे है ये हमारे लिए बेहद गौरवान्वित पल है साथ ही इस बात का उदाहरण भी है कि हमारे स्कूलों में बच्चों को 21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने के लिए जरुरी स्किल्स दिए जा रहे है उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्व में, बिजनेस ब्लास्टर्स कार्यक्रम का इस साल भी मुख्य फोकस यही है कि हमारे स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे अपने स्किल और प्रतिभा के दम पर ऐसे प्रोफेशनल बने जो नौकरी पाने की लाइन में न लगे बल्कि हजारों लोगों को नौकरी देने वाले बने

शिक्षा मंत्री ने कहा, बिजनेस ब्लास्टर्स के दो साल पूरे होने पर दिल्ली सरकार के स्कूलों के छात्रों में उल्लेखनीय परिवर्तन देखा जा सकता है। यह टीम एजुकेशन के लिए एक सपने के सच होने जैसा है जिसने सरकार द्वारा हर तबके के बच्चों के लिए सफलता के नए रास्ते खोलने के लिए चौबीसों घंटे काम किया है और उन्हें आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने में मदद की है। बता दे कि बिजनेस ब्लास्टर्स के 100 फाइनलिस्ट स्टार्टअप में शामिल बच्चों को केजरीवाल सरकार के सात विश्वविद्यालयों में दाखिले का मौका दिया जायेगा। वे एनएसयूटी, आईआईआईटी-डी, डीटीयू, आईजीडीटीयूडब्ल्यू, अंबेडकर विश्वविद्यालय, डीएसईयू और डीपीएसआरयू सहित राज्य के विश्वविद्यालयों में एडमिशन ले सकेंगे। साथ ही चयनित टीमों को दिल्ली स्किल एंड एंत्रप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी में स्थापित इनक्यूबेशन सेल में शामिल होने का मौका मिलेगा।

इस मौके पर शिक्षा मंत्री से साझा करते हुए एक छात्रा ने कहा कि, बिजनेस ब्लास्टर्स ने हमें आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनने और अपने स्किल्स के साथ जीवन में बेहतर करने का आत्मविश्वास दिया है उन्होंने बताया कि आज इस कार्यक्रम के बदौलत हमने नौकरी पाने के सपने देखना छोड़ दिया है और नौकरी देने वाला बनकर अपने आसपास की कई महिलाओं को रोजगार देने लगे है।

जेएनयू के हॉस्टलों में पानी की भारी किल्लत, छात्रों ने किया विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में छात्रों में पानी की किल्लत को लेकर विरोध प्रदर्शन किया है। छात्रों का आरोप है कि दिल्ली में बढ़ते तापमान के बीच हमें बुनियाद आवश्यकताओं से वंचित किया जा रहा है। डीन ऑफिस के बाहर प्रदर्शन के लिए इकट्ठा हुए छात्रों ने दावा किया कि छात्रावासों में अनियमित आपूर्ति और कम क्षमता वाले टैंक स्थापित किए जाने से परिसर में पानी की कमी हो गई है। हालाँकि, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (खठव) प्रशासन की ओर से इस पर कोई जवाब देने को तैयार नहीं है। इस चिलचिलाती गर्मी में लगातार पानी की कमी हम सभी को प्रभावित कर रही है। एक छात्र ने कहा कि छात्रावासों में पानी की लगातार कमी के कारण कई छात्र बीमार पड़ रहे हैं। बाहर पानी के लिए जाने को मजबूर छात्र एमफिल कर रही मधुरिमा कुंडू ने कहा, हमें अक्सर आधी रात में पीने के पानी की तलाश में बाहर जाना पड़ता है। प्रशासन को जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने की जरूरत है। रिसर्ट स्कॉलर स्वाति सिंह ने कहा कि आक्रोशित छात्रों ने अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी की और पोस्टर भी लगाये। छात्रों ने जेएनयू परिसर में पानी की कमी के खिलाफ विरोध किया।

पीने के पानी की भी दिक्कत

यह शर्मनाक है कि जेएनयू प्रशासन छात्रों के निर्जलीकरण और पानी की कमी से निपटने के बारे में कम से कम परेशान है। हमें बुनियादी जीवन की आवश्यकता से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, लगभग सभी छात्रावासों में पानी की कटौती अक्सर होती है। पानी की आपूर्ति के लिए कोई निश्चित समय नहीं है और टैंक छोटे हैं। यहां तक कि पीने का पानी भी अक्सर खत्म हो जाता है।

जिम में चलाई गोली, आरोपी फरार

नई दिल्ली। जहांगीरपुरी इलाके में एक जिम के अंदर बदमाशों ने फायरिंग की। गनीमत यह रही कि गोली किसी को नहीं लगी। पुलिस ने जिम मालिक के बयान पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने जिम के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर बदमाशों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। जानकारी के मुताबिक जहांगीरपुरी पुलिस को भलस्वा मेट्रो अपार्टमेंट के पास जिम ऑफ मार्शल जिम के अंदर फायरिंग होने की पीसीआर कॉल मिली। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। कॉलर सूरज ने पुलिस को बताया कि उसका भलस्वा गांव में फर्स्ट फ्लोर पर जिम है। फायरिंग करने वाला लडका बाइक पर अकेला आया था। जिम में आते ही उसने फायरिंग की। जिसके बाद जिम करने आए लडके मशीनों के पीछे छुप गए थे। फायरिंग करने के बाद हमलावर वहां से चला गया। गोली जिम की छत में लगी थी। पुलिस को छत पर गोली लगने का निशान भी मिला। पुलिस को शक है कि वारदात के बीच वसूली या फिर आपसी रंजिश हो सकती है। शुरूआती जांच में जिम मालिक से पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि मालिक को कोई वसूली के लिये पहले धमकी तो नहीं आई थी। या फिर उसकी किसी से किसी विवाद को लेकर विवाद तो नहीं था।

दिल्ली दंगे के दो आरोपियों को जमानत मिली

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में भड़के साम्प्रदायिक दंगों के एक मामले के दो आरोपियों को अदालत ने जमानत दी है। अदालत ने कहा कि घटना को तीन साल से ज्यादा का समय हो गया है। मुकदमे की सुनवाई में समय लगेगा। ऐसे में आरोपियों को अधिक समय जेल में रखना उचित नहीं है। कड़कड़डूमा अदालत ने आरोपियों को कहा कि वह इस मामले से संबंधित शिकायतकताओं से संपर्क करने का प्रयास ना करे। साथ ही अदालत ने आरोपियों को हिदायत दी है कि वह साक्ष्यों और तथ्यों से छेड़छाड़ की कोशिश ना करें, अन्यथा उनकी जमानत रद्द कर दी जाएगी। पेश मामला 25 फरवरी 2020 को दयालपुर इलाके में घटित एक घटना को लेकर है। आरोपियों पर इल्जाम है कि इन्होंने कई दुकानों को लूटा था।

व्यवस्था परिवर्तन से ही बदलाव संभव : इलियास

नई दिल्ली। वेलफेयर पार्टी ऑफ इंडिया का स्थापना दिवस दिल्ली में बड़े व्यापक स्तर पर मनाया गया। इस मौके पर दिल्ली के वेलफेयर पार्टी ऑफ इंडिया के प्रधान कार्यालय में भव्य कार्यक्रम और इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. एसक्यूआर इलियास कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि देश में बदलाव सत्ता परिवर्तन से नहीं बल्कि व्यवस्था परिवर्तन से ही संभव है। सर्वप्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा पार्टी कार्यालय में झंडा रोहण किया गया। इसके बाद दिल्ली के पार्टी सचिव आरिफ अखलाक ने वेलफेयर पार्टी ऑफ इंडिया एक परिचय विषय पर अपने विचार प्रकट किए। उन्होंने बताया कि वेलफेयर पार्टी दूसरी अन्य पार्टियों से भिन्न है। वेलफेयर पार्टी का उद्देश्य भारत को वेलफेयर स्टेट बनाना है। इसके बाद इफ्तार का आयोजन किया गया। नमाज-ए-मगरिब के बाद ओखला विधान सभा प्रभारी अहसन फिरोजाबादी ने पार्टी का गीत पेश किया।

हत्या की गुत्थी सुलझी, दो आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

उत्तर पूर्वी दिल्ली की शास्त्री पार्क थाना पुलिस ने 16 साल के किशोर की हत्या की गुत्थी को सुलझा लिया है। पुलिस ने हत्या के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक प्रेम प्रसंग के चलते किशोर की हत्या की गई थी। आरोपित की पहचान यामीन और साहिल के रूप में हुई है। डीसीपी डॉ. जॉय टिर्की ने बताया बुधवार पूर्वाह्न 10:28 बजे बजे 16-17 वर्ष की आयु के एक किशोर का शव दूसरे पुश्ता के पास पड़े होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव सड़क से लगभग 25 मीटर दूर सहारनपुर एक्सप्रेसवे के पिलर नंबर 92-93 के करीब खादर क्षेत्र में पाया गया। मृतक का मोबाइल फोन गायब था। आसपास के लोगों से पूछताछ करने पर मृतक की पहचान हो गई। वह न्यू उस्मानपुर इलाके में अपने परिवार के साथ रहता था। मृतक को आखिरी बार उसकी मां ने 18 अप्रैल से एक दिन पहले लगभग 10:00 बजे देखा था, जब वह कुछ दोस्तों से मिलने के लिए रात के खाने के बाद घर से निकला था। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के लिए एडिशनल डीसीपी संध्या स्वामी की देखरेख में कई टीमों का गठन किया गया। शुरूआती जांच के दौरान पता चला किशोर 5 मार्च को ऑब्जर्वेशन होम से रिहा हुआ था। वह कथित तौर पर नोएडा में चोरी के एक मामले में 4 महीना पहले पकड़ा गया था। आगे पुलिस जांच में यह पाया गया कि किशोर किराए के मकान में तीसरी मंजिल पर रहता था। स्थानीय जांच में पता चला कि वह उसी इमारत के भूतल पर रहने वाली एक लड़की के करीब था। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद से ही लड़की और उसका एक भाई लापता है। आगे की जांच में यह पाया गया कि लड़की का भाई इस रिश्ते के खिलाफ था। इस कारण मृतक के साथ अक्सर झगड़ा करता था। पुलिस ने बताया कि मृतक चार महीने से ऑब्जर्वेशन होम में बंद था। जबकि लड़की उसी इलाके में एक अन्य लड़के के करीब आ गई थी। इस लड़के की पहचान यामिन के रूप में हुई। पुलिस जब यामीन के घर पहुंची तो वह भी अपने घर से लापता था।

ये शातिर चाबी बनाकर घर की करते थे पहचान, फिर कर देते थे हाथ साफ

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को चोरियों की वारदातों में शामिल एक गैंग के दो चोर को गिरफ्तार किया है। चोरों की पहचान जोगिंदर सिंह (29) और करतार सिंह (25) के रूप में हुई है, जो मध्य प्रदेश के इंदौर से संचालित ताला चाबी सिकलिगार गैंग के सदस्य हैं। ये दोनों चोर दिल्ली के कृष्णा नगर में कुछ दिनों पहले हुई चोरी की वारदात में शामिल थे। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि उनकी गिरफ्तारी के साथ 5 लाख रुपये से अधिक मूल्य का 100 ग्राम सोना भी बरामद किया गया है।

साथ ही पुलिस ने कहा कि शेष चोरी के सामानों को बरामद करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि दोनों चोर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास होटल में रुकते थे। दिन के समय में ये चोर दिल्ली की रिहायशी कॉलोनियों में चाबी बनाने वाले बनकर जाते थे। इसके बाद इस घटना को अंजाम देते थे।

अंडर ट्रायल कैदियों को अच्छे आचरण पर सजा में मिलेगी छूट

नई दिल्ली। दिल्ली की जेलों ने एक नया नियम पेश किया है जो कैदियों को विचाराधीन कैदियों के रूप में बिताए गए समय के दौरान उनके अच्छे आचरण के आधार पर छूट प्रदान करने की अनुमति देता है। गुरुवार को एक अधिकारी ने बताया कि यह पहली बार है कि भारतीय दंड प्रणाली में इस तरह का प्रावधान किया गया है और वर्तमान में केवल सजायाफ्ता कैदी ही अपने व्यवहार के आधार पर छूट के पात्र थे।

जेल अधिकारियों के अनुसार, यह नया नियम कैदियों को विचाराधीन कैदियों के आचरण के आधार पर छूट के लिए विचार करने की अनुमति देगा। हालाँकि, उनके मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद ही उनकी सजा में छूट जोड़ी जाएगी। एक वरिष्ठ जेल अधिकारी ने कहा, इस पहल का उद्देश्य है कि कैदी अच्छे आचरण को प्रदर्शित करें।

ताकि उनकी सजा को कम करने का मौका मिल सके। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के 2021 के आंकड़ों से पता चलता है कि कुल जेल आबादी के संबंध में विचाराधीन कैदियों का प्रतिशत लगभग 77 प्रतिशत था। विडंबना यह है कि देश भर में ज्यादातर नियम दोषियों के लिए ही बनाए गए हैं। सभी छूट, काम की मजदूरी की सुविधा, पैरोल, फरलो, खुले संस्थान मुख्य रूप से दोषियों के लिए ही हैं।

एमसीडी स्कूलों के सुधार के लिए इस वर्ष बजट में आवंटित किए गए हैं 1700 करोड़ रुपये- आतिशी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

केजरीवाल सरकार ने एमसीडी के स्कूलों के लिए ग्रांट इन ऐड के तहत इस साल 1700 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। इसके तहत पहली तिमाही के लिए आज 400 करोड़ रुपये जारी किए हैं। मेयर शैली ओबरॉय के साथ प्रेसवार्ता करते हुए शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि दिल्ली के बच्चों को अच्छी शिक्षा देना हमारा वादा है,उसे निभाते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में अब एमसीडी के स्कूलों में पढ़ रहे 9 लाख बच्चों को भी शानदार शिक्षा मिलेगी। जिस तरह से दिल्ली सरकार के स्कूलों में बदलाव आए अब वैसे ही बदलाव एमसीडी के स्कूलों में भी आयेंगे। मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने कहा कि केजरीवाल सरकार ने एमसीडी स्कूलों की परेशानियों को ध्यान में रखते हुए जो फंड आवंटित किया है, उससे निगम स्कूलों में सुधार लाने में बड़ी मदद मिलेगी।

दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी और मेयर डॉ शैली ओबरॉय ने दिल्ली सचिवालय में आज महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता को संबोधित किया। शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि केजरीवाल सरकार के लिए शिक्षा हमेशा से पहली प्राथमिकता रही है। आम आदमी पार्टी ने सरकार में आने के बाद से ही बजट का सबसे बड़ा हिस्सा शिक्षा को ही दिया गया है। दिल्ली में ज्यादातर प्राथमिक स्कूल (पांचवी तक के) एमसीडी के अंतर्गत आते हैं। पिछली सरकारों में एमसीडी स्कूलों पर ध्यान नहीं दिया गया। इसका नतीजा रहा कि एमसीडी के स्कूलों से जो बच्चे दिल्ली सरकार के स्कूलों में कक्षा 6 में आते हैं, उनमें से बहुत से बच्चों को पढ़ना-लिखना भी नहीं आता है।

उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार दिल्ली के हर बच्चे को शानदार शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में हम एमसीडी के स्कूलों को भी शानदार बनाएंगे। एमसीडी स्कूलों का काम पहली से पांचवीं तक के बच्चों की बुनियादी शिक्षा को मजबूत करना है। इस ओर काम करते हुए हम अब एमसीडी के स्कूलों में पढ़ने वाले दिल्ली के 9 लाख बच्चों को शानदार शिक्षा देंगे। दिल्ली के बच्चों को अच्छी शिक्षा देने का हमारा वादा है। उसे निभाते हुए इस साल मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने एमसीडी के स्कूलों को ग्रांट इन ऐड के तहत बजट मुहैया करवा रही है। हम चाहते हैं कि जिस तरह से दिल्ली सरकार के स्कूलों में बदलाव आया है ठीक वैसे बदलाव और सुधार एमसीडी के स्कूलों में भी आयें। शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि हम रोज समस्याएं देखते है कि एमसीडी के शिक्षक धरने पर बैठे है। उन्हें तनख्वाह नहीं मिली है। एमसीडी के स्कूलों में सफाई नहीं होती है और बच्चों के बैठने के लिए डेस्क नहीं है। इन सब समस्याओं का जबाव आता था कि एमसीडी के पास पैसे नहीं हैं। इस समस्या को दूर करते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी के प्रयासों की वजह से इस बार एमसीडी के स्कूलों को 1700 करोड़ का फंड दिया जायेगा। इसकी पहली तिमाही के लिए आज 400 करोड़ रुपए का फंड जारी किया जा रहा है। इससे एमसीडी स्कूलों के फंड की समस्या दूर हो जाएगी। अब हम एमसीडी के स्कूलों को भी दिल्ली सरकार के स्कूलों की तरह वर्ल्ड क्लास बनायेंगे।

इस मौके पर मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने कहा कि दिल्ली सरकार, सीएम अरविंद केजरीवाल जी और शिक्षा मंत्री आतिशी जी की एमसीडी आभारी है। इन्होंने इतना बड़ा फंड एमसीडी स्कूल को आज दिया है। शिक्षा हमेशा से आम आदमी पार्टी की प्राथमिकता रही है। बाबा साहब अंबेडकर के विचारों पर चलते हुए हमारा मानना है कि शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जो राष्ट्र निर्माण करते हुए पूरे समाज को शिक्षित बनाकर तरक्की की तरफ ले जा सकता है।

कोरोना और झुलसाती गर्मी दोनों दिल्ली-एनसीआर के लोगों के लिए परेशानी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली-एनसीआर के लोगों पर इन दिनों दोहरा खतरा मंडरा रहा है। एक ओर जहां लगातार तेजी से कोरोना के बढ़ते मामले सामने आ रहे हैं, वहीं अप्रैल की शुरूआत से ही लू के थपेड़ों से लोग परेशान हैं। कोरोना और झुलसाती गर्मी दोनों दिल्ली-एनसीआर के लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गए हैं। दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, गाजियाबाद आदि क्षेत्रों में बीते एक हफ्ते से ज्यादा समय से कोरोना के मामलों में उछाल देखा गया है, जिससे लोगों की जान भी जा रही है।

वहीं इन दिनों अस्पतालों से लगातार खबर आ रही है कि लोग हीट स्ट्रोक का शिकार हो रहे हैं। अप्रैल के महीने में जिस तरह मई जून वाली गर्मी पड़ रही है और लू चल रही है, उससे लोगों को स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याएं आ रही हैं।

लू और धूप लगने से कई लोगों के मौत की खबर भी सामने आ चुकी है। ऐसे में इन दोनों आपदाओं से निपटने के लिए क्या कदम उठाने चाहिए उनके बारे में पढ़ें लू से बचने के उपाय

कोशिश करें कि तेज धूप और गर्म हवाओं में न निकलना पड़े।

अगर किसी वजह से तेज धूप या लू के बीच निकलना भी पड़े तो नींबू पानी या इलेक्ट्रॉल पीकर ही निकलें। साथ ही खाली पेट धूप में न निकलें।

शरीर में पानी की कमी न हो और शरीर हाइड्रेटेड रहे इसके लिए सिर्फ ताजे पानी पर निर्भर न रहें। पानी के साथ ही जूस, ठंडा दूध और नारियल पानी जैसे पेय पदार्थ भी ले सकते हैं।

कुछ ऐसे पेय पदार्थ हैं जो शरीर में पानी की मात्रा कम कर देते हैं उनका जितना सेवन कम हो सके करें। जैसे- सोडा, कोल्ड ड्रिंक, कॉफी और चाय।

धूप में निकलते वक्त हमेशा पूरी बाजू के कपड़े ही पहन के निकलें और सिर ढंककर।

पैदल निकल रहे हों तो छाते जरूर उपयोग करें।

आंख पर गौगल का इस्तेमाल करने के साथ ही मुंह पर कॉटन का कपड़ा या मास्क लगाकर निकलें। इससे शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है और लू से बचाव होता है।

बाहर निकलते वक्त पानी की बोतल जरूर साथ में रखें।

कोरोना से बचने के उपाय

आप दिल्ली-एनसीआर में रहते हैं तो भीड़भाड़ वाली जगह पर जाने से बचें।

जाना ही पड़े तो मास्क जरूर लगाएं और सैनिटाइजर भी साथ रखें।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट में जा रहे हों तो जरूर मास्क लगाएं और लोगों से दूरी बनाकर रखें। समय-समय पर हाथ धोते रहें। कुछ भी खाने या पीने से पहले हाथ सैनिटाइजर से साफ कर लें। इम्यूनिटी बढ़ाने वाली चीजें खाएं।

व्यायाम आदि भी करते रहें।

संबंधित लक्षण (खांसी, जुकाम, स्वाद का जाना, सिर दर्द आदि) दिखने पर डॉक्टर से संपर्क करें।

कोरोना पॉजिटिव हो जाएं तो खुद को क्वारंटाइन कर लें।

चालीस दिन बाद हाथ में लगी गोली ऑपरेशन कर निकाली

नई दिल्ली। मुखर्जी नगर इलाके में एक युवक के होली वाले दिन गोली मार दी थी। चालीस दिन बाद डॉक्टरों ने उसके हाथ की सर्जरी करके गोली निकाली है। लेकिन पीड़ित को नहीं पता कि गोली कहां से चली और किसने चलाई। इस बारे में पीड़ित को भी नहीं पता चला। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर अज्ञात बदमाश के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस वारदात के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपी की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

जानकारी के मुताबिक घायल युवक की पहचान ओम नगर संगम पार्क इलाके में किराये के मकान पर रहने वाले महमूद के रूप में हुई है। वह कबाड़ी की फेरी लगाने का काम करता है। महमूद ने पुलिस को बताया कि बीते सात मार्च की शाम करीब साढ़े पांच बजे वह इलाके में फेरी पर था। उसी वक्त उसके हाथ में पत्थर जैसी कोई चीज चीज लगी थी। उसके हाथ से खून बहने लगा। उसको लगा कि कोई चीज लग गई होगी। प्राईवेट उपचार के बीच आराम नहीं होने पर 25 मार्च को वह देश बंधू अस्पताल पहुंचा। डॉक्टरों ने उसका एक्सरे किया। जिसमें धातुनुमा चीज दिखाई दी। हाथ में फ्रेक्चर होने पर डॉक्टरों ने उसे राम मनोहर लोहिया अस्पताल उपचार के लिये भेजा। बीते सोमवार को ऑपरेशन करके डॉक्टरों ने उसके हाथ से गोली निकाली। पुलिस अब उसको उस जगह पर ले जाकर जांच कर रही है और आरोपी को पकडे की कोशिश कर रही है,जहां उसके गोली लगी थी।

दिल्ली पुलिस ने छात्राओं को दी सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग

नई दिल्ली । बाहरी दिल्ली में महिला सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस की तरफ से बेहतर प्रयास किया गया है। दरअसल यहां स्कूली छात्रों को एक सुरक्षित वातावरण मुहैया प्रदान करने के मकसद से ह्यमिशन सशक्तिह्न के तहत स्कूली छात्राओं को सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग दी गई है। साथ ही जिले के डीसीपी हरेंद्र सिंह के नेतृत्व में ऑल बुमन पुलिस स्कूटी पेट्रोलिंग को हरी झंडी दिखाई गई है। यह पुलिस स्कूल और उसके आसपास के इलाके में मनचलों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए गश्त करेगी। डीसीपी ने बताया कि महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए महिला पुलिस को पेट्रोलिंग में शामिल किया गया है। इस दौरान जिला के एडिशनल डीसीपी अमित वर्मा, एसीपी रिछपाल सिंह, एसएचओ मनोज वर्मा सहित स्कूल के शिक्षक और स्कूली छात्राएं मौजूद रहीं। डीसीपी हरेंद्र सिंह ने स्कूली छात्रों को संबोधित करते हुए आत्मरक्षा के गुर सिखाए और उन्हें यह समझाने का प्रयास किया कि यह ट्रेनिंग प्रोग्राम किस तरह से ना केवल सुरक्षा प्रदान करेगा, बल्कि उनके जीवन में भी कई बदलाव लाने का काम करेगा। डीसीपी ने कहा कि इसे केवल ट्रैनिंग सेशन तक सीमित नहीं रखना है, बल्कि इसे अपने जीवन में उतारना है। इस मौके पर स्कूली छात्रों ने भी सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग प्रोग्राम में अपनी दिलचस्पी दिखाई। छात्रों का मनोबल बढ़ाने के उद्देश्य से मुख्य अतिथि ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। स्कूली छात्रों की सुरक्षा के मद्देनजर महिला पुलिस पेट्रोलिंग पर जोर दिया गया है। यह पेट्रोलिंग स्कूल की पाली के अनुसार स्कूल और स्कूल के आसपास के इलाकों में गश्त करेगी, ताकि कोई भी मनचला छात्राओं की ओर आंख उठाने की जुर्रत भी न कर सके।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शुक्रवार, 21 अप्रैल, 2023

आतिशी ने अधिकारियों के साथ भैरों मार्ग से रिंग रोड पर बन रहे अंडरपास का निरीक्षण किया

- केजरीवाल सरकार की पीडब्ल्यूडी बाधाओ और तकनीकी चुनौतियों के बावजूद, दिल्ली को जाम मुक्त बनाने और ट्रैफि क को सुगम बनाने के लिए बेहतरीन काम कर रही है- आतिशी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

रिंग रोड रोड को जाममुक्त बनाने की दिशा में केजरीवाल सरकार के पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा भैरों मार्ग से रिंग रोड पर सराय काले खाँ,अक्षरधाम,नोएडा की दिशा में जाने वाले ट्रैफिक के लिए अंडरपास का निर्माण किया जा रहा है। गुरुवार की पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने अधिकारियों के साथ इसका निरीक्षण किया।

इस मौके पर पीडब्ल्यूडी मंत्री ने कहा कि प्रगति मैदान में रिंग रोड पर पीडब्ल्यूडी द्वारा बनाया जा रहा अंडरपास आधुनिक इंजीनियरिंग का शानदार नमूना है। उन्होंने कहा कि व्यस्त रेलवे लाइन के नीचे इस अंडरपास का निर्माण करना मुश्किल भरा काम है। लेकिन हमारे पीडब्ल्यूडी इंजिनियरों ने साबित कर दिया वो हर चुनौतियों से लड़ने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रोजैक्ट्स इस बात का उदाहरण है कि केजरीवाल सरकार की पीडब्ल्यूडी बाधाओ और तकनीकी चुनौतियों के बावजूद, दिल्ली को जाम मुक्त बनाने और ट्रैफि क को सुगम बनाने के लिए बेहतरीन काम कर रही है।

पीडब्ल्यूडी मंत्री ने कहा कि, इस अंडरपास के तैयार होने के बाद दिल्ली के 2 इंटरस्टेट बस टर्मिनल-कश्मीरी गेट और सराय काले खाँ के बीच की रोड़ पूरी तरह से सिग्नल फ्री हो जाएगी और यहाँ से गुजरने वाले लाखों वाहनों को जाम की समस्या का सामना नहीं करना होगा। साथ ही अभी भैरों मार्ग से जिन वाहनों को सराय काले खाँ,अक्षरधाम, नोएडा की ओर जाना होता है उन्हें ट्रैफिक की समस्या का सामना नहीं करना होगा और अंडरपास का इस्तेमाल करते हुए वो सीधे रिंग रोड पर निकल सकेंगे।

पीडब्ल्यूडी मंत्री ने कहा कि पीडब्ल्यूडी द्वारा इस अंडरपास को बनाने का तरीका खुद में अनूठा है और देश में पहली बार इतने बड़े स्तर पर बॉक्स पुशिंग के इस इंजीनियरिंग तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है। जो दिखाता है कि हमारा पीडब्ल्यूडी विभाग हमेशा नई चुनौतियों का सामना करने और उसका अनूठा हल निकालने के लिए तैयार है।

कैसे पीडब्ल्यूडी ने इस मुश्किल प्रोजेक्ट को बनाया संभव बता दें कि इस अंडरपास का निर्माण खुद में इंजीनियरिंग की एक बड़ी चुनौती है। अंडरपास का एक हिस्सा एक बेहद ही व्यस्त रेलवे लाइन के नीचे है, जहां से प्रतिदिन लगभग 120 ट्रेनें गुजरती है। ट्रेन की आवाजाही के लिए सक्रिय रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले रेलवे कॉरिडोर के साथ निर्माण कार्य नहीं किया जा सकता है, ऐसे में पीडब्ल्यूडी को यहाँ काम करने के लिए रोजाना केवल 4 घंटे ही मिल पाते है। जिसमें 3 घंटे रेलवे लाइन को हटाने और फिक्स करने में लग जाते है और बचे हुए समय में पीडब्ल्यूडी रेलवे लाइन के नीचे 1400 टन वजनी कंक्रीट ब्लॉक को खिसकाने का काम करती है। 6000 हॉर्सपॉवर के हाइड्रोलिक के साथ रोजाना केवल 30 सेमी ही खिसक पाता है कंक्रीट ब्लॉक

रेलवे लाइन जमीन से 9 मीटर की ऊँचाई पर है। काम के दौरान रेलवे लाइन न धँसे इसके लिए यहाँ 6000 हॉर्सपॉवर की हाइड्रोलिक मशीनों द्वारा कंक्रीट ब्लॉक को प्रतिदिन 30 सेंटीमीटर खिसकाया जाता है। कंक्रीट ब्लॉक को खिसकाने के बाद वहाँ मौजूद मिट्टी को हटाया जाता है। इसके बाद ही अगले दिन दोबारा बॉक्स पुशिंग का काम शुरू हो पाता है। यहाँ इंजिनियरों ने साझा किया कि बॉक्स पुशिंग की तकनीक को पहले भी इस्तेमाल किया जाता था लेकिन इतने बड़े स्तर पर पहली बार ये काम हो रहा है

यहाँ एक और बड़ी चुनौती ये है कि अंडरपास के नजदीक ही यमुना नदी है जिस कारण वाटर टेबल के अधिक होने की वजह से यहाँ काम करना और मुश्किल बन जाता है। लेकिन फिर भी चुनौतियों का सामना करते हुए पीडब्ल्यूडी के इंजिनियरों ने इसे संभव कर दिखाया

100 साल बाद आज हाइब्रिड सूर्य ग्रहण, इस राशि के लोगों को होगी स्वास्थ्य की परेशानी

- दूसरा सूर्य ग्रहण 14 अक्टूबर शनिवार को लगेगा। पंडित डा. प्रकाश जोशी बताते हैं कि ग्रहण मेष राशि के अश्वनी नक्षत्र में लगेगा।

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

सौ वर्ष बाद हाइब्रिड सूर्य ग्रहण 20 अप्रैल को लगेगा। इसमें ग्रहण के तीनों रूप देखने को मिलेंगे। जिसमें आंशिक, पूर्ण व वलयाकार ग्रहण लगेगा। इससे पहले इस प्रकार का ग्रहण वर्ष 1923 के आसपास था और अलग 2031 और 2164 में देखने को मिलेगा। 20 अप्रैल सुबह सात बजकर पांच मिनट से दोपहर 12 बजकर 29 मिनट तक सूर्य ग्रहण रहेगा। देश में सूर्य ग्रहण का प्रभाव आंशिक रूप से रहेगा। वर्ष 2023 का यह पहला सूर्य ग्रहण है। दूसरा सूर्य ग्रहण 14 अक्टूबर शनिवार को लगेगा। पंडित डा. प्रकाश जोशी बताते हैं कि ग्रहण मेष राशि के अश्वनी नक्षत्र में लगेगा।

इन लोगों को होगी स्वास्थ्य की परेशानी मेष राशि के लोगों के लिए स्वास्थ्य की परेशानी रहेगी। वृषभ, सिंह, तुला व कुंभ राशि के लिए ग्रहण लाभकारी है। इसमें बेहतर आर्थिक स्थिति और पदोन्नति के योग हैं। मिथुन, कन्या, धनु और मीन के लिए सामान्य असर रहेगा। कर्क व मकर राशि के लिए यात्रा व स्थान परिवर्तन का शुभ योग है। उन्होंने कहा कि सूर्य ग्रहण की स्थिति तब बनती है जब सूर्य और पृथ्वी के बीच चंद्रमा की स्थिति होती है।

ऐसी स्थिति में सूर्य का प्रकाश पृथ्वी तक नहीं पहुंच पाता। ग्रहण का नाम निंगालू रखा गया है। ज्योतिष शास्त्र में सूतक काल को अशुभ माना गया है। इस दौरान कोई भी शुभ कार्य नहीं होता। सूर्य ग्रहण का सूतक काल सूर्य ग्रहण से 12 घंटे पहले शुरू हो जाता है। हालांकि सूतक काल तभी मान्य होता है, जब ग्रहण दिखाई देता है।

ग्रहण के समय खाने में डाल दें तुलसी दल

आज यानी गुरुवार (20 अप्रैल) को लगने वाला ग्रहण भारत में नहीं दिखाई देगा। इसलिए यहां सूतक काल के समय मंदिरों के कपाट बंद नहीं होंगे, साथ ही धार्मिक कार्य भी जारी रहेंगे। सूर्य ग्रहण के दिन ही वैशाख माह की अमावस्या भी मनाई जाएगी। ग्रहण के समय में खाने में तुलसी दल डाल दें। साथ ही शुभ कार्य से लोगों को एहतियात बरतना चाहिए। ग्रहण का रिंग आफ फायर दक्षिण पूर्व एशिया, आस्ट्रेलिया, भारतीय व प्रशांत महासागर के क्षेत्र में दिखाई देगा।

मां के शव को घर ले जाने तक के नहीं थे पैसे, ई-रिक्शा में रखकर निकला बांदा

मध्य जिला पुलिस को मंगलवार की शाम को एक हैरान कर देने वाली खबर मिली। पुलिस को जानकारी देने वाले ने बताया कि करीब 30-32 वर्ष का एक युवक एक महिला के शव को ई -रिक्शा से लेकर जा रहा है। इस मामले की जानकारी, राजेंद्र नगर पुलिस थाना की पीसीआर को किसी शख्स के द्वारा दी गई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंच कर ई-रिक्शा चालक जगदीश निवासी बेगमपुर, दिल्ली से पूछताछ की। पता चला कि शव उनकी मां धनवती देवी का है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पूछताछ में पता चला कि बीमार होने के कारण जगदीश ने अपनी मां को रोहिणी स्थित आंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया था।

उनकी मां को शाम को अस्पताल से छुट्टी मिल गई। लेकिन बाद में घर पर उनकी मां का निधन हो गया। ऐसे में वह अपनी मां के शव को अपने गृह जनपद उत्तर प्रदेश के बांदा जिला लेकर जा रहे थे। शुरूआती जांच में जगदीश की मां के शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं पाए गए हैं।

शव का कराया पोस्टमार्टम

बुधवार को पुलिस ने राम मनोहर लोहिया अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराकर जगदीश को सौंप दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पता चलेगा।

वहीं शव ई रिक्शा में ले जाने पर बताया जा रहा है कि जगदीश के पास इतने पैसे नहीं थे कि वह अपनी मां के शव को शव वाहन बुक कर ले जा सके। इसलिए वह अपने ई-रिक्शा पर ही शव को लेकर जा रहे थे।

साकेत के सेलेक्ट सिटी वाक मॉल में खुला अस्त्रस्त्री स्टोर, टिम कुक ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिग्गज टेक कंपनी एप्पल के सीईओ टिम कुक ने आज गुरुवार को दिल्ली के साकेत में एप्पल स्टोर का उद्घाटन किया। ये भारत में एप्पल का दूसरा स्टोर है। हाल ही में मुंबई में एप्पल का पहला स्टोर खोला गया है।

जानकारी के मुताबिक इसमें प्रत्येक गेट शहर के इतिहास के एक नए अध्याय को दशार्ता है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 18 अप्रैल को मुंबई में एप्पल का रिटेल स्टोर खोला जा चुका है। इसका भी उद्घाटन एप्पल के सीईओ टिम कुक द्वारा किया गया था।

कानून के मुताबिक भारत में प्रोडक्ट्स की मैन्युफैक्चरिंग जरूरी थी और अब एप्पल अपने आइफोन की मैन्युफैक्चिंग करने के लिए तैयार है। कानून के तहत प्रोडक्ट्स का 30 प्रतिशत मेड इन इंडिया होना आवश्यक है। इसलिए भारत में आईफोन की मैन्युफैक्चिंग के फैसले के बाद कंपनी को स्टोर खोलने की अनुमति मिली है।

दिल्ली की गलियों में घूमे टिम कुक

इससे पहले बुधवार को एप्पल के सीईओ टिम कुक दिल्ली की गलियों में घूमे। वह दिल्ली आते ही लोधी रोड आर्ट्स डिस्ट्रक्ट पहुंचे। टिम वहां की आकषर्क दीवारों को देखकर काफी खुश हुए। उन्होंने अपने अधिकारिक ट्विटर हैंडल पर इसके बारे में ट्वीट करते हुए लिए लिखा कि लोधी आर्ट डिस्ट्रिक्ट एक शानदार पब्लिक प्लेस है। टिम यहां एसटी प्लस आर्ट फाउंडेशन की टीम के साथ पहुंचे थे। बता दें कि इसी फाउंडेशन द्वारा यहां की दीवारों पर चित्रकारी का काम किया गया है।

मजदूरों को केजरीवाल सरकार का तोहफा, दिल्ली सरकार ने बढ़ाया श्रमिकों का न्यूनतम वेतन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

केजरीवाल सरकार की ओर से दिल्ली में काम करने वाले लाखों श्रमिकों और कर्मचारियों को बड़ा तोहफा मिला है। महंगाई की मार झेल रहे दिल्ली के मजदूरों और कर्चारियों को राहत पहुंचाने के लिए दिल्ली सरकार के श्रम मंत्री राज कुमार आनंद ने गुरुवार को दिल्ली के अकुशल, अर्ध कुशल और कुशल श्रमिकों का मासिक वेतन बढ़ाने का आदेश जारी किया है। इसका लाभ लिपिक और सुपरवाइजर वर्ग के कर्मचारियों को भी मिलेगा। केजरीवाल सरकार ने इन कर्मचारियों को सौगात देते हुए इनके न्यूनतम मासिक वेतन में बढ़ोतरी की है। जिसमें गैर मैट्रिक, मैट्रिक और स्नातक कर्मचारी शामिल हैं। यह नई दरें 1 अप्रैल से लागू होंगी। श्रम मंत्री राज कुमार आनंद ने सभी श्रमिकों और कर्मचारियों को बढ़ी हुई दर के साथ भुगतान सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया है। श्रम मंत्री राज कुमार आनंद ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी के शानदार नेतृत्व में दिल्ली के गरीब और मजदूर वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए यह बड़ा कदम उठाया गया है। इससे महंगाई की मार झेल रहे श्रमिक वर्ग को राहत मिलेगी। दिल्ली के लाखों मजदूरों को महंगाई से मिलेगी राहत श्रम मंत्री राज कुमार आनंद ने कहा कि असंगठित क्षेत्र के ऐसे श्रमिकों को महंगाई भत्ते पर रोक नहीं लगाई जा सकती है, जिन्हें सामान्य तौर पर केवल न्यूनतम मजदूरी मिलती है इसलिए दिल्ली सरकार ने महंगाई भत्ते जोड़कर नया न्यूनतम वेतन की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि बीते सालों में कोरोना के कारण समाज का हर वर्ग आर्थिक रुप से काफी प्रभावित हुआ है। साथ ही महंगाई के कारण रोजमर्रा की वस्तुओं के लगातार बढ़ते दामों ने आम जनता की कमर तोड़ दी है। ऐसे में हम उम्मीद करते हैं कि दिल्ली सरकार द्वारा न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी से मजदूर भाईयों को सहायता मिलेगी।

हर महीने की सैलरी में बढ़ेंगे 500 रुपये दिल्ली सरकार द्वारा बढ़ाई गई न्यूनतम वेतन की नई दर के अनुसार अब कुशल श्रमिकों के मासिक वेतन को 20,357 रुपये से बढ़ाकर 20,903 रुपये करते हुए 546 रुपये की बढ़ोतरी की है। अर्ध कुशल श्रमिकों के मासिक वेतन को 18,499 रुपये से बढ़ाकर 18,993 रुपये कर 494 रुपए की बढ़ोतरी की है। वहीं अकुशल मजदूरों के मासिक वेतन में 16,792 रुपये से बढ़ाकर 17,234 रुपये करते हुए 442 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इतनी बढ़ी मंथली सैलरी (रुपये में) श्रमिक वर्ग पुरानी सैलरीरिवाइज्ड सैलरी

अकुशल श्रमिक पहले 16,792 अब 17,234

अर्ध कुशल श्रमिक पहले 18,499 अब 18,993

कुशल श्रमिक पहले पहले 20,357 अब 20,903

सुपरवाइजर और लिपिक वर्ग के कर्मचारियों को मिलेगा लाभ

दिल्ली सरकार की ओर से जारी न्यूनतम वेतन की नई दरों से दिल्ली के सुपरवाइजर और लिपिक वर्ग के कर्मचारियों को भी लाभ मिलेगा। नई दरों के अनुसार अब गैर मैट्रिक कर्मचारियों का मासिक वेतन 18,499 से बढ़ाकर 18,993 रुपये कर दिया गया है।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन ने ईद-उल-फितर की पूर्व संध्या पर सभी दिल्लीवासियों को दी बधाई

सूचना

- खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन ने ईद-उल-फितर के अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों को दिल्ली में सड़कों और गलियों की साफ सफाई सुनिश्चित करने के दिए निर्देश
- धार्मिक स्थलों के पास पानी के टैंकरों की व्यवस्था की जाएगी, ताकि श्रद्धालुओं को गर्मी के मौसम में पानी की समस्या का सामना न करना पड़े-इमरान हुसैन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन ने आगामी ईद-उल-फितर के मद्देनजर आज दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), पीडब्ल्यूडी और दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान धार्मिक स्थलों के आसपास खासकर ईद-उल-फितर के आगामी त्योहार के अवसर पर सड़कों और गलियों में पर्याप्त स्वच्छता और साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिया। उन्होंने एमसीडी अधिकारियों को ईद-उल-फितर के अवसर पर दिन में सुबह और देर शाम को दो बार सड़कों की सफाई करने को कहा। खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन ने कहा कि वे स्वयं वॉल्ड सिटी में स्वच्छता अभियान की निगरानी करेंगे। शुक्रवार , शनिवार और रविवार को विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा।

खाद्य आपूर्ति मंत्री ने अधिकारियों को चमेलियन रोड, राम कुमार मार्ग, झंडेलवालान रोड, कुतुब रोड, फतेहपुरी , चांदनी चौक, ईदगाह और इसके आसपास के इलाकों में त्यौहार के दौरान पर्याप्त सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्राथमिकता के आधार पर कचरे के निस्तारण के लिए अधिक संख्या में टिपर तैनात किए जाएँ।

खाद्य आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन ने दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों को स्थानीय निवासियों के लिए उच्च प्रेशर के साथ पानी का समान वितरण और शुद्ध पानी की निर्बाध आपूर्ति करने को कहा।उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों के पास पानी के टैंकरों की व्यवस्था की जाएगी, ताकि श्रद्धालुओं को गर्मी के मौसम में पानी की समस्या का सामना न करना पड़े।

बैठक के दौरान इमरान हुसैन ने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को चांदनी चौक से फतेहपुरी के बीच मुख्य सड़क के साथ-साथ फुटपाथ पर समुचित सफाई और कीटाणुनाशक चूने के छिड़काव पर भी जोर देने को कहा। साथ ही पीडब्ल्यूडी को राहगीरों की सुविधा के लिए प्राथमिकता के आधार पर संकेतक लगाने के निर्देश दया।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन ने कहा कि अरविंद केजरीवाल सरकार दिल्ली की जानता को स्वच्छ पेयजल, समुचित बिजली आपूर्ति, साफ-सफाई और स्ट्रीट लाइट जैसी आवश्यक और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। ईद उल फितर त्योहार को लेकर यातायात विभाग को क्षेत्र में सुचारू यातायात सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक व्यवस्था करने को कहा है।उन्होंने ईद-उल-फितर की पूर्व संध्या पर सभी दिल्लीवासियों को बधाई देते हुए कहा कि यह त्योहार खुशी और सद्भाव का प्रतीक हैं और सभी दिल्लीवासियों के द्वारा उल्लास से मनाये जाते हैं। राजधानी दिल्ली के सभी त्योहार दिल्ली की मिश्रित संस्कृति को दशार्ते हैं।

अंतिम सफर को आसान बनाने का प्रयास, निश्शुल्क एंबुलेंस सेवा हुई शुरू

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

बाहरी जिला पुलिस की ओर से जिले में निश्शुल्क एंबुलेंस सेवा की शुरूआत की गई है। शांति सेवा संगठन के सहयोग से अंतिम सफर के नाम से शुरू की गई दो एंबुलेंस को उपायुक्त हरेंद्र सिंह ने कार्यालय परिसर में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इन एंबुलेंस का इस्तेमाल शवों को उनके घरों तक पहुंचाने व लावारिस शवों को शवगृह तक पहुंचाने के लिए किया जाएगा। जरूरतमंदों को एंबुलेंस की निश्शुल्क सुविधा प्रदान करवाकर पुलिस लोगों की मदद करने के लिए एक और कदम आगे बढ़ा रही है। पुलिस उपायुक्त हरेंद्र सिंह ने बताया कि कई बार सामने आया है कि मृतक के स्वजन के पास शव को घर तक ले जाने का भी किराया नहीं होता था। ऐसे जरूरतमंदों की मदद पुलिस कर्मी करते थे।पुलिस कर्मी मृतकों के अंतिम संस्कार में भी मदद करते थे।

इसी के मद्देनजर अंतिम सफर को आसान बनाने का प्रयास किया गया है। इसके तहत एंबुलेंस में शवों को उनके मूल स्थानों तक पहुंचाया जाएगा।साथ ही पीसीआर काल के दौरान लावारिश मिले शवों को शवगृह तक भी पहुंचाया जाएगा। एंबुलेस सेवा के नंबर जिले के प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित किए गए हैं। ताकि अधिक से अधिक लोग इस सेवा का लाभ उठा सकें। इस नेक काम के लिए उन्होंने संस्था को भी प्रोस्तासित किया।यहां अतिरिक्त उपायुक्त अमित वर्मा, एसीपी एसआर मीना भी मौजूद रहे। जरूरतमंदों को दी किताबें

मंगोलपुरी थाने में बुधवार को दिल्ली पुलिस पब्लिक लाइब्रेरी की शुरूआत की गई।इस दौरान जरूरतमंदों को किताबें भी बांटी गई।बाहरी जिले की ओर से शुरू की गई बुक बैंक पहल के तहत इन किताबों को एकत्रित किया गया है।

चिड़ियाघर में देखने को मिलेगी नन्हें शावकों की अठखेलियां, बाड़े में छोड़े गए अवनि और व्योम

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में पहली बार सफेद बाघिन सीता के दो शावकों को उनके जन्म के बाद पिंजरे से बाड़े में लाया गया। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने बृहस्पतिवार को इन शावकों को बाड़े में छोड़ा और इनका नामकरण किया। उन्होंने मादा शावक का नाम अवनि और नर शावक का नाम व्योम रखा। वहीं, बाहर आते ही दोनों नन्हें शावक कुछ समय तक थोड़ा सुस्त लग रहे थे। लेकिन बाड़े के बाहर इन शावकों का दीदार कर रहे स्कूली छात्रों और अन्य पर्यटकों की तालियों की गड़गड़ाहट से इन शावकों ने कुछ देर बाद अठखेलियां शुरू कर दी।

कभी वे मां के पीछे-पीछे दौड़ते, तो कभी मां को छोड़ आपस में ही खेलने लगते। बाघिन सीता ने तो बाड़े में प्रवेश करते ही सीधा पानी में डुबकी लगा दी। नन्हें शावक भी अपनी मां के पीछे-पीछे पानी में डूबकी लगाने का प्रयास कर रहे थे। पानी में जाते ही वो तुरंत बाहर आ जाते। एक मौका तो ऐसा आया जब एक शावक पानी में बैठी बाघिन के ऊपर चढ़ने का प्रयास कर रहा था। लेकिन फिर असफल होने पर वो वहीं किनारे बैठ गया और उनकी मां फिर उन्हें वहीं से दुलार कर रही थी। उल्लेखनीय है कि आठ माह पहले ही दोनों शावकों का जन्म हुआ था। गर्मी को देखते हुए इनके बाड़े में वाटर स्प्रिंकलर, वाटर पूल की भी सुविधा है।

जानवरों के बाड़े में लगाए जा रहे कूलर और वाटर स्प्रिंकलर राष्ट्रीय प्राणी उद्यान की निदेशक आकांक्षा महाजन ने बताया कि गर्मी बढ़ने के साथ जानवरों के बाड़े में कूलर और वाटर स्प्रिंकलर लगाए जा रहे हैं। वहीं, गर्मी में हाथी मिट्टी को खोदकर अपने ऊपर डालते हैं ऐसे में उनके बाड़े में मिट्टी को खुदवाया जा रहा हैं। साथ ही अन्य जानवरों के बाड़े में पानी के तालाब को रोजाना पानी से भरा जा रहा है। जानवरों को रसदार फल खिलाए जा रहे हैं। कुछ समय बाद तापमान बढ़ते ही भालू को आइसक्रीम भी खाने को दी जाएगी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को चिड़ियाघर बंद रहता है। ऐसे में जिन दो शावकों को बृहस्पतिवार को छोड़ा गया है उन्हें शाम को वापस पिंजरे में ले जाया जाएगा और सोमवार को फिर से दोबारा बाड़े में छोड़ा जाएगा।

दिल्ली में बेकाबू हुआ कोरोना, आए 1700 से ज्यादा केस

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना बड़ी तेजी के साथ फैल रहा है। बुधवार को दिल्ली में काफी समय बाद 1700 से ज्यादा केस सामने आए हैं। वहीं 24 घंटे में 6 मरीजों की मौत भी हुई है। खास बात है कि दिल्ली में कोरोना के संक्रमण की दर 28 फीसदी के ऊपर दर्ज की गई है। संक्रमण दर 28 प्रतिशत के ऊपर लंबे समय बाद दिल्ली में कोरोना के मामलों भारी उछाल देखने को मिला है। बुधवार को 24 घंटे में 1767 कोरोना के मरीज सामने आए हैं। बड़ी बात है कि दिल्ली में 6 मरीजों की मौत भी हो गई है। वहीं संक्रमण दर में भी इजाफा देखने को मिला है। 19 अप्रैल को संक्रमण दर 28.63 प्रतिशत रही है। राजधानी में कुल सक्रिय मरीजों की संख्या 6046 हो गई है। कल के मुकाबले 15 फीसदी ज्यादा केस ध्यान देने वाली बात है कि दिल्ली में मंगलवार की तुलना में 15 फीसदी ज्यादा मामले सामने आए हैं। मंगलवार को दिल्ली में कोविड के 1537 नए मामले सामने आए थे। कोरोना संक्रमित पांच मरीजों की मौत हो गई। इसके साथ ही 794 मरीज ठीक भी हुए हैं। वहीं संक्रमण दर 26.54 प्रतिशत दर्ज की गई थी। गुरुग्राम में भी बढ़े केस बुधवार को गुरुग्राम में कोरोना संक्रमण से एक मरीज की मृत्यु हुई। यह इस महीने कोरोना से यह दूसरी मृत्यु है। इससे पहले छह अप्रैल को एक बुजुर्ग मरीज की मृत्यु हुई थी। 517 नए कोरोना मरीज मिले और 388 मरीज स्वस्थ हुए। संक्रमण दर 16.97 दर्ज की गई। गुरुग्राम में अप्रैल के 19 दिनों में 5359 कोरोना संक्रमित मरीज मिले चुके हैं। नोएडा में बुधवार को आठ बच्चों समेत कोरोना के 142 नए मरीज मिले हैं। वहीं 99 मरीज संक्रमण से स्वस्थ हुए हैं। कोरोना के सक्रिय मरीज बढ़कर 732 हो गए हैं। 27 अस्पताल में भर्ती हैं। 705 मरीज होम आइसोलेशन में हैं। पिछले 24 घंटे में 1793 संदिग्धों की जांच की गई है। इसके अलावा गाजियाबाद में भी कोरोना संक्रमण धीरे-धीरे तेज होने लगा है। बुधवार को 2464 लोगों की जांच रिपोर्ट आने पर 24 घंटे में दो स्टाफ नर्स समेत 117 लोग कोरोना संक्रमित मिले हैं। 85 संक्रमितों के ठीक होने के साथ ही सक्रिय मरीजों की संख्या 436 हो गई हैं। गाजियाबाद में बेपरवाह लोग और बढ़ता कोरोना गाजियाबाद नगर निकाय चुनाव धीरे-धीरे अपने शबाब पर पहुंचने लगा है। उसी वेग से कोरोना संक्रमण के मामले भी सामने आने लगे हैं। बुधवार को आई जांच रिपोर्ट में 117 लोग कोरोना संक्रमित मिले। जिले में अब सक्रिय मरीजों की संख्या 436 पहुंच गई है। बढ़ते खतरे को देखते हुए जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोविड गाइडलाइन जारी की गई है। जिम्मेदारों की ओर से कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए दो गज की दूरी से लेकर मास्क अनिवार्य रूप से लगाने को कहा गया है, लेकिन जिम्मेदार ही बेपरवाह नजर आ रहे हैं।

जल बोर्ड ने नजफगढ़ गौशाला के पानी का कनेक्शन काटा, बढ़ती गर्मी में प्यास के कारण तड़प उठे गोवंशी

नई दिल्ली। बढ़ती गर्मी में जहां गैर सरकारी संगठन नजफगढ़ में निःशुल्क प्याऊ और वाटर कूलर लगा रहे हैं ताकि लोगों को सार्वजनिक जगहों पर कोई तकलीफ ना हो। इसी तरह से घरों के छत पर लोग पक्षियों के लिए दाना पानी रख रहे हैं ताकि बेजान पक्षी खाना पीने की कमी से दम न तोड़ दे। वहीं, दिल्ली जल बोर्ड ने नजफगढ़ की एक गौशाला के पानी का कनेक्शन बृहस्पतिवार को अचानक काट दिया गया। इससे एक गौशाला के एक हजार से ज्यादा गोवंश और गौशाला के संचालक परेशान हो उठे हैं। इस बात की जब भनक नजफगढ़ वार्ड के निगम पार्षद अमित खड़खड़ी को चली तो वे भी गौशाला पहुंच गए। इन्होंने दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों से संपर्क कर खरी खोटी सुनाई फिर भी जल बोर्ड के अधिकारी जलापूर्ति शुरू करने के लिए कोई तैयार नहीं हुए। निगम पार्षद अमित खड़खड़ी ने कहा कि गौशाला के पानी का कनेक्शन काटना एक घटिया कृत्य है। इस तरह के करनामे की वे घोर निंदा करते हैं। नजफगढ़ गौशाला के संचालक बलजीत डागर कहते हैं कि सुबह में बगैर सूचना में पानी का कनेक्शन काट दिया गया। इसलिए शाम को भी पानी नहीं आया। इस दौरान गौशाला के पशु तड़प उठे। उन्होंने कहा कि वे जब जल बोर्ड के कर्मचारियों से संपर्क किया तो उन्हें बताया गया कि ऊपर से आदेश था इसलिए पानी का कनेक्शन काटा गया है। बता दें कि नजफगढ़ शहर में दशकों से तीन गौशालाओं का संचालन होता आया है। इसका संचालन निजी स्तर पर किया जाता रहा है। तीन गौशालाओं तीन हजार से ज्यादा गो-वंश पल रहे हैं। ऐसा पहली बार हुआ है जब नजफगढ़ के गौशाला के पानी का कनेक्शन काटकर जलापूर्ति रोकी गई है। नजफगढ़ इलाके में जलापूर्ति की जिम्मेदारी संभाल रही नांगलोई वाटर सिस्टम के प्रबंधक भारत गवांडे ने दैनिक जागरण को प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पाइप लाइन में लीकेज को बंद करने के लिए पानी की लाइन काटी गई थी। पाइप लाइन को दुरुस्त कर दिया गया है। इस इलाके में जलापूर्ति के लिए जो समय निर्धारित किया है उसी समय पर पानी आएगा।

संक्षिप्त खबरें

सुबह 6:30 बजे से 11 बजे तक चलेंगे स्कूल

गोपालगंज। जिले में भीषण गर्मी व हीट वेव के साथ चल रही पछुआ हवा ने लोगो का घर से बाहर निकलना मुश्किल कर दिया है। हीट वेव को देखते हुए लोग घर में ही दुबके हुए है। वही जिले में हीट वेव को देखते हुए सभी सरकारी व गैर सरकारी प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के आवागमन में परेशानी एवं स्वास्थ्य पर कुप्रभाव की संभावना को देखते हुए डीएम डॉ. नवल किशोर चैधरी ने दंड प्रकिया संहिता की धारा 144 के अंतर्गत प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिले के सभी सरकारी व गैर सरकारी विद्यालयों के वर्ग एक से लेकर वर्ग आठ तक की कक्षाएं 20 अप्रैल से 24 अप्रैल तक सुबह 6:30 से 11 बजे तक संचालन करने का निर्देश दिया है। अगर किसी सरकारी या गैर सरकारी विद्यालय के द्वारा इस आदेश की अवहेलना की जाती है तो उसपर कारवाई की जाएगी।

22 बोतल शराब व बाइक जब्त, धंधेबाज गिरफ्तार

गोपालगंज। जिले के भोरे थाने की पुलिस ने रामनगर गांव के पास छापेमारी कर 22 बोतल शराब व बाइक जब्त की है। वहीं पुलिसिया कार्रवाई में एक धंधेबाज भी गिरफ्तार हुआ है। बताया जाता है कि थाना क्षेत्र के पुलिस पदाधिकारी संजीत कुमार सिंह गश्ती में निकले हुए थे। इसी बीच सूचना मिली की बाइक सवार युवक यूपी से शराब लेकर रामनगर के रास्ते आ रहा हैं। पुलिस वहीं छुपकर युवक के आने का इंतजार करने लगी। इसी बीच बाइक पर सवार एक युवक आते दिखा जिसे पुलिस ने रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखते ही युवक बाइक छोड़कर भागने लगा। जिसे पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ लिया। बाइक पर रखे बोरे की तलाशी ली गई जिसमें से 22 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद हुई। वहीं गिरफ्तार धंधेबाज की पहचान हथुआ थाना क्षेत्र के भरतपूरा गांव निवासी महावीर साह के रूप में की गई है। मामले में पुलिस उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर महावीर साह को जेल भेज दिया है।

बैंक जांच के दौरान हथियार के साथ दो गिरफ्तार

गोपालगंज। जिले के थावे थाने की पुलिस बैंक जांच के दौरान हथियार के साथ दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवक उचकागांव थाने के नवादा परसौनी गांव के अरवाज अली और आर्यन सिंह बताए गए है। पुलिस गिरफ्तार दोनो युवकों से पूछताछ करने में जुटी हुयी है। इसकी जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष शशिरंजन कुमार ने बताया कि एसपी के निर्देश पर पुलिस बैंकों की जांच कर रही थी। इसी दौरान दो युवकों को सदिंग्ध स्थिति में देखकर जांच की गयी तो उनके पास से एक देशी कट्टा व चोरी की बाइक बरामद किया गया। पुलिस ने दोनो युवको को गिरफ्तार कर लिया है। युवकों के पास हथियार कहां से आया और वे बैंक के पास हथियार के साथ क्या कर रहे थे। इसकी गहराई से जांच की जा रही है।

सीएसपी संचालक और स्वर्ण व्यवसायियों के साथ हुयी बैठक

गोपालगंज। जिले के थावे थाना परिसर में गुरुवार को थानाध्यक्ष शशिरंजन कुमार के नेतृत्व में थाना क्षेत्र के सीएसपी संचालक एवं स्वर्ण व्यवसायियों के साथ एक बैठक की गई। उपस्थित सभी संचालकों से थानाध्यक्ष श ने कहा की सभी व्यवसाई बंधु अपने अपने प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरे के साथ अलर्म लगा ले। जिससे चोरी की घटना पर रोक लग सके। साथ ही थानाध्यक्ष ने बताया की अब थावे बाजार में एक बाइक से दो पुलिस के जवान सुबह दस बजे से लेकर शाम चार बजे तक लगातर गश्त करेंगे। जिससे बाजार में होने वाली चोरी की घटना पर रोक लग सके। मौके पर थाना क्षेत्र के सीएसपी संचालक व स्वर्ण व्यवसायी मौजूद थे।

बस स्टैण्ड से 30.7 किलो गांजा बरामद

गोपालगंज। नगर थाने के राजेन्द्र बस स्टैण्ड में पुलिस ने छापेमारी कर करीब 30.7 किलो गांजा बरामद कर लिया। वही तस्कर फरार हो गया। पुलिस गांजा को जप्त कर तस्कर की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी में जुट गयी है। इसकी जानकारी देते हुए नगर इंस्पेक्टर प्रशांत कुमार राय ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बस स्टैण्ड में बस के माध्यम से गांजा की खेप भेजी जा रही है। जिसके आधार पर पुलिस ने बस स्टैण्ड में छापेमारी कर गांजा को बरामद कर लिया। वही फरार तस्कर की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

प्रखंड विकास पदाधिकारी ने प्रवेक्षको के साथ किया बैठक आयोजित

सिवान। मैरवा प्रखंड विकास पदाधिकारी धनंजय कुमार ने प्रखंड कार्यालय में सड़क प्रवेक्षकों के साथ बैठक आयोजित किया बैठक के दौरान वीडियो धनंजय कुमार ने बताया कि प्रगणक के द्वारा किए गए कैरल डिजाईन प्रवेक्षक प्रतिदिन जाकर करे तथा प्रति दिन का रिपोर्ट चार्ज पदाधिकारी को सौप दे उन्होंने कहा कि प्रगणक को प्रति दिन दस फॉर्मेट भरने का कार्य करेंगे (वही इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले प्रगणक व प्रवेक्षक पर कारवाई की जाएगी।

अग्निशमन जागरूकता रथ को डीएम ने हरी झंडी दिखा किया रवाना

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

जिले में अगलगी की घटना की रोकथाम को लेकर अग्निशामक जागरूकता डिजिटल रथ को समाहरणालय परिसर से डीएम डॉ. नवल किशोर चैधरी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जागरूकता रथ विभिन्न प्रखंडों का भ्रमण कर एलइडी स्क्रीन के माध्यम से अग्निकांड की रोकथाम को लेकर लोगों को जागरूक करेगा। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी ग्रामीण इलाकों में लोगों को इससे संबंधित जानकारी दी जाएगी। इस मौके पर अग्निशामक विभाग के कर्मियों ने अग्निकांड से बचाव को लेकर तकनीकी जानकारी देने को लेकर माक ड्रिल भी किया। जिलाधिकारी ने कहा कि जागरूकता रथ के माध्यम से अग्निकांड से बचाव तथा आग लगने की स्थिति में राहत व बचाव कार्य की जानकारी भी दी जाएगी। जिला समादेष्टा सह जिला अग्निशमन पदाधिकारी रवि कुमार ने कहा कि जिले के विभिन्न प्रखंड में डिजिटल रथ के माध्यम से लोगो को अग्निकांड से बचाव को लेकर तकनीकी जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रखंड के चार स्थानों पर माक ड्रिल कर अग्निकांड से बचाव के लिए जागरूक किया जाएगा।

अग्निशामक पदाधिकारी ने बताया कि अगलगी में जानमाल की व्यापक क्षति होती है। खासकर अप्रैल महीने से ही ग्रामीण क्षेत्रों में अगलगी की घटना बढ़ जाती है। अधिकांश घटना लापरवाही के कारण घटित होती है। पिछले साल ही अगलगी की घटना में जिले में क्षति का आंकड़ा अधिक था। व्यस्त बाजारों में दुकानदारों व होटल, ढ़ाबा संचालकों द्वारा अग्निशमन उपकरण नहीं लगाया जाना भी लापरवाही है। इस कारण कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। गुरुवार से अग्निशामक डिजिटल रथ व एलइडी के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को खाना बनाने के दौरान बाल्टी में पानी रखने व खाना तैयार होने के बाद चूल्हे को पूरी तरह से बुझाने को लेकर भी जानकारी दी गई हैं। इस मौके पर अनुमंडल अग्निशामालय पदाधिकारी मनोज कुमार परवाना, जिला भू अर्जन पदाधिकारी संजीव कुमार, जिला परविहन पदाधिकारी मनोज कुमार रजक सहित अग्निशमन विभाग के कर्मी मौजूद थे।

डीएम ने जनता दरबार लगा सुनी आम लोगों की समस्या

कलेक्ट्रेट में डीएम ने गुरूवार को आम लोगों की समस्याओं को सुना। तमाम लोगों की समस्याओं को सुनने के बाद डीएम डॉ. नवल किशोर चैधरी ने अधिकांश समस्याओं का आन-द-स्पाट निपटारे का आदेश दिया। जनता दरबार में डीएम ने भूमि विवाद, अतिक्रमण हटाने, जाति प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, वास के लिए भूमि उपलब्ध कराने आदि से संबंधित आवेदनों पर सुनवाई की। इस बीच डीएम ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को आवेदन देने वालों की समस्याओं की पूरी जवाबदेही के साथ सुनवाई करने का निर्देश दिया। इस बीच डीएम ने दर्जनों लोगों की समस्याओं को सुना। जनता दरबार में थावे की नीतू कुमारी, उचकागांव के रामनरायण यादव, बैकुंठपुर की रीना देवी, मांझा के भोला राम, फुलवरिया के मनोज चैधरी, शहर के सिनेमा रोड के लालजी राम, बरौली की मानकी देवी, इस्लामिया मुहल्ले की संजीदा खातुन ने डीएम से मिलकर अपनी-अपनी समस्याओं से अवगत कराया। डीएम ने तमाम लोगों की समस्याओं को ध्यान से सुनकर उनका अविलंब निष्पादन करने का आदेश दिया। डीएम के द्वारा जनता दरबार के माध्यम से आम लोगो की समस्याओं का निष्पादन का प्रयास किया जाता रहा है। डीएम की इस पहल से आम लोगो में न्याय की काफी उम्मीद जग गयी है।

रोजगार मेला में 156 छात्रों को मिला नियुक्ति पत्र

प्रात : किरण संवाददाता

गोपालगंज। जिले के हथुआ अनुमंडल के मीरगंज शहर के मुकुल आईटीआई में प्रशिक्षण प्राप्त युवकों को रोजगार मिल सके इसके लिए संस्थान ने रोजगार मेला का आयोजन किया। जिसमें गुजरात की सुजुकी मोटर प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी ने तीन सौ छात्रों का इंटरव्यू लिया। जिसमें 156 छात्रों ने सफलता हासिल किया। जिनको ऑन द स्पॉट ऑफर लेटर कम्पनी के एचआर जितेंद्र कुमार ने दिया। इस अवसर पर आईटीआई के डायरेक्टर मुकुल कुमार श्रीवास्तव ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि होनाहार छात्रों का दरवाजा हमेशा खुला हुआ है। वैसे जिन्होंने सफलता हासिल नहीं किया उनके लिए फिर से रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। यह संस्थान प्रशिक्षण के साथ साथ रोजगार की भी गारंटी देते आया है और देता रहेगा। इधर प्राचार्य मधुकर श्रीवास्तव ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त छात्रों का कैंपस सेलेक्शन गुजरात की सुजुकी कम्पनी ने किया। कम्पनी ने तीन सौ छात्रों को संस्थान से इलेक्ट्रीशियन, फिटर, वेल्डर, डिप्लोमा मैकेनिकल का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके छात्रों का लिखित परीक्षा लिया। लिखित परीक्षा के बाद सभी छात्रों का इंटरव्यू लिया। जिसमें 156 छात्रों ने सफलता प्राप्त किया। जिनको चयन पत्र दिया गया। चयनित सभी छात्रों को कम्पनी ने ऑफर लेटर दे दिया है। इस मौके पर कुंदन बाला, शिल्पी श्रीवास्तव फोरमैन सुधीर कुमार श्रीवास्तव, संतोष श्रीवास्तव, मृत्युंजय कुमार, जितेंद्र कुमार, उपेन्द्र कुमार, नकुल साह, रमाकांत सिंह सहित सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी आदि थे।

मस्जिदों में आज अदा की जाएगी अलविदा की नमाज

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

अल्लाह की रहमते और इनायतों के माह रमजान में शुक्रवार को तमाम मस्जिदों में अलविदा की नमाज पढ़ी जाएगी। अलविदा के नमाज की तैयारियां मस्जिदों में पूरी कर ली गई है। अगर चांद दिखा तो शनिवार को पूरे जिले में ईद मनेगी। जामा मस्जिद के इमाम बताते है कि रमजान के दिनों में इंसान रब की बंगदी की खातिर उन चीजों को छोड़ देता है, जो उसके लिए रमजान के अलावा महीनों में हलाल और जायज है। लेकिन बड़ी अफसोस की बात है कि कुछ लोग वो काम बदस्तूर करते रहते है। जो आम हालात में भी उसके लिए नाजायज और हराम है। जैसे झूठ बोलना, पीठ पीछे किसी की बुराई करना, रिश्वत वगैरह है, जो हर हाल में हराम है। यदि वह न छोड़े तो भला ऐसा रोजा इंसान की रोहानी तरक्की में और मददगार कैसे हो सकता है। इमाम बताते है कि अल्लाह की रजा और खुशमदीह के लिए जब कोई भूख -प्यास के लिए तकलीफ रहता है, तो उसे अपने गरीब भाइयों की भूख सहने की तलखियों का एहसास होता है। कमजोर की बेबसी और मोहताज की गम के कसक उसके सीने में महफूज होती है। जब इंसान खुद उस राह से गुजरता है तो लोगों की मशक्कत और तकलीफ उसके लिए जाति तजुर्बा बन जाता है।

जिले में एक साथ तीन अज्ञात शव मिलने से सनसनी

गोपालगंज। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में एक साथ तीन अज्ञात शव मिलने से सनसनी फैल गयी। सूचना पाकर पंहुची पुलिस ने शवों को बरामद कर अंत्यपरीक्षण के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। बताया जाता है कि गुरूवार की सुबह बैकुंठपुर थाने के सत्तरघाट पुल के समीप नदी के किनारे कुछ लोगो ने एक महिला के शव को देखकर इसकी सूचना पुलिस को दी। शव को देखने के लिए लोगो की भारी भीड जमा हो गयी। सूचना पाकर पंहुची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर अंतयपरीक्षण के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। वही दुसरी तरफ कुचायकोट थाने के सासामुसा रेलवे स्टेशन के समीप एक अज्ञात महिला को शव बरामद किया गया।

स्कार्पियों से 72 कार्टन विदेशी शराब जप्त, तस्कर फरार

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

जिले के मीरगंज थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर वाहन जांच के दौरान एक स्कार्पियों से 72 कार्टन विदेशी शराब को जप्त कर लिया। जबकि मौके का फायदा उठाकर तस्कर भागने में सफल रहा। फरार तस्कर की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। बताया जाता है कि मीरगंज थानाध्यक्ष छोटन कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि एक स्कार्पियों से शराब की बडी खेप आ रही है। जिसके आधार पर पुलिस ने वाहनों की सघन जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान एक स्कार्पियों पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। पुलिस ने कार का पीछा करते हुए कार को पकड लिया। जांच के दौरान कार से करीब 72 कार्टन विदेशी शराब बरामद की गयी। जबकि मौके का फायदा उठाकर तस्कर भागने में सफल रहा। पुलिस ने उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज करते हुए फरार तस्करों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। इस संबध में थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब व वाहन को जप्त कर मामले की जांच पडताल की जा रही है। वही फरार तस्करों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। जल्द ही फरार तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जाएगा।

उचकागांव में बोलेरो व बाइक से 2925 बोतल शराब बरामद: जिले के उचकागांव थाने की पुलिस ने वाहन जांच के दौरान एक बोलेरो व एक बाइक से करीब 2925 बोतल देशी शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार तस्कर बडका साखे गांव का विकास कुमार बताया गया है। इसकी जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष सुबाष कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक बोलेरो से शराब की बडी खेप लायी जा रही है। जिसके आधार पर पुलिस ने वाहनों की सघन जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान एक बोलेरो व एक बाइक से करीब 2925 बोतल देशी शराब बरामद किया गया है। वही वाहन में सवार तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस गिरफ्तार तस्कर से पूछताछ करने में जुटी हुयी है।

प्रतीक हत्याकांड की जांच को पहुंची एफएसएल की टीम

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

जिले के बरौली थाना क्षेत्र के प्रेमनगर आश्रम के समीप हुए छात्र प्रतीक की हत्या के मामले में एफएसएल की टीम ने जांच पडताल शुरू कर दी है। एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर सदर एसडीपीओ प्रांजल के नेतृत्व में गठित टीम ने अपनी जांच का दायरा बढ़ा दिया है। इस हत्याकांड में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने बाद अब पुलिस साक्ष्य को पुख्ता करने में जुट गई है। गुरूवार को मुजफ्फरपुर से पहुंची एफएसएल की टीम ने घटनास्थल पर जाकर जहां छात्र की हत्या हुयी थी उसकी बारीकी से जांच किया। जांच के दौरान हत्याकांड से जुड़े सबूत को इकट्ठा किया। गौरतलब हो कि नगर थाने के साधु चैके मुहल्ले का निवासी प्रतीक कुमार अपने पिता की हत्या के बाद अपने मामा के घर बतरदेह में रहकर पढाई करता था। बुधवार की सुबह प्रतीक पढाई करने के लिए बरौली जा रहा था। इसी दौरान प्रेमनगर आश्रम के समीप लडकी से बात करने के विवाद को लेकर उसके दोस्त ने ही चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद उग्र लोगो ने सडक जामकर जमकर हंगामा किया था। वही पुलिस ने त्वरित कारवाई करते हुए आरोपी दोस्त उज्जवल सिंह को गिरफ्तार कर लिया था।

आरोपित को गिरफ्तार करने के बाद अब पुलिस इस हत्याकांड से जुड़े साक्ष्य को जुटा रही है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि बुधवार की सुबह जिस जगह से प्रतीक का शव बरामद किया गया था, वहां मुज्फ्फरपुर से आई एफएसएल की टीम जांच पड़ताल किया। प्रतीक की हत्या करने की घटना में शामिल आरोपियों के खिलाफ पुख्ता सुबूत इक्कठा किया जा रहा है। ताकि आरोपियों को जल्द से जल्द व कठोर से कठोर सजा दिलाया जा सकें। जांच करने पहुंची एफएसएल की टीम ने स्थानीय पुलिस की सहयोग से सभी बिंदुओं पर जांच पड़ताल शुरू कर दिया।

अग्नीपिडितो को मंत्री नें दिया सहायता राशि

छपरा। गरखा प्रखंड क्षेत्र के नराव टोला गाँव स्थित पिछले दिनो आग लगने से कई लोगो की घर पुरी तरह जलकर राख हो गया था जिसमे मवेशी भी जली थी`लोग खुले आसमान मे जीने को विवश थे। दो परिवार के दो युवती की शादी होने वाली थी, जिसमे शादी को लेकर परिजन शादी की पुरी तैयारी कर रखी थी , इस अग्निकांड मे उनकी भी सारी समान जलकर राख हो गया था जिसको लेकर गरखा विधानसभा के विधायक सह बिहार सरकार के श्रम संसाधन मंत्री सुरेंद्र राम ने दो परिवार के बीच पचास पचास हजार रूपए राशि की सहायता राशि चेक प्रदान किया जिसमे शंभू प्रसाद के पुत्री काजल कुमारी ,चंद्रेश्वर महतो की पत्नी कुमारी कुँअर, सामिल है बताते चले की आग लगने की सुचना के बाद मंत्री ने घटना स्थल पर पहुच पदाधिकारीओ से बात कर सहायता मुहैया कराई थी इस अवसर पर प्रमुख प्रतिनिधि हरेन्द्र महतो देवनारायण यादव मुखिया कमख्या सिंह जितेंद्र राय मनु यादव सहित कई लोग उपस्थित थे।

निगरानी कार्रवाई के लिए 10 दागी आरोपितों के विरुद्ध भेजा गया प्रस्ताव

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

जिले के उचकागांव थाना क्षेत्र में सरकार और प्रशासन के रोक के बावजूद दूसरे प्रदेश से शराब लाकर शराब की तस्करी और थाना क्षेत्र में अपराध की घटनाओं को अंजाम देने वाले 10 दागी आरोपितों को पुलिस ने चिन्हित किया है। ऐसे सभी 10 दागी चिन्हित आरोपितों के विरुद्ध निगरानी कार्रवाई के लिए थानाध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह ने एसपी स्वर्ण प्रभात को निगरानी प्रस्ताव भेजा है। निगरानी प्रस्ताव पर स्वीकृति मिलने के बाद पुलिस ऐसे 10 दागी आरोपितों के घरों व ठिकानों पर कभी भी संदेह के आधार पर बिना किसी आदेश के छापेमारी कर जांच अभियान चला सकती है। थानाध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह द्वारा भेजे गए निगरानी प्रस्ताव में शामिल दागी आरोपितों में थाना क्षेत्र के अमठा भुवन गांव के नीतीश कुमार उर्फ नेहाल, बंकीखाल गांव के सूरज कुमार सिंह, बलेसरा जहरुले हाता गांव के नीरज यादव, इसके पिता पारस यादव, भाई दीपक यादव, अरना गांव के राजा बाबू कुमार, वृंदावन तकिया टोला के राजेश राम, एकडेरवा गांव के सुरेश सिंह, बिरवट बाजार के संजय साह शामिल है। थानाध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह ने बताया कि 10 दागी आरोपितों के विरुद्ध पुलिस अधीक्षक को निगरानी प्रस्ताव भेजा गया है। पुलिस अधीक्षक से स्वीकृति मिलने के बाद ऐसे सभी दागी आरोपितों के विरुद्ध छापेमारी कर पुलिस विशेष रूप से निगरानी रखेगी। ऐसे सभी दागी आरोपितों की पुलिस अलग-अलग डोजियर भी तैयार करेगी। जिससे थाना क्षेत्र में चल रहे शराब तस्करी और अपराध पर अंकुश लगाने में पुलिस को काफी हद तक सहायता मिलेगी।

सौहार्दपूर्ण माहौल में ईद मनाने की अपील

गोपालगंज।जिले के थावे थाना परिसर में ईद पर्व को लेकर बीडीओ मनीष कुमार सिंह व थानाध्यक्ष शशि रंजन कुमार की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान बैठक को संबोधित करते हुए बीडीओ मनीष कुमार ने कहा कि ईद का त्यौहार एक माह के रमजान के बाद आता है। यह मिलन एवं भाईचारे का त्योहार है। इसलिए सभी लोग मिलजुलकर सौहार्दपूर्ण और शांतिपूर्ण माहौल में ईद का नमाज अदा करें और त्यौहार को मनाएं। बैठक के दौरान थानाध्यक्ष शशिरंजन कुमार ने कहा कि ईद खुशियों का त्योहार है। इस दिन बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक एक-दूसरे को बधाइयां देते हैं, तथा खुशियां बांटी जाती हैं। इसलिए सभी लोग इस त्यौहार को शांतिपूर्ण ढंग से मनाएं। बैठक में एसआई प्रशांत कुमार, पंकज कुमार, महेन्द्र कुमार सिंह, महावीर राव, भगवान यादव सहित काफी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद थे।

वित्तीय साक्षरता क्वीज में बैकुंठपुर की तीन टीमें जीती

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के द्वारा आयोजित प्रखंड स्तरीय वित्तीय साक्षरता क्वीज प्रतियोगिता में तीन टीमों ने जीत हासिल की है। आरबीआई द्वारा अखिल भारतीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गयी थी। जिसमें विभिन्न विद्यालयों के 34 छात्र-छात्राएं शामिल हुयी थी। विजेता बनी टीमों को आरबीआई के पदाधिकारियों ने प्रमाणपत्र व उनके खाते में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किये छात्र-छात्राओं को क्रमशः पांच, चार व तीन हजार रुपए की पुरस्कार राशि देकर उन्हें प्रोत्साहित किया। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आयोजित प्रखंड स्तरीय प्रतियोगिता में बैकुंठपुर प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय परसौनी के छात्र अभिषेक कुमार व रवि कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वहीं उत्क्रमित मध्य विद्यालय सेरहापुर सिरसा के छात्र तन्मय कुमार व सागर कुमार ने द्वितीय स्थान हासिल किया है। जबकि तृतीय स्थान पर उत्क्रमित मध्य विद्यालय महुंआ के नितेश कुमार व तुफान कुमार ने अपनी जगह बनाई है। अब विजेता टीम जिला स्तरीय वित्तीय साक्षरता प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में शामिल होगे। डॉक्टर राममनोहर लोहिया उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टेकनवास में आयोजित क्वीज के परिणाम घोषणा के साथ मुख्य रूप से आरबीआई के अधिकारी गोपालगंज के एलडीएम जितेंद्र कुमार जमुआर, विद्यालय के प्राचार्य कौशल किशोर ने स्कूली बच्चों को पुरस्कृत किया।

गेहूं का डंठल जलाने पर होगी प्राथमिकी: एसडीएम

गोपालगंज प्रात : किरण सवांददाता

अगलगी की घटना को लेकर हथुआ अनुमंडल प्रशासन तत्पर हो कर आग से बचाव के लिए लोगों को जागरूक कर रही है। इसी बीच आगलगी के ऐसे मामले भी सामने आने लगे है जिसको सुनकर हम सभी हैरत में पड़ जा रहे है। विशेष रूप से गेहूं की फसल में जो आग लग रहा है उसमे अधिकांश कारण यह सामने आ रहा है कि किसान अपने खेत में दौरी करवाकर उसके बचे डंठल में आग लगा दी जा रही है। जिससे आग की लपटे धीरे धीरे बढ़ते हुए खेत में लगे फसल में पकड़ ले रहा है। जिसका नतीजा है कि खेत से लेकर गांव में भी आग पकड़ ले रहा है। इसको गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकी की जा रही है। उक्त बातें हथुआ एसडीएम राकेश कुमार ने प्रेस मिलन समारोह में पत्रकारों के सवाल पर कहा। एसडीएम ने कहा कि फसल अवशेष पर्यावरण के दृष्टिकोण से ठीक नहीं है। इससे भारी नुकसान हो रहा है। इसको लेकर करवाई हेतु टीम गठित की गई है। अनुमंडल के कटेया और विजयीपुर प्रखंड के सात लोगों को फसल अवशेष जलाने को लेकर चिन्हित किया गया है। जिनपर प्राथमिकी दर्ज करवाई जाएगी। एसडीएम ने प्रेस के माध्यम से यह भी लोगों से अपील किया कि लकड़ी पर खाने बनाने के समय में परिवर्तन कर ली जाय। इसके लिए सुबह 8 बजे के पूर्व खाना बनाकर महिलाएं आग को बुझा दे। इससे आग लगी की घटना से बचा जा सकेगा। एसडीएम ने अपने कड़े शब्दों में कहा कि फसल अवशेष को जलाने वालों पर सख्ती से करवाई की जाएगी। ऐसे में प्रशासन फसल अवशेष को नहीं जलाने का अपील करता है। एसडीएम ने लोगों से यह भी अपील किया कि कड़ाके की धूप में अनावश्यक न निकले। आवाहाइक हो तभी घर से बाहर निकले। इससे लू लगाने की संभावना बनी रहती है।

आंगनबाड़ी केंद्र पर मनाया गया अन्नप्राशन दिवस

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

दलौदा प्रखंड के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर बुधवार को अन्नप्राशन दिवस सेविका द्वारा मनाया गया. अन्नप्राशन दिवस के अवसर पर सभी का द्वारा बच्चों कों पोषक भोजन कराया गया. सीडीपीओ श्वेता कुमारी ने को कोथुआ सारंगपुर केंद्र संख्या 47 पीडिया टोला में आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान बच्चों को अनुशासन दिवस पर पोषक भोजन खिलाया।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती सप्ताह के तहत निकाली शोभायात्रा

प्रात : किरण सवांददाता

सिवान। हुसैनगंज में भारत के संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती सप्ताह के तहत गुरुवार को शोभायात्रा निकाली गई। पूर्वी हरिहांस पंचायत के तत्वावधान में आयोजित शोभायात्रा को राजद नेता शैलेंद्र कुमार ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम के शुभारंभ में बाबा साहेब के चित्र के आगे दीप प्रज्वलित करके किया। भीम शोभा यात्रा की शुरूआत पूर्वी हरिहांस पंचायत के खोदाई बारी गांव, कनरनैयया टोला, रगड़ टोला होते हुए गोपालपुर नगर पंचायत में पहुंची जहां धीरे-धीरे शोभायात्रा बड़ी तादाद में तब्दील हो गई। वही नगर पंचायत से कई जनप्रतिनिधि भी शोभायात्रा में शामिल हो गए। शोभायात्रा में शामिल सभी लोग जय भीम के गमछा झंडा और बैनर लगाकर संविधान जिंदाबाद के नारे लगाते हुए आगे बढ़ रहें थे।सभा के दौरान अन्य कई गणमान्य लोगों ने बाबा साहेब की जीवनी पर प्रकाश डाला। शोभायात्रा में शामिल लोग जय भीम जय जयकार बाबा साहेब के नारे लगाते हुए उनके मार्गदर्शन पर चलकर देश में कानून व्यवस्था कायम रखने कि बात कर रहे थे।शोभायात्रा में बाबा साहेब की भव्य झांकी भी शामिल थी। पूर्व प्रमुख बाबूदीन आजाद ने सम्बोधित करते हुए कहा कि बाबा साहेब ने किसानों, मजदूरों सभी वर्गों के लोगों का ध्यान रखते हुए संविधान बनाया और देश को समर्पित किया। उन्होंने ने कहा कि हमें बाबा साहेब के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। इस मौके पर फुटबॉल महिला कोच सोहनलाल,धर्म नाथ यादव, कृष्णा राम,हामिद शाह, पूर्व सरपंच शंभू सिंह,राम बालक राम,सुरेश राम,अमरजीत यादव,सुभाष राम,डब्ल्यू राम,चट्टान राम आदि शोभायात्रा में शामिल रहे।

सरकार की नई शिक्षक नियुक्ति के विरोध में शिक्षकों ने किया धरना-प्रदर्शन

आरा। बिहार शिक्षक संघर्ष मोर्चा के निर्णय के आलोक में प्रखंड स्तरीय विशाल धरना-प्रदर्शन का आयोजन शिक्षकों द्वारा किया गया। स्थानीय निकाय द्वारा नियुक्त शिक्षकों को बिना शर्त राज्यकर्मी का दर्जा देने को लेकर बिहार शिक्षक संघर्ष मोर्चा के बैनर तले शिक्षकों ने अपनी शक्ति का इजहार किया। धरना कार्यक्रम की अध्यक्षता, बिहार शिक्षक संघर्ष मोर्चा भोजपुर के अध्यक्ष मंडल के सदस्य कृष्ण सिंह 'विमल' एवं मंच संचालन केदारनाथ सिंह ने किया। धरना को संबोधित करते हुए बिहार शिक्षक संघर्ष मोर्चा भोजपुर के सचिव मंडल के सदस्य धर्म कुमार राम ने कहा कि बिहार सरकार नियोजित शिक्षकों के साथ घोर अन्याय कर रही है। यह सरकार की वादाखिलाफी है। कृष्ण सिंह 'विमल' ने कहा कि सूबे के उप मुख्यमंत्री ने विपक्ष के नेता रहते हुए कहा था कि हम पहली कैबिनेट में नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा देंगे लेकिन कुर्सी मिलते ही वो कुर्सी कुमार की भाषा बोलने लगे हैं। बिहार शिक्षक संघर्ष मोर्चा (इरटट) भोजपुर अध्यक्ष मंडल के सदस्य कुमारी अल्का ने कहा कि बिहार के नियोजित शिक्षक अब आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे। हम दक्षता, सीटेट, एस्टेट, बीटेट की परीक्षा उत्तीर्णता के उपरांत ही शिक्षक बने हैं इसलिए सरकार पुनः परीक्षा की बात करके हमारे साथ विश्वासघात कर रही है।

सम्पादकीय

समलैंगिकता कुदरत के खिलाफ

सर्वोच्च अदालत के पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने समलैंगिक शादी को कानूनी-सामाजिक मान्यता देने और ह्यस्पेशल मैरिज एक्ट में संशोधन करने पर एक नई बहस शुरू की है। संविधान पीठ शादी की नई व्याख्या भी कर सकती है। कानून में पुरुष और स्त्री शब्दों के स्थान पर जीवन-साथी शब्द स्थापित किया जा सकता है। ऐसी दलीलें सामने आई हैं। बहस से पहले यह सबसे अहम है कि क्या समलैंगिक यौन संबंध नैसर्गिक और प्राकृतिक हैं? क्या उन्हें अनैतिक और गलत करार नहीं दिया जाना चाहिए? सर्वोच्च अदालत ने 2018 में धारा 377 के तहत समलैंगिकता को अपराध की श्रेणी से मुक्त किया था, लिहाजा उसे कुछ स्वीकृति मिली थी, लेकिन उसके मायने ये नहीं हैं कि प्रकृति की संरचनाओं से खिलवाड़ किया जाए। कुदरत ने सभी जीवों, प्राणियों में नर-मादा की संरचना की है। उनके भीतर ऐसे समीकरण, प्रक्रियाएं तैयार की हैं कि दोनों का मिलन एक और प्राणी को जन्म देता है। समलैंगिकों का जन्म भी इसी तरह हुआ है।

जन्म और संरचना की यह प्रक्रिया एकदम दैवीय लगती है। जिस तरह एक नए जीव का मस्तिष्क, चेहरा-मोहरा, शारीरिक अंग, हृदय और दूसरे हिस्से और उंगलियों पर लकीरें आदि हम देखते हैं, उन्हें कौन गढ़ता है? हम अचंभित होते रहते हैं कि नर-मादा के मिलन से ही ऐसी संरचना कैसे बन जाती है? हमारे वेद, पुराण, उपनिषद आदि प्राचीन महाग्रंथों में जीव, प्राणी की संरचना, आत्मा और ब्रह्मांड के निरंतर निर्माण के संदर्भ में उल्लेख हैं और व्याख्याएं भी की गई हैं। कोई संविधान, कानून और व्यक्तिपरक बौद्धिकता ऐसी नैसर्गिक और प्राकृतिक संरचनाओं की समीक्षा नहीं कर सकते। यह व्यक्ति की क्षमताओं से बहुत परे है। उनके खिलाफ कानूनी प्रावधान स्थापित नहीं कर सकते। भारतीय सभ्यता और संस्कृति में विवाह को एक पवित्र संस्कार माना गया है। यह एक सामाजिक संस्थान भी है। विवाह के जरिए वंश-वृद्धि को सामाजिक मान्यता और स्वीकृति मिली है। समाज और दुनिया ऐसे ब्याहता जोड़े को सम्मान की दृष्टि से देखते हैं।

जीव और मानवीय लैंगिकता उनके जननांग से ही परिभाषित होती है। वैचारिक लैंगिकता उसके बाद ही आती है। अदालत कोई नई परिभाषा तय करना चाहती है, तो हम उसका भी आकलन करेंगे और फिर व्याख्या भी करेंगे। यह आधुनिक मतिभ्रम हो सकता है कि समलैंगिक होना भी प्रगतिशील लगे। किन देशों में, किन स्थितियों में इसे कानूनी-सामाजिक-मानसिक मान्यता मिली है, उससे हमें ज्यादा सरोकार नहीं है। समलैंगिक भी भारत देश के नागरिक हैं, लिहाजा उनके मौलिक और संवैधानिक अधिकार भी सुरक्षित हैं। नर-नर और मादा-मादा का विवाह न तो मौलिक अधिकार है, अलबत्ता उन्हें भी शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, आजीविका आदि के अधिकार प्राप्त होने चाहिए। उनकी मनोविकृति शारीरिक स्तर पर है, उसका निदान किया जाना चाहिए। समलैंगिक संबंध और शादी के अधिकार और मान्यता का ही सवाल नहीं है। परिवार और संबंध से जुड़े पर्सनल लॉ, बच्चे गोद लेने का अधिकार, उत्तराधिकार एवं संपत्ति के अधिकार भी ऐसे संवेदनशील मुद्दे हैं, जिन पर बड़े विवाद पनपते रहे हैं और संबंधों का ताना-बाना भी बिखर सकता है। जिस स्तर पर समलैंगिकता की समीक्षा की जा रही है, वह स्तर भी देश के लोगों का प्रतिनिधित्व नहीं करता।

लोकतंत्र में यह स्वीकार्य कैसे हो सकता है? यदि चर्चा की जानी है, तो सबसे पहले संसद में की जाए। यह उसी के अधिकार-क्षेत्र का विषय है। यह विशुद्ध रूप से कानून और अपराध का मामला नहीं है। संसद में प्रस्ताव पारित हो जाए, तो फिर संविधान पीठ उसकी विवेचना कर सकती है। समलैंगिक विवाह पर एक भी अध्ययन नहीं किया गया है। फिर भी समलैंगिक समाज के बच्चों को छात्रवृत्ति दी जा रही है। हालांकि स्कूल के स्तर पर ऐसे बच्चों का खुल कर सामने आना और सुविधाएं हासिल करना इतना आसान नहीं है। भारत सरकार का नजरिया अभी तक स्पष्ट नहीं है। उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। विधायिका और न्यायपालिका के बीच, इस मुद्दे पर, टकराव की नौबत नहीं आनी चाहिए। यह अतिक्रमण देशहित में नहीं है। अब संविधान पीठ में सुनवाई शुरू हो ही गई है, तो विभिन्न वर्गों की सोच और उनके विचार भी सामने आएंगे।

समलैंगिक विवाह निजता का अधिकार

सनत जैन

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ में समलैंगिक विवाह को लेकर जो 21 याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई हैं। उसकी सुनवाई कर रही है। समलैंगिक विवाह को लेकर केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई को लेकर ही आपस में ठनी हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम खुले दिमाग से याचिकाओं में जो तथ्य दिए गए हैं, वह जानना चाहते हैं। उन्होंने सरकार की इस राय को पूरी तरह से ठुकरा दिया, कि कानून बनाना संसद का अधिकार है। समलैंगिक विवाह की याचिकाओं को सुनना, सुप्रीम कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की आपत्ति को ठुकराते हुए, याचिकाओं की सुनवाई कर रही है।

सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है, कि केंद्र सरकार, सुप्रीम कोर्ट की अधिकारिता को लेकर बार-बार अपनी राय व्यक्त कर रही है। यदि सुप्रीम कोर्ट की अधिकारता सीमित होगी, फिर तो सुप्रीम कोर्ट या न्यायालयों का कोई मतलब ही नहीं रह जाएगा। जिस तरह से सरकार ताकत के बल पर विधायिका और कार्यपालिका को अपनी उंगलियों पर नचाती है। उसी तरह कोर्ट को भी नचाने लगेगी। ऐसी स्थिति में फिर न्यायालयों का कोई अर्थ भी नहीं रह जाएगा। 75 वर्ष के इतिहास मुं पहली बार केंद्र सरकार, सुप्रीम कोर्ट की अधिकारिता को लेकर न्यायालय के बाहर विभिन्न बयानों के माध्यम से तथा सुप्रीम कोर्ट के अंदर भी अधिकारिता को चुनौती देने का काम कर चुकी है। जो संवैधानिक व्यवस्था के अनुकूल नहीं है। संविधान ने विधायिका और कार्यपालिका के किए हुए कार्यों की समीक्षा का अधिकार स्पष्ट रूप से न्यायालयों को दिया है। न्यायालयों को संविधान ने संविधान में वर्णित मौलिक अधिकारों की रक्षा का दायित्व सौंपा है। विधायिका और कार्यपालिका को अधिकार दिए हैं, इन पर नियंत्रण करने का अधिकार न्यायपालिका को दिया है। सुप्रीम कोर्ट का निर्णय ही अंतिम निर्णय माना जाता है। जहां तक समलैंगिक विवाह की बात है। यह व्यक्ति का मौलिक निजी अधिकार है। वह कैसे रहता है, किसके साथ रहना चाहता है, शादी करना चाहता है या बिना शादी के रहना चाहता है। वह बच्चे पैदा करना चाहता है, या नहीं करना चाहता है। वह अपनी संपत्ति का अधिकार किसे देना चाहता है। यह सब निजी जीवन के के मूल अधिकार हैं। समलैंगिक संबंध अनादि काल से चले आ रहे हैं। जब जब सामाजिक व्यवस्था में परिवर्तन आते हैं, तो उसका प्रभाव समाज में पड़ता है। लोगों की सोच बदलती है। उनकी आवश्यकताएं बदलती हैं। ऐसी स्थिति में समय-समय पर सामाजिक स्तर पर या न्यायपालिका के स्तर पर निर्णय लिए जाते हैं। समलैंगिक युगल यदि विवाह करना चाहते हैं, वह पति-पत्नी की तरह अधिकार चाहते हैं। यह उनका निजी अधिकार है। इस अधिकार का मतलब यह नहीं होगा, कि वह परिवार और समाज की अन्य व्यवस्थाओं में हस्तक्षेप करें। निजता का अधिकार निजी है। जब तक कोई दूसरा व्यक्ति उससे प्रभावित ना हो, तब तक वह इसका विरोध भी नहीं कर सकता है। भारत सहित दुनिया के देशों में लोग अब समलैंगिक संबंधों के आधार पर वैधानिक तरीके से रहना चाह रहे हैं। वह अपने साथी को विवाह में वर्णित अधिकार देना चाहते हैं।

बदलते हुए परिवेश में इसकी आवश्यकता भी महसूस की जा रही है। इसकी स्वतंत्रता और कानूनी सरंक्षण होने देने में कोई आपत्ति भी नहीं होनी चाहिए। समाज और परिवार में उसका असर ना पड़े, इसके लिए भी प्रावधान किए जा सकते है। हमारे यहां कहावत भी है, मियां बीबी राजी तो क्या करेगा काजी। समलैंगिक संबंधों को यदि वैधानिक स्वरूप दे देंगे, तो वह ज्यादा जिम्मेदारी और ज्यादा खुशियों के साथ अपना जीवन जी सकेंगे। इसके लिए उन्हें अधिकार संपन्न बनाने की जरूरत है। जब उसकी अच्छाई और बुराई सामने आएगी, समाज को स्वीकार करना है, या नहीं, इसका निर्णय समाज और परिवार स्वयं लेगा। समलैंगिक विवाह की अनुमति मात्र एक कानूनी अधिकारता है। जो व्यक्ति अपना जीवन जैसे जीना चाहता है। उसे इसकी स्वतंत्रता देने में कोई आपत्ति भी नहीं होनी चाहिए। दोहरे चरित्र में जीने की अपेक्षा जैसे हैं, वैसे जीना ज्यादा सुखदायक है। सरकार वोट तंत्र को ध्यान में रखते हुए प्राथमिकता तय करती है। समलैंगिक शादियां ऐसी स्थिति में सरकार कानून बनाने की पहल कभी नहीं करेगी। यह काम तो न्यायालय को ही करना होगा। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ यह कर भी रही है।

धरती माता की रक्षा करें और आने वाली पीढ़ी के लिए एक बेहतर जगह बनाएं

महात्मा गांधी ने एक बार कहा था–पृथ्वी हर आदमी की जरूरत को पूरा करने के लिए पर्याप्त प्रदान करती है, लेकिन हर आदमी के लालच को नहीं। मनुष्यों ने पिछले 25 वर्षों में पृथ्वी के जंगल के दसवें हिस्से को नष्ट कर दिया है और यदि प्रवृत्ति जारी रहती है तो एक सदी के भीतर कुछ भी नहीं बचा हो सकता है। करंट बायोलॉजी जर्नल में कुछ महीने पहले प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, दो अलास्का के आकार का एक विशाल क्षेत्र–लगभग 3 .3 मिलियन वर्ग किलोमीटर–1993 के बाद से मानव गतिविधि से कलंकित हो गया है। मनुष्य पृथ्वी पर सभी बायोमास का केवल 0 .01 फीसदी खाता है, लेकिन ग्रह का इतना छोटा हिस्सा होने के बावजूद, उन्होंने सभी जंगली स्तनधारियों के 83 फीसदी और सभी पौधों के आधे हिस्से का विनाश किया है। हमें खुद को यह याद दिलाने की आवश्यकता बढ़ रही है कि हमें अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए अपने पर्यावरण की रक्षा और सुरक्षा करनी चाहिए। इसी दृष्टि से हर वर्ष 22 अप्रैल को अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस के रूप में मनाया जाता है ...

डॉ. सत्यवान सौरभ
अध्यक्ष, इंडियन एसोसिएशन ऑफ मस्कुलर डिस्ट्रॉफी

पृथ्वी दिवस प्रत्येक वर्ष 22 अप्रैल को होता है। जलवायु परिवर्तन मानवता के भविष्य और हमारी दुनिया को रहने योग्य बनाने वाली जीवन-समर्थक प्रणालियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती का प्रतिनिधित्व करता है, पृथ्वी दिवस संकट में एक पर्यावरण के लिए एक एकीकृत प्रतिक्रिया थी-तेल रिसाव, धुंध, नदियाँ इतनी प्रदूषित कि उन्होंने सचमुच आग पकड़ ली। 22 अप्रैल, 1970 को, 20 मिलियन अमेरिकी उस समय की अमेरिकी आबादी का 10 फीसदी-पर्यावरणीय अज्ञानता का विरोध करने और हमारे ग्रह के लिए एक नए तरीके की मांग करने के लिए सड़कों, कॉलेज परिसरों और सैकड़ों शहरों में गए। पहले पृथ्वी दिवस को आधुनिक पर्यावरण आंदोलन शुरू करने का श्रेय दिया जाता है, और अब इसे ग्रह की सबसे बड़ी नागरिक घटना के रूप में मान्यता प्राप्त है, पृथ्वी दिवस प्रमुख अंतरराष्ट्रीय महत्व रखता है, 2016 में, संयुक्त राष्ट्र ने पृथ्वी दिवस को उस दिन के रूप में चुना जब जलवायु परिवर्तन पर ऐतिहासिक पेरिस समझौते को लागू किया गया था। यह हम में से प्रत्येक को यह याद दिलाने के लिए मनाया जाता है कि पृथ्वी और इसके पारिस्थितिक तंत्र हमें जीवन और जीविका प्रदान करते हैं। यह दिन एक सामूहिक जिम्मेदारी को भी पहचानता है, जैसा कि 1992 के रियो घोषणा में कहा गया था, प्रकृति और पृथ्वी के साथ सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए मानवता की वर्तमान और भावी पीढ़ियों की आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय आवश्यकताओं के बीच एक उचित संतुलन हासिल करने के लिए। यह दिन दुनिया भर में ग्रह की भलाई और इसके द्वारा समर्थित सभी जीवन के बारे में चुनौतियों के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। भारत दुनिया भर के कुछ देशों में से एक है, जिसके पास कोयले पर उपकर के रूप में कार्बन टैक्स है। भारत ने न केवल ऐसा उपकर लगाया है बल्कि वह उत्तरोत्तर इसे बढ़ाया भी जा रहा है। राष्ट्रीय स्वच्छ ऊर्जा कोष जो कोयले पर उपकर द्वारा समर्थित है, स्वच्छ ऊर्जा पहलों को वित्तपोषित करने और बढ़ावा देने, स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अनुसंधान को वित्तपोषित करने और किसी अन्य संबंधित गतिविधियों के लिए बनाया गया था। केंद्र सरकार ने अप्रैल 2015 में देश में पर्यावरण के अनुकूल वाहनों की बिक्री को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ हाइब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (फेम)-इंडिया स्कीम लॉन्च की। यह इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के लिए राष्ट्रीय मिशन का एक हिस्सा है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना गरीबी रेखा से नीचे के पांच करोड़ लाभार्थियों को एलपीजी कनेक्शन प्रदान करती है। कनेक्शन महिला लाभार्थियों के नाम पर दिए गए हैं ताकि खाना पकाने के लिए जीवाश्म ईंधन और गाय के गोबर जैसे पारंपरिक ईंधन पर उनकी निर्भरता कम की जा सके और इस प्रकार वायु प्रदूषण को कम किया जा सके। उजाला योजना योजना जनवरी 2015 में 77 करोड़ गरमागरम लैंपों को एलईडी बल्बों से बदलने के लक्ष्य के साथ शुरू की गई थी। एलईडी बल्ब के उपयोग से न केवल बिजली के बिल में कमी आएगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। स्वच्छ भारत अभियान (स्वच्छ भारत आंदोलन) एक अभियान है जिसे 2 अक्टूबर 2014 को प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किया गया था। अभियान देश के 4041 वैधानिक शहरों और कस्बों की सड़कों, सड़कों और बुनियादी ढांचे को साफ करना चाहता है।

कम करें, पुनः उपयोग करें, रीसायकल की अवधारणाओं का उपयोग करके घर पर, छतों पर, या अपने स्वयं के घर पर पर्यावरण की रक्षा के अन्य तरीकों की जांच करें, एक व्यक्तिगत सफाई परियोजना के लिए एक सप्ताह के अंत में एक सुबह आस-पड़ोस में फेंके गए प्लास्टिक, डिब्बे, और बोतलों की छानबीन करें जिससे पूरे समुदाय को मदद मिलेगी। यदि आप एक तटीय क्षेत्र में रहते हैं, तो यह विशेष रूप से समुद्री वन्य जीवन की रक्षा करने में मदद करने के लिए महत्वपूर्ण है। एक घरेलू ऊर्जा लेखा परीक्षा करें। लैपटॉप जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर ध्यान केंद्रित करें जो 24/7 पर बचे हैं (जो प्रति वर्ष आवासीय ऊर्जा उपयोग का 5-10 फीसदी है) उपयोग में नहीं होने पर इन उपकरणों को बंद कर दें और आप सालाना अपने बिजली के बिल पर औसतन $100 बचा सकते हैं। घर के आसपास, पुराने बल्बों को लंबे समय तक चलने वाले, अधिक ऊर्जा-बचत वाले बल्बों से बदलें।

अभी तक सौर ऊर्जा में नहीं उतरे हैं? सौर-संचालित पोर्च या एंट्रीवे रोशनी से शुरू करें, आप आसानी से खुद को स्थापित कर सकते हैं। और भी अधिक ऊर्जा बचत के लिए, सौर-संचालित गति-संवेदक रोशनी की तलाश करें जो केवल प्रवेश द्वार पर पहुंचने पर ही सक्रिय होती हैं। कम्पोस्ट ढेर के लिए एक अच्छी जगह (बढ़ते क्षेत्र से दूर) चुनें। आगामी बढ़ते मौसम के लिए अपने बगीचे को अपघटित करने और अंततः समृद्ध करने के लिए कॉफी के मैदान, अंडे के छिलके और भोजन के स्क्रैप को पुनर्चक्रण करना शुरू करें। बच्चों को आँगन के लिए बर्ड फीडर बनाने में मदद करने के लिए सूचीबद्ध करें -- एक प्लास्टिक की बोतल का उपयोग करके और इसे बर्ड फीड से भरकर। आप आधे संतरे के छिलके से प्रकृति निर्मित फीड बाउल भी बना सकते हैं। इसे बीज से भरें और एक बाहरी टेबल या खिड़की पर रखें।

मन की बात : जनभागीदारी के माध्यम से राष्ट्र निर्माण

नरेन्द्र मोदी जी ने हमारे राष्ट्र और इसकी समृद्ध सभ्यता को इसके अमृत काल के लिए दृष्टि दी – अगले 25 साल तक विक्रम संवत 2104 (ग्रेगोरियन वर्ष 2047) में अपनी अनमोल स्वतंत्रता की शताब्दी, जो हमारे प्यारे देश भारत के लिए अनंत संभावनाओं और परिवर्तन का काल है। मोदी जी ने हमारे सभी नागरिकों के लिए वास्तविक रुप से इस उल्लेखनीय पथ को आगे बढ़ाने में अपनी दृष्टि और परिश्रम से हमारे देश के लिए विकास और उपलब्धियों के एक नए युग की शुरूआत की है। माननीय प्रधानमंत्री की एक पहल, उनका कार्यक्रम ह्यमन की बाता और बेहतर शासन के लिए की गई कई उत्कृष्ट पहलों में से एक है। मन की बात एक अनूठा रेडियो कार्यक्रम है, जिसे विक्रम संवत 2071 (ग्रेगोरियन वर्ष 2014) में शुरू किया गया था, जिसके माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री ने न केवल उन नागरिकों के साथ सीधा संपर्क स्थापित किया है, जिन तक पहुंचना सबसे कठिन है, बल्कि हमारे देश में समाज के सबसे निचले पायदान पर भी हैं।

न्यायमूर्ति के. जी. बालकृष्णन
(भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश)

भारत ने 15 अगस्त, 2022 को अपनी आजादी के 75 साल पूरे किए। हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हमारे राष्ट्र और इसकी समृद्ध सभ्यता को इसके अमृत काल के लिए दृष्टि दी - अगले 25 साल तक विक्रम संवत 2104 (ग्रेगोरियन वर्ष 2047) में अपनी अनमोल स्वतंत्रता की शताब्दी, जो हमारे प्यारे देश भारत के लिए अनंत संभावनाओं और परिवर्तन का काल है। मोदी जी ने हमारे सभी नागरिकों के लिए वास्तविक रुप से इस उल्लेखनीय पथ को आगे बढ़ाने में अपनी दृष्टि और परिश्रम से हमारे देश के लिए विकास और उपलब्धियों के एक नए युग की शुरूआत की है। माननीय प्रधानमंत्री की एक पहल, उनका कार्यक्रम ह्यमन की बाता और बेहतर शासन के लिए की गई कई उत्कृष्ट पहलों में से एक है। ह्यमन की बातह्ल एक अनूठा रेडियो कार्यक्रम है, जिसे विक्रम संवत 2071 (ग्रेगोरियन वर्ष 2014) में शुरू किया गया था, जिसके माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री ने न केवल उन नागरिकों के साथ सीधा संपर्क स्थापित किया है, जिन तक पहुंचना सबसे कठिन है, बल्कि हमारे देश में समाज के सबसे निचले पायदान पर भी हैं।

मन की बात अपने सार में अद्भुत है, क्योंकि यह श्रोता और माननीय प्रधानमंत्री के बीच सीधा संबंध बनाता है। किसी को ऐसा लगता है कि उसे बौद्धिक, आध्यात्मिक और व्यक्तिगत स्तर पर उनके शुभचिंतक और मार्गदर्शक के रूप में सीधे माननीय प्रधानमंत्री द्वारा संबोधित किया जा रहा है। माननीय प्रधानमंत्री ने बिना किसी विफलता के राष्ट्र को संबोधित करने की इस प्रथा को स्थापित किया है। एक राष्ट्र के रूप में हमारे सामने कितनी भी चुनौती क्यों न हो, माननीय प्रधानमंत्री हमारे देश के एक नेता के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन करने में कभी पीछे नहीं हटे। यह परिवर्तनकारी रेडियो कार्यक्रम जो देश में कई महत्वपूर्ण सामाजिक और सांस्कृतिक जन आंदोलनों का सूत्रधार रहा है, अक्टूबर 2014 में शुरू किया गया था और 30 अप्रैल, 2023 को 100 एपिसोड के मील के पत्थर तक पहुंच रहा है।

माननीय प्रधानमंत्री ने अमृत काल में ह्यपंच प्रणह्ल यानी पांच प्रतिज्ञाएं रखी हैं, जो भारत के प्रत्येक नागरिक को भविष्य के भारत की अडिग नींव रखने के लिए लेनी चाहिए। इनमें से प्रत्येक पंच प्रण प्रेरणादायक कार्रवाई और राष्ट्र निर्माण की सुविधा पर केंद्रित है। प्रण में एक विकसित भारत का लक्ष्य, औपनिवेशिक मानसिकता के किसी भी निशान को हटाना, अपनी विरासत का जश्न मनाना, एकता को मजबूत करना और अपने कर्तव्यों पर ध्यान केंद्रित करना शामिल है।

पिछले दशक में भारत ने माननीय प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के संकल्प के साथ अपने विभिन्न क्षेत्रों में शानदार वृद्धि दर्ज की है। यह इस तथ्य से स्पष्ट है कि कोविड-19 महामारी की अभूतपूर्व चुनौती के दौरान, भारत अपने नागरिकों और विश्व के लाभ के लिए स्वदेशी टीकों का उत्पादन करने में सक्षम था। प्रधानमंत्री ने भारत से महामारी के दौरान ह्यमन की बातह्ल पर एक आत्मनिर्भर राष्ट्र और एक मजबूत वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने का आग्रह किया।

भारत ने अपने सभ्यतागत लक्ष्यों में उत्कृष्टता हासिल करने का संकल्प लिया है, जिसमें सामाजिक स्थिरता, आर्थिक समृद्धि, सांस्कृतिक सुरक्षा और विकास शामिल हैं, जो इसकी जड़ों के समकालीन हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी ने अपन मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से इस संकल्प की भावना को देश की जनता में प्रभावी ढंग से व्यक्त किया है और प्रकट किया है। माननीय प्रधानमंत्री ने देश के नागरिकों को लगातार परिवर्तन के एजेंट बनने और राष्ट्रीय विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया है। ह्यमन की बातह्ल स्टार्ट-अप इंडिया अभियान को बढ़ावा देने, भारत में युवाओं के बीच नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए एक शानदार मंच रहा है। हमारे देश में डिजिटल क्रांति सबसे बड़े पैमाने पर इसी माध्यम से लोकप्रिय हुई है। ह्यमन की बातह्ल देश में सर्वांगीण विकास को लोकप्रिय बनाने का एक बड़ा माध्यम रहा है। ह्यमन की बातह्ल हमारे नागरिकों के जीवन को बदलने और एक विकसित राष्ट्र के व्यापक लक्ष्य में योगदान करने के लिए उन्हें एकजुट करने का एक और साधन है।

माननीय प्रधानमंत्री मानते हैं कि हमारी कला, साहित्य और संस्कृति एक नए भारत की संरचना के स्तंभ हैं। उन्होंने न केवल मन की बात के माध्यम से हमारे समाज की सामूहिक संपत्ति के बारे में आम जनता को सूचित करने के लिए यह जिम्मेदारी ली है, बल्कि कला, साहित्य और सांस्कृतिक विरासत के हमारे स्तंभों को पुनः प्राप्त करने और पुनर्निर्माण के लिए कई पहल की हैं।

माननीय प्रधानमंत्री ने देश के सच्चे प्रतिनिधि के रूप में एक वैश्विक नेता की भूमिका निभाने की राष्ट्र की क्षमता में अपना विश्वास दिखाया है। वह अपनी पहल के माध्यम से विश्व मंच पर वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा को बढ़ावा देते हैं। इसने उन नागरिकों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है जो भारत को विश्व गुरु बनाने के लक्ष्य की दिशा में काम करने के लिए गौरवान्वित और प्रेरित महसूस करते हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी ने देश को अमृत काल का आह्वान करते हुए कहा कि यह हमारी प्रतिभा, संसाधनों और शक्ति के आधार पर उपलब्धियों की यात्रा शुरू करने का सही समय है। उन्होंने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मंत्र में सबका प्रयास के आह्वान को जोड़ा और लोगों से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की यात्रा में अपना योगदान देने का आह्वान किया।

महर्षि कृष्ण वेदव्यास के अयोनिज पुत्र शुकदेव मुनि

अशोक प्रवृद्ध

द्वापर युग के महाभारत काल की बात है। ब्रह्मा ने देवी- देवताओं की एक सभा बुलाई, और सभी से पूछा कि संसार में सबसे आवश्यक वस्तु, जरूरी चीज क्या है? सभी देवताओं ने अपने -अपने ढंग से प्रश्न का उत्तर दिया, लेकिन ब्रह्मा उससे संतुष्ट नहीं हुए। अंत में ब्रह्मा ने इस प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि संसार की सबसे आवश्यक वस्तु निःस्वार्थ प्रेम है, जिसमें कोई स्वार्थ न हो। यह सुन देवताओं ने कहा- यदि निःस्वार्थ प्रेम है, तो वह सिर्फ शिव और पार्वती में है, अन्य में नहीं। इस पर नारद ने कहा- नहीं, ऐसा नहीं है। मैं उन दोनों के मध्य में भी झगड़ा करवा सकता हूं। परन्तु नारद की बात पर कोई भी विश्वास नहीं करता है। एक दिन माता पार्वती भगवान शिव की अनुपस्थित में अकेली बैठी हुई थी, तो वहां नारद मुनि पहुंचे और उन्होंने माता पार्वती से भगवान शिव के बारे में पूछा कि शिव कहां गए हुए हैं? इस पर माता पार्वती ने कहा कि वह किसी काम से बाहर गए हुए हैं। आपको उनसे क्या कार्य है?

नारद ने कहा- मुझे भगवान शिव से अमर कथा सुननी थी। उनकी बात को सुनकर पार्वती हैरान रह गई। और उन्होंने पूछा कि शिव ने कभी मुझे तो अमर कथा नहीं सुनाई। इसका नाम तक नहीं लिया, यह क्या होती है? नारद ने बताया कि अमर कथा सुनने के बाद व्यक्ति अमर हो जाता है। शिव हर किसी को यह कथा नहीं सुनाते हैं। जिनसे वह सर्वाधिक प्रेम करते हैं, उन्हें ही वह अमर कथा सुनाते हैं। कुछ समय के बाद शिव वापस आते हैं, तो पार्वती उनसे गुस्सा होती है, और अमर कथा सुनने के लिए जिद करने लगती है। पार्वती के नहीं मानने पर शिव पार्वती को एक सुनसान स्थान पर कथा सुनाने के लिए ले जाते हैं, ताकि कोई और वह कथा न सुन ले। सुनसान स्थान पर जाने के बाद भगवान शिव एक ताली बजाते हैं, जिससे वहां पर उपस्थित सभी जीव -जंतु वहां से भाग जाते हैं। परन्तु वहीं पेड़ पर एक तोते का घोंसला होता है, जिसमें एक अंडा होता है। वह कथा शुरू होने से पहले जन्म ले लेता है।

इसके बाद भगवान शिव पार्वती को कथा सुनाना आरंभ करते हैं। कथा सुनते समय माता पार्वती को तो नींद आ गई, लेकिन उनके स्थान पर वहां बैठे कथारम्भ होने के पूर्व जन्मे उस शुक ने हुंकारी भरना प्रारम्भ कर दिया, और शिव अमर कथा सुनाते रहे। तोता पूरी कथा सुन लेता है। कथा समाप्त हो जाती है, तब भगवान शिव देखते हैं कि माता पार्वती तो सोई हुई है तो उनकी जगह हूकारे कौन भर रहा था? शिव को यथार्थ का पत्ता चलते ही वे शुक को मारने के लिए दौड़े और उसके पीछे अपना त्रिशूल छोड़ दिया। शुक जान बचाने के लिए तीनों लोकों में भागता रहा, भागते-भागते वह महर्षि कृष्ण वेदव्यास के आश्रम में आया और सूक्ष्मरूप बनाकर उनकी पत्नी वटिका के मुख में घुस कर उनके गर्भ में रह गया। तत्पश्चात शिव महर्षि वेदव्यास के आश्रम में आते हैं, और उन्हें बताते हैं कि एक चोर ने चोरी से अमर कथा सुन ली है। और वह यहां आकर छुप गया है। शिव कहते हैं कि मैं उसे मार दूंगा।

तब महर्षि वेदव्यास ने कहा कि यदि आप उसे मार देंगे, तो आपकी अमर कथा झूठी हो जाएगी। फिर शिव कहते हैं कि तो मैं उसे बंदी बना लूंगा। यह कह शिव एक वर्ष तक उसके बाहर आने का इंतजार करते रहे, परन्तु वह गर्भस्थ शिशु बाहर नहीं आया। एक वर्ष बाद महर्षि वेदव्यास ने शिव को उस गर्भ में स्थित बच्चे को क्षमा करने के लिए कहा, तो शिव उस बच्चे को क्षमा कर कर वहां से चले जाते हैं। फिर भी वह बच्चा गर्भ से बाहर नहीं आता है। ऐसी मान्यता है कि यह बारह वर्ष तक गर्भ के बाहर ही नहीं निकले। इन्होंने अपनी माता के गर्भ में ही तपस्या करना आरंभ कर दिया था। एक दिन महर्षि वेदव्यास की पत्नी को गर्भ में कुछ ज्यादा तकलीफ होने लगती है, तो भगवान विष्णु वहां आते हैं। और उस गर्भस्थ शिशु से बाहर नहीं आने का कारण पूछते हैं, तो गर्भ स्थित शिशु ने कहा कि मुझे संसार की मोह माया में नहीं फंसना है। यदि आप मोह माया रोक दें तो मैं बाहर आ जाऊंगा। इसके बाद विष्णु ने कहा कि मैं कुछ समय के लिए मायाजाल हटा दूंगा। इसके बाद मुनि शुकदेव का जन्म होता है और वे जन्म लेने के बाद तपस्या करने के लिए वन में चले जाते हैं। कुछ पौराणिक ग्रन्थों में गर्भस्थ शिशु के पास भगवान विष्णु के स्थान पर विष्णु अवतार श्रीकृष्ण के आने की बात कहते हुए कहा गया है कि जब भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं आकर इन्हें आश्वासन दिया कि बाहर निकलने पर तुम्हारे ऊपर माया का प्रभाव नहीं पड़ेगा, तब ये गर्भ से बाहर निकले और व्यास के पुत्र कहलाये। द्वापर युग के अंत में महाभारत काल में महर्षि कृष्ण वेदव्यास के इस अयोनिज पुत्र को शुक के माध्यम से उत्पन्न होने के कारण शुकदेव कहा गया। ऐसी मान्यता है कि बैशाख कृष्ण अमावस्या के दिन इनका अवतरण इस धरा पर हुआ, इसलिए बैशाख कृष्ण अमावस्या को शुकदेव मुनि जयंती मनाने का प्रचलन भारत में प्राचीन काल से है। पौराणिक मान्यताओं में शुकदेव को गर्भ में ही वेद, उपनिषद, दर्शन और पुराण आदि ग्रन्थों का सम्यक ज्ञान हो जाने से उनकी संसार से विरक्त भावनाएं होने के कारण जन्म लेते ही बाल्यावस्था में ही ज्ञान प्राप्ति व तप हेतु वन की ओर भागने और उनके पीछे वात्सल्य भाव से रोते हुए वेदव्यास के भी भागने की बात कही जाती है।

संक्षिप्त खबरें

बहजोई निकाय चुनाव में भाजपा को बेहतर प्रदर्शन की चुनौती

बहजोई : बहजोई नगर पालिका चुनाव में भाजपा को बेहतर प्रदर्शन करने की चुनौती है पिछली बार बहजोई से बीजेपी अध्यक्ष पद के लिए राजेश शंकर राजू तथा बसपा से रमेशचंद्र बादशाह, समाजवादी पार्टी से चारुल वार्ष्णेय प्रत्याशी थे परंतु मुख्य प्रतिद्वंदी राजेश शंकर राजू व रमेश चंद बादशाह थे जिसमें भाजपा अपने प्रतिद्वंदी से बहुत ही नजदीकी लगभग 604 वोटों से हार गई थी जिसमें भाजपा की हार की मुख्य वजह भितरघात बताया जा रहा थो वहीं इस बार समाजवादी पार्टी से प्रत्याशी कृष्ण मुरारी शंख धार ने आकर चुनाव रोमांचक बना दिया है बहजोई में मामला त्रिकोणीय होता दिखाई दे रहा है तीनों ही प्रत्याशियों के अपने-अपने समीकरण हैं वहीं भाजपा को सबसे ज्यादा भितरघात का डर सता रहा है क्योंकि भाजपा में टिकट मांगने वाले सबसे ज्यादा उम्मीदवार थे अब जबकि टिकट राजेश शंकर राजू का होने के बाद यह देखना दिलचस्प होगा कि बाकी उम्मीदवार चुनाव भाजपा के प्रत्याशी के पक्ष में लड़ाते हैं या उनकी निगाहें कहीं और है यह कहावत कही चरितार्थ न हो जाए कि कहीं पर निगाहें कहीं पर निशानो

भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा शिक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

अमरोहा।अग्रणी बैंक प्रवन्धक ने जानकारी देते हुए कहा कि आज भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा अखिल भारतीय शिक्षा प्रश्नोत्तरी का आयोजन ब्लॉक स्तर पर किया गया. जिसको भारतीय रिजर्व बैंक के अक्षय कुमार और अग्रणी जिला प्रबंधक मिट्ठू राम ने प्रतियोगिता को संपन्न कराया कयह प्रतियोगिता ब्लॉक स्तर पर की गई थी जिसमें जोया, अमरोहा, हसनपुर, गजरौला, धनोरा तथा गंगेश्वरी ब्लॉक के राजकीय विद्यालयों के बच्चों ने प्रतिभाग किया जिसके लिए 2 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए थे कजेएस हिंदू इंटर कॉलेज, अमरोहा, ज्ञान भारती इंटर कॉलेज गजरौला जेएस हिंदू इंटर कॉलेज अमरोहा केंद्र से मोहित सैनी और देव आईसी अमरोहा से प्रथम स्थान, अंशिका त्रिगुणा, अक्ष कलीम राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अमरोहा से द्वितीय स्थान, नसीम अहमद, आदित्य कुमार ऋक्ष धनोरा से तृतीय स्थान प्राप्त किया कवही दूसरे सेंटर ज्ञान भारती इंटर कॉलेज सेंटर से सविता, रीना गवर्नमेंट हाई स्कूल से प्रथम स्थान,गवर्नमेंट हाई स्कूल देहरी गुर्जर से वंशिका और नितिन त्यागी द्वितीय स्थान, गवर्नमेंट हाई स्कूल चंद्रा से मनप्रीत कौर और लखविंदर सिंह तृतीय स्थान प्राप्त किया क

अपर पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक मुरादाबाद द्वारा बहजोई मतदान केंद्र का किया निरीक्षण

गुरुवार को अपर पुलिस महानिदेशक जोन बरेली, पी0सी0 मीना एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक , मुरादाबाद परिक्षेत्र, मुरादाबाद शलभ माथुर द्वारा नगर निकाय निर्वाचन 2023 को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु थाना बहजोई क्षेत्र के मतदान केन्द्र हीरा देवी तोताराम इंटर कॉलेज बहजोई का निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस दौरान पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल चक्रेश मिश्र व क्षेत्राधिकारी असमोली संतोष कुमार आदि अधिकारीगण मौजूद रहे।

हाशमी कॉलिज में दो दिवसीय वित्तिय साक्षरता कार्यक्रम का समापन

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। हकीम महताब उददीन हाशमी कॉलिज ऑफ लॉ, अमरोहा के सभागार में नेशनल इन्स्टीटयूट ऑफ सिक्योरिटीज मार्केट द्वारा ऐक्सिज बैंक के सी0एस0आर0 इन्शिऐटिव के अर्न्तगत दो दिवसीय युवाओं हेतू वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम का समापन हुआ इस कार्यक्रम में नेशनल इन्स्टीटयूट ऑफ सिक्योरिटीज मार्केट की रिसोर्स पर्सन श्री मति अर्चना शर्मा द्वारा सिक्योरिटीज मार्केट सिस्टम पर जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के प्रथन दिन युवाओं के लिए वित्तिय साक्षरता एंव निवेश के बेहतर विकल्पों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के दूसरे दिन रिसोर्स पर्सन द्वारा प्राईमरी एंव सेकेन्डरी मार्केट की कार्य प्रणाली पर जानकारी दी गई। इक्विटि, म्यूचल फंड, डिवेंचर, एंव गोरमेन्ट सिक्योरिटीज आदि विषयों पर गहन जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर नेशनल इन्स्टीटयूट ऑफ सिक्योरिटीज मार्केट द्वारा प्री एंव पोस्ट क्वीज का आयोजन किया गया जिसमें बी0 ए0 एल एल0 बी0 की छात्रा कशिश अग्रवाल एंव सोफिया खान द्वारा सबसे अधिक अंक प्राप्त कर प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया। छात्र मौहम्मद अजमत खान को बेस्ट ऐक्टीविटीज़ के लिए पुरुस्कृत किया गया।समर आलम, सलमा बानो, आदिल उस्मानी, इश्हाक मुजफ़्फर, को बेस्ट टीम लीडर हेतू पुरुसकृत किया गया। इस कार्यक्रम में डा0 मौहम्मद इफितखार, डा0 रिपु दमन, डा0 मौहम्मद तारिक डा0 मौहम्मद हारुन, डा0 नूतन, शहजाद सिददीकी, जौफिशा शमशाद, फरहत मंसूरी, आदि द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। टेक्निकल सपोर्टर मौहम्मद ताबिश सूरी एंव मौहम्मद गुफरान, गौहर अली, रईस अहमद व समस्त स्टाफ आदि का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का सम्नवयन डा0 मौहम्मद तारिक खान द्वारा किया गया।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डा0 राना परवीन द्वारा की गई।

राष्ट्रीय आय छात्रवृत्ति परीक्षा उत्तीर्ण करके संभल जिले का नाम किया रोशन

प्रात: किरण संवाददाता

जनपद संभल में राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृति परीक्षा का आयोजन दिनांक 13 नवम्बर 2022 को राजकीय इंटर कालेज लहरावन, जनपद सम्भल में कराया गया ! उक्त के क्रम में जूनियर हाई स्कूल मझोला, विकास खंड बहजोई के बच्चों ने भी प्रतिभाग किया था। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित परीक्षा का परिणाम कल दिनांक 19-04-2023 को घोषित हो चुका है ! उक्त परीक्षा में जूनियर हाई स्कूल मझोला के कक्षा 8 के दो विद्यार्थियों - नबीला पुत्री जीशान ने जनपद में 15 वीं रैंक एवं आदेश पुत्र ओमप्रकाश ने जनपद में 29 वीं रैंक प्राप्त कर सफलता प्राप्त की है, जिससे स्कूल व गांव का नाम रोशन हुआ है।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक सेवाराम दिवाकर का अथक प्रयास सफल हुआ ! उन्होंने बताया कि सफल हुए विद्यार्थियों को कक्षा 9 से कक्षा 12 तक सरकार द्वारा प्रति माह लगभग रुपए 1000/- या इससे अधिक छात्रवृति दी जायेगी ! प्रधानाध्यापक द्वारा बताया गया कि आर्थिक रुप से कमजोर व मेधावी छात्रों के लिए दी जा रही उक्त छात्रवृति एक बहुत ही सराहनीय कदम है, जिससे छात्र भविष्य में और अधिक मेहनत से पढ़कर अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे व अपने जिले का नाम रोशन करेंगे

विधवा महिला की गर्भपात के दौरान मौत

पंचायत ने प्रेमी पर लगाया एक लाख का जुमार्ना

प्रात: किरण संवाददाता

आदमपुर। थाना क्षेत्र के एक गांव में विधवा महिला अपने प्रेमी से गर्भवती हो गई। गर्भपात के दौरान अत्यधिक रक्तस्त्राव होने पर महिला की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में जुटी पंचायत ने आरोपी प्रेमी पर एक लाख रूपए का जुमार्ना लगाकर मामले को रफा दफा कर दिया। शव का बिना कानूनी कार्रवाई के अंतिम संस्कार कर दिया गया।थाना क्षेत्र के एक गांव में एक युवक ने विधवा महिला को अपने प्रेमजाल में फंसा लिया।

युवक चोरी छिपे उससे मिलने भी लगा। जब महिला गर्भवती हुई तो प्रेमी ने गर्भपात कराने के लिए महिला को दवाई दे दी। दवाई खाने के बाद महिला की हालत बिगड़ गई। रक्तस्त्राव अधिक होने के बाद महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया।परिजनों व रिश्तेदारों को घटना के बारे में जानकारी हुई तो आरोपी प्रेमी के विरुद्ध पुलिस कार्रवाई की तैयारी की जाने लगी।

जिसकी भनक प्रेमी के शुभ चिंतकों को लग गई। तो उन्होंने मामले को दबाने के लिए पंचायत बैठा दी। देर रात तक चली पंचायत में आरोपी प्रेमी पर एक लाख रुपए का जुमार्ना लगाया। बताया जा रहा है कि शव का बिना किसी कानूनी कार्रवाई के अंतिम संस्कार कर दिया गया। आदमपुर थानाध्यक्ष वरूण कुमार ने बताया कि इस तरह का कोई मामला संज्ञान में नहीं आया है। अगर कोई तहरीर लेकर आता है तो जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

ईद-उल-फितर के मुबारक मौके पर रखें कोविड प्रोटोकाल का ख्याल

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जनपदवासियों से की अपील

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। जनपद में आ रहे कोविड-19 के केसों को देखते हुए जिलाने ईद पर लोगों से कोविड नियमों का पालन करने की अपील की है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक जनपद में कोविड-19 के 41 केस हैं।

विभाग संभावित कोरोना मरीजों की स्क्रीनिंग में जुटा है।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ राजीव सिंघल ने बताया कि कोविड-19 अभी खत्म नहीं हुआ है लिहाजा लोगों को एहतियात बरतने की जरूरत है। जिले में सभी प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर कोविड हेल्प डेस्क तैयार कर दी गई है। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों

●जनपद में कोविड के 41 केस हैं एक्टिव, स्वास्थ्य विभाग लगातार कर रहा है स्क्रीनिंग

पर ऑडियो सिस्टम के जरिए लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, जिला अस्पताल में इमरजेंसी और ओपीडी में आने वाले संभावित कोरोना के मरीजों की जांच आरटीपीसीआर और रेपिड एंटीजन टेस्ट किट से की रही है।

जो भी कोरोना के मरीज मिल रहे हैं, उन्हें सात दिन के लिए घर पर ही आइसोलेट किया जा रहा है। कोविड-19 से बचने के लिए क्या सावधानियां बरतनी जरूरी हैं, यह लोगों को बताने के लिए जिले में कई जगहों पर होर्डिंग भी लगाए गए हैं जिससे लोग कोविड-19 के नियमों का पालन करें। जिलाधिकारी ने लोगों से अपील की है कि ईद नजदीक है। ऐसे में लोग कोविड-19 के नियमों का पालन करते हुए ही त्योहार मनाएं। ऐसा करके आप अपने परिवार के सदस्यों को कोरोना से बचा सकेंगे।

बैशाख अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई आस्था की डुबकी

प्रात: किरण संवाददाता

गजरौला। बैशाख अमावस्या पर पतित पावनी गंगा में स्नान करने के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। स्नान करने के बाद श्रद्धालुओं ने ब्राह्मणों, पुरोहितों और जरूरतमंद लोगों को दान दक्षिणा देकर तृप्त किया। इसके बाद धार्मिक अनुष्ठान कराए।तिगरी निवासी पंडित गंगा शरण का कहना है कि अमावस्या पर गंगा में स्नान करने, पुरोहितों व ब्राह्मणों को दान दक्षिणा देने का विशेष विधान है। धार्मिक प्रवृत्ति के लोग स्नान के बाद जरूरतमंदों को दान दक्षिणा देते हैं। बैशाख माह की अमावस्या पर बृहस्पतिवार की सुबह से ही ब्रजघाट व तिगरी गंगा में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं का उमड़ना शुरू हो गया।भोर होते ही गंगा में स्नान का क्रम शुरू हो गया। हर हर गंगे के उद्घोष संग श्रद्धालुओं ने पतित पावनी गंगा में डुबकी लगाई। स्नान काफी देर तक चलता रहा। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठान कराए।

अश्लील वीडियो डिलीट कराने के नाम पर साईबर ठगों ने ठगे 88 हजार

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। साइबर ठग तरह-तरह के हथकंडे अपनाकर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। अमरोहा में एक और नया मामला सामने आया है। पहले आरोपियों ने वीडियो कॉल कर युवक की अश्लील वीडियो बनाई और बाद में ब्लैकमेल करने लगे।साइबर ठग ने कहा कि मैं दिल्ली से एसएसपी बोल रहा हूं, तुम वीडियो डिलीट कराना चाहते हो तो एक लाख रुपये भेजो। वरना तुम्हें उठा कर जेल में डाल देंगे। आरोपियों ने युवक को डरा धमका कर 88 हजार रुपये ठग लिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने धोखाधड़ी और आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है।रजबपुर थानाक्षेत्र के अतरासी कला गांव में किसान का परिवार रहता है। आरोप है कि 9 दिसंबर 2022 की दोपहर 2 बजे उनके बेटे के पास अननोन नंबर से वीडियो कॉल आई। जैसे ही उसने कॉल रिसीव की तो उधर से नग्न अवस्था में लड़की दिखाई थी। थोड़ी देर बाद युवक की वीडियो बनाकर युवती ब्लैकमेल करने लगी।लड़की ने अश्लील वीडियो होने का दावा करते हुए युवक से कहा कि वीडियो तभी डिलीट होगी जब रुपये दे दोगे। वरना वीडियो को वायरल कर देंगे। युवक ने रुपये देने से मना कर दिया। इसके बाद फिर दूसरे नंबर से कॉल आई और कहा कि तुम्हारे खिलाफ रिपोर्ट हो चुकी है।मैं दिल्ली से एसएसपी बोल रहा हूं। तुम्हारे पास अभी पुलिस भेज रहा हूं जो तुम्हें उठाकर जेल में डाल देगी। अगर तुम्हें वीडियो डिलीट करानी है तो एक नंबर भेज रहा हूं इस पर एक लाख रुपये डलवा दो। जिससे घबराकर पीड़ित ने 88999 पेटीएम और फोन पे के माध्यम से साइबर ठगों के खाते में डाल दिए।जिसके बाद पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ तो उसने मामले की शिकायत एसपी आदित्य लांग्हे से की। सीओ सिटी विजय कुमार राणा ने बताया कि मोबाइल नंबर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी धमकी और आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच साइबर सेल कर रही है। जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

मांस-विक्रेता की हत्या करने में दो सगे भाइयों को उम्रकैद,53 हजार का लगाया जुमार्ना

साक्ष्य व सबूतों के आधार पर न्यायालय ने दोनों दोषियों को सुनाई सजा

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। न्यायालय ने मांस विक्रेता की चाकू घोंपकर हत्या करने वाले दो सगे भाइयों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। इतना ही नहीं दोनों पर 53-53 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। वहीं हत्या में नामजद एक आरोपी को साक्ष्यों के अभाव में बरी किया गया है। दरअसल यह घटना अमरोहा नगर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला शफातपोता में 21 जुलाई 2018 को हुई थी।बता दें कि मोहल्ला दानिशमंदन में निजामुद्दीन का परिवार रहता है। उनका बेटा बिलाल मांस की दुकान चलाता था। घटना वाले दिन सुबह को बिलाल की अपने पड़ोसी मीट के दुकानदार सरताज कुरैशी से कहासुनी हो गई थी। इस दौरान लोगों ने दोनों पक्षों को समझा कर मामला शांत कर दिया था। लेकिन शाम को करीब 8:30 बजे बिलाल मीट के थोक विक्रेता नदीम के पैसे देने मोहल्ला शफातपोता में गया था। तभी सरताज और उसके भाई शानदार ने छुरी घोंप कर बिलाल को घायल कर दिया था। ताबड़तोड़ कई वार कर दोनों आरोपी मौके से भाग गए थे।परिजनों ने लहूलुहान हालत में बिलाल को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां से उसे मेरठ रेफर कर दिया गया था। लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई थी। परिजनों ने हत्या में शफातपोता के रहने वाले नदीम का भी हाथ होने की बात कही थी। इस दौरान ये बात भी सामने आई थी कि तीनों आरोपियों को बिलाल पर पुलिस की मुखबिरी करने का शक था। जिसे लेकर हत्या की। इस मामले में बिलाल के पिता निजामुद्दीन में तीनों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। फिलहाल नदीम और सरताज जमानत पर बाहर थे।जबकि शानदार जेल में बंद था। ये मुकदमा अपर सत्र न्यायाधीश विशेष (पॉक्सो एक्ट) तृतीय संजय कुमार चतुर्थ की अदालत में विचाराधीन था। अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता संजीव चौधरी पैरवी कर रहे थे। न्यायालय ने मुकदमे में सुनवाई की और साक्ष्य व सबूतों के आधार पर सरताज और उसके भाई शानदार को दोषी करार दिया। साथ ही उम्रकैद की सजा सुनाई और दोनों पर 53-53 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया। जबकि साक्ष्यों के अभाव में नदीम को बरी कर दिया गया है।

कृष्ण मुरारी शंखधार ने लोगों से किया जनसंपर्क

अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की

प्रात: किरण संवाददाता

संभल बहजोई में गुरुवार :सपा प्रत्याशी कृष्ण मुरारी शंखधार ने अपने समर्थकों के साथ चुनाव कार्यालय में बैठक की अपने समर्थकों के साथ चुनाव जीतने के लिए रणनीति बनाई निकाय चुनाव में समाजवादी प्रत्याशी कृष्ण मुरारी शंखधार ने चुनाव प्रचार तेज कर दिया है गुरुवार को बहजोई के विभिन्न स्थानों पर डोर टू डोर जनसंपर्क कर अपने पक्ष में समर्थन की अपील की कृष्ण मुरारी शंखधार ने अपने समर्थकों के साथ अलग-अलग वार्डो में जाकर अपने पक्ष में मतदान की अपील की उन्होंने कहा कि मैंने आज तक लोगों की सेवा की है और आप सभी मतदाता एक बार मुझे मौका दें जिससे मैं शहर का चहुंमुखी विकास कर सकूं इस अवसर पर अतुल सीमेंट, कमल शर्मा, बिंटू शर्मा, नदीम भाई, सोनेन्द्र यादव,सिरमौर यादव, चेतक गुप्ता,राहुल वार्ष्णेय आदि समर्थक मौजूद रहे'

आगामी त्यौहार के मद्देनजर जिला अधिकारी मनीष बंसल व पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्र ने की बैठक

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुबार :जिलाधिकारी संभल मनीष बंसल व श पुलिस अधीक्षक सम्भल चक्रेश मिश्र द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार बहजोई में आगामी त्योहारों की व परशुराम जयंती के दृष्टिगत जनपद के सम्भ्रान्त व्यक्तियों तथा धर्म गुरुओं के साथ बैठक की गई तथा आगामी त्यौहार नगर निकाय चुनाव को शांति व सोहार्द पूर्ण तरीके से मनाने की सभी से अपील की गई ।इस दौरान प्रशासन व पुलिस के अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे ।

आधा दर्जन गांवों में बिजली संकट गहराया 10 दिन से क्षतिग्रस्त पोल, अधिकारियों द्वारा विद्युत लाइन ठीक न करने पर करहल क्षेत्र के किसानों में आक्रोश

मैनपुरी, एजेंसी

सरकार किसानों को हर समय बिजली व अन्य सुविधाएं देने की बात कर रही हो लेकिन उन्हें हर समस्या से जूझना पड़ रहा है इसमें चाहे प्रशासन की लापरवाही को या सरकार की चलते किसान की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है जनपद मैनपुरी के थाना करहल में इन दिनों किसान बिजली आपूर्ति को लेकर परेशान नजर आ रहा है जहां सरकार ने ग्रामीण क्षेत्र के लिए 18 से 22 घंटे का शेड्यूल निर्धारित किया है। लेकिन उन्हें निर्धारित शेड्यूल के अनुसार नहीं मिल पा रही है इसका मुख्य कारण आए दिन क्षतिग्रस्त पोल जर्जर लाइने इसका मुख्य कारण है शिकायत करने के बाद भी अधिकारी कर्मचारी इस पर कोई खास ध्यान नहीं देते है जिसके कारण किसान परेशान नजर आ रहे हैं। आपको बताते चलें कि जिले के करहल क्षेत्र के आधा दर्जन गांवों में विद्युत लाइन खराबी चलते एवं हफ्ते में कई दिन तक बिजली न आने से संकट गहरा गया है, जिससे सुख रही मक्का की फसल से किसानों के चेहरों पर साफ चिंता की लकीरें देखी जा सकती है। मामला विद्युत वितरण खंड तृतीय उपकेंद्र तखरऊ क्षेत्र का है। गांव बरुआ के पास 8 दिन पहले एक बिजली पोल अज्ञात कारणों से क्षतिग्रस्त हो गया था। क्षतिग्रस्त पोल से गांव लुहारी, भांती, औन्हां और गुड़ी आदि क्षेत्र की आपूर्ति ठप्प हो गई थी। इन इलाकों में हफ्ते से बिजली न आने से मक्का की बर्बाद हो रही फसल से लोगों आक्रोश व्याप्त हैं। लुहारी किसान मनोज ने बताया कि उनकी 12 बीघा मक्का की फसल सिंचाई न होने के कारण सूख रही है। कई बार उन्होंने उपकेंद्र पर भी संपर्क किया, लेकिन विद्युत अधिकारियों ने आज तक कोई सुनवाई नहीं की। दूसरे किसान रामसिंह ने फसल भी सूखने पर बिजली समस्या को लेकर उपकेंद्र पर तैनात अवर अभियंता विशंभर सिंह से ग्रामीणों के साथ मिले, तो उन्होंने थाने जाकर पहले पोल टूटने की एफआईआर दर्ज कराने की बात कह कर हम लोगो को वापस कर दिया। अधिकारियों की लापरवाही से 8 दिन बीत जाने के बाबजूद भी टूटा विद्युत पोल बदला नहीं जा सका। क्षेत्र के आधा दर्जन गांव में बिजली आपूर्ति ठप है, जिससे किसानों में आक्रोश व्याप्त है। किसानों का कहना है कि अधिकारियों ने जल्द समस्या का निदान नहीं किया, तो वे आंदोलन करने पर विवश होंगे। किसानों में आक्रोश व्याप्त करने वालों में मानसिंह वाल्मीकि, हंसराज वाल्मीकि, प्रेमवती देवी, सुनीता, रक्षपाल, अवध बिहारी कठेरिया, सतीश शर्मा, लाखन शर्मा, राम दत्त कठेरिय, प्रधुम्मन, , शिवराम, जगदीश, किरन, रामसिंह शाक्य, रामशंकर ठाकुर आदि शामिल हैं। **क्या कहते हैं अधिकारी** अवर अभियंता का कहना है कि उन्होंने थाना कुर्रा में पोल टूटने की तहरीर 8 दिन पहले देने के लिए किसानों से कहा था। लेकिन थाने में अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई है, एफआईआर दर्ज होने के बाद ही पोल बदलने की कार्रवाई की जाएंगी।

वर्षों से लगातार क्षेत्र के लोगों की सेवा कर रहे है पूर्व सांसद चौधरी कंवर सिंह तवंर

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी निवर्तमान सांसद चौधरी कंवर सिंह तंवर ने समाज सेवा में भरपूर योगदान दिया है।जिनपद क्षेत्र में पिछले कई वर्षों से लगातार समाजसेवा संबंधी बड़े समाज कल्याण के कार्य करते आ रहे हैं। उनके द्वारा पिछले कई वर्षों से लगातार पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों में रोगियों के निशुल्क ईलाज हेतु गांव गांव मोबाईल डिस्पेंसरी भेजी जाती हैं। जिनमे अनुभवी चिकित्सकों द्वारा हर गांव में घर घर जा कर निर्धन, असहाय, मजबूर लोगों का निशुल्क ईलाज किया जाता है। कोरोना काल में जब पूरा देश महामारी से जूझ रहा था उस समय निवर्तमान सांसद ने अपनी गोबाईल डिस्पेंसरी गांव गांव चला कर कोरोना की निशुल्क जांच कराई व ऑविराजन के आभाव में अपने निजि कोष से जिला अस्पताल अमरोहा को एक ऑविराजन प्लांट भेंट किया।

नगर निकाय में मतदान प्रक्रिया के प्रशिक्षण कार्य मे सम्लित ट्रेनर्स को निर्वाचन अधिकारी ने किया संबोधित

मैनपुरी, एजेंसी

जिलाधिकारी, जिला निवार्चन अधिकारी अविनाश कृष्ण सिंह ने नगर निकाय सामान्य निवार्चन-2023 की मतदान प्रक्रिया को सकुशल, शान्तिपूवर्क, निष्पक्ष एवं सुचिता के साथ सम्पन्न कराने के लिये तैनात कामिर्कों को मतदान के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, विभिन्न प्रकार के कार्यो, कतर्व्यों, दायित्वों का प्रशिक्षण प्रदान करते हेतु तैनात मास्टर ट्रेनर के प्रशिक्षण सत्र को सम्बोधित करते हुये कहा कि मास्टर ट्रेनर्स भली-भांति प्रत्येक प्रक्रिया से भिज्ञ हो लें और पूरी गंभीरता के साथ कामिर्कों को प्रशिक्षित करें। प्रत्येक मतदान कामिर्क को मतदान प्रक्रिया के बारे में बेहतर ढंग से प्रशिक्षित होना बेहद जरूरी है। उन्होने मास्टर ट्रेनर्स से कहा कि प्रशिक्षण के दौरान मतदान कामिर्कों को निष्पक्ष रहकर कार्यो को अंजाम देने के लिए प्रत्येक दशा में जागरूक जाये, मतदान के दिन सभी कामिर्क राज्य निवार्चन आयोग के निदेर्शों का अक्षरशः पालन करते हुये निष्पक्ष वातावरण में मतदान प्रक्रिया को सम्पन्न करायें। उन्होने कहा कि मास्टर ट्रेनर्स को निधार्रित प्रक्रिया, निदेर्शों की पूर्ण जानकारी होना अत्यन्त आवश्यक है। इसलिए सभी मास्टर ट्रेनर्स प्रत्येक बिन्दु की गहनता से जानकारी कर लें और पीठासीन, मतदान अधिकारियों को बारीकी से प्रशिक्षित करें कि मत पेटिकाओं को खोलने, बंद करने एवं सील करने का अभ्यास कर लें साथ ही निवार्चन प्रक्रिया की सामान्य जानकारी भी कर लें ताकि मतदान कामिर्कों को प्रशिक्षण देते समय किसी प्रकार का कोई संशय न रहे। श्री सिंह ने कहा कि प्रत्येक कार्य की सफलता कार्य की जानकारी पर निभर्र है, निवार्चन में लगे सभी कामिर्कों, अधिकारियों को जितनी अधिक जानकारी होगी निवार्चन उतना ही आसान होगा और बिना किसी विघ्न के सम्पन्न होगा। उन्होने मास्टर ट्रेनर्स से कहा कि वह पीठासीन, मतदान अधिकारियों के प्रशिक्षण से पूर्व स्वयं सभी कार्यो, दायित्वों की जानकारी करें यदि कहीं कोई संशय हो तो उप जिला निवार्चन अधिकारी, प्रभारी अधिकारी प्रशिक्षण से संवाद कर निदान करें। उन्होने कहा कि सभी मतदान कामिर्कों, विशेषतौर पर पीठासीन अधिकारी को निवार्चन सामग्री में मुख्य रूप से 02 गोदरेज टाइप मतपेटी, निवार्चक नामावली की अभिप्रमाणित 03 प्रतियां, सादा पेपर सील, ब्रास सील, एरोक्रास, माकर्ड, अमिट स्याही, बैलेट पेपर आदि प्राप्त सामग्री का भली-भांति मिलान करने के लिए प्रशिक्षित करें, प्राप्त सामग्री की सूची विधिवत मिलान करने के उपरांत ही पार्टी रवानगी स्थल से मतदान केन्द्र के लिए रवाना हों। आचार्य टी.ई.पी. सेन्टर धीरेन्द्र कुमार यादव ने मास्टर ट्रेनर्स को विस्तार से जानकारी देते हुये बताया कि मतदान के संचालन में पीठासीन अधिकारी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्हें अपने अधीन मतदान स्थल पर की जाने वाली कायवार्ही को नियन्त्रित करने के लिए सम्पूर्ण विधिक शक्तियां प्राप्त होती हैं। मतदान प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सुनिश्चित कराना पीठासीन अधिकारी का कतर्व्य, उत्तरदायित्व है। इस उत्तरदायित्व को सफलता पूवर्क निभाने के लिए उन्हें निवार्चन विधि के समस्त प्राविधानों, प्रक्रिया की जानकारी होना बेहद जरूरी है और यह जानकारी कामिर्कों के प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स के रूप में तैनात आप सबके ऊपर है। आप जितने बेहतर ढंग से मतदान कामिर्कों को प्रशिक्षित करेंगे, मतदान प्रक्रिया उतनी ही आसानी से सम्पन्न होगी। उन्होने मास्टर ट्रेनर्स से कहा कि आप सब मतपेटी को खोलन, बंद करने का बार-बार अभ्यास करें, मतदान कामिर्कों के प्रशिक्षिण के दौरान कामिर्कों को मतपेटिका को खोलने, बंद कराने का अभ्यास अपने सामने करायें ताकि मतदान के दिन मतपेटिका को सील करनें से लेकर खोलने, बंद करने में किसी भी कामिर्क को कठिनाई न हो। इस दौरान अपर जिलाधिकारी राम जी मिश्र, राजस्व अधिकारी नरेन्द्र कुमार यादव, मास्टर ट्रेनर्स आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

5 चार अपराधी को पुलिस ने किया गिरफ्तार प्राथमिकी दर्ज , चोरी का बाइक बरामद

मुंगेर। तारापुर थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल मालिक के सूचना पर चार अपराधी को बाइक के साथ गिरफ्तार कर मोटरसाइकिल चोरी होने का उद्भेदन कर लिया है साथ ही बाइक को भी बरामद किया गया है। जानकारी के अनुसार हवेली खड़गपुर थाना क्षेत्र के घपडी गांव निवासी संतोष कुमार मंगलवार को अपने पत्नी का इलाज कराने के लिए बहनोई रामप्रवेश यादव की बाइक से तारापुर आया था अधिक रात होने के कारण पुराने बस स्टैंड के समीप बाइक लगाकर सीढी के चबूतरा पर सो गया। जब वह जगा तो देखा कि बाइक गायब है। इसके बाद उसने बाइक की खोज करने लगा। इस दौरान उर्दू चौक के समीप पुलिस मिली तो उसने चोरी की बात बताई इसके बाद पुलिस सक्रिय हुई और पुलिस ने गाजीपुर की ओर गई इस दौरान गाजीपुर पेट्रोल पंप के समीप चार युवक जो बाइक लेकर खड़ा था और बाइक स्टार्ट कर भागने का प्रयास कर रहा था। किंतु पुलिस गाड़ी के रुकते ही वे लोग भागने लगे जिसे खदेड़ कर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

क्षतिग्रस्त फसलों के बदले मुआवजा देने की मांग

मुंगेर। राजद बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव प्रोफेसर विनय कुमार सुमन ने प्रेस बयान जारी कर कहा है कि सहकारिता विभाग द्वारा किसानों की क्षतिग्रस्त फसलों के बदले , क्षतिग्रस्त फसल की अनुमानित राशि के हिसाब से मुआवजा देने का प्रावधान है। एक राजस्व ग्राम के तहत कल्याण टोला पंचायत, झौआ बहियार पंचायत एवं हरिण मार पंचायत है कल्याण टोला पंचायत के किसानों को सहकारिता विभाग द्वारा फसल बीमा योजना का लाभ मिल चुका है परंतु विगत 8 वर्षो से झौआ वहियार एवं हरिण मार पंचायत के किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ नहीं मिल पाया है। राजद बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव प्रोफेसर विनय कुमार सुमन एवं जिला राजद मुंगेर बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष अविनाश कुमार ने बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री एवं जिलाधिकारी मुंगेर से यह मांग किया है कि झौवा बहियार पंचायत एवं हरिद्वार पंचायत के किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ शीघ्र दिया जाए । जिससे कि इन दोनों पंचायतों के किसानो एवं उनके बाल बच्चे दाने दाने के लिए मोहताज नहीं हो। नेताओं ने कहा कि इन दोनों पंचायत में अन्न के बिना यहां के किसान मरणासन्न स्थिति में है।

जाति आधारित गणना संबंधी कार्यों को लेकर बैठक

पूर्णिया । भूमि उप समाहर्ता परमानंद साह ने केनगर प्रखंड मुख्यालय स्थित सद्भावना सभागार में बीडीओ सत्येन्द्र सिंह, बीपीआरओ शेखर कुमार, प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी कृष्ण कांत चौधरी एवं प्रखंड कल्याण पदाधिकारी विनोद कुमार सिंह समेत अधिकारियों और गणना कर्मियों के साथ बैठक कर जाति आधारित जनगणना कार्य के अद्यतन स्थिति का जायजा लिया। साथ ही तकनीकी कार्य में समस्या उत्पन्न हो रहे सुपरवाइजरों के साथ भी बैठक कर सुझाव दिया। उन्होंने जाति आधारित गणना में नियुक्त प्रगणकों को द्वितीय चरण के कार्य में जनगणना को ले गृह स्वामी का प्रपत्र समुचित रूप से भरकर निर्धारित समय के अंदर जमा करने का निर्देश सभी प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को दिया। डीसीएलआर ने प्रगणकों को प्रत्येक घरों का सही-सही गणना करने और तय समय से पूर्व कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रगणकों को प्र-पत्र में लोगों के सही-सही आंकड़ों को समाहित करने सहित का भी सख्त दिया।

पुलिस पदाधिकारी के निलंबन को लेकर एसपी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

पूर्णिया/ कसबा । अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन का एक शिष्टमंडल जिला अध्यक्ष बमबम साह के नेतृत्व में कसबा थाना के एक पुलिस पदाधिकारी के घोर लापरवाही से परेशान होकल पुलिस अधीक्षक एवं अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी से मिलकर उन्हें मांगपत्र सौंपते हुए निलंबन की मांग किया। माग पत्र में कहा गया है कि कसबा थाना की एक नाबालिक लड़की का अपहरण कर लिया गया। नाबालिक लड़की को अनुसंधानकर्ता द्वारा बरामद किया गया तो उनके परिजनों को अवगत नहीं करा कर लड़की को डरा धमकाकर गलत तरीके से बयान दिलाने के बाद परिजनों को कोर्ट बुलाकर सपुर्द किया है जो सरासर अन्याय है। जिला अध्यक्ष बमबम साह ने पुलिस अधीक्षक एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी से कहा है कि उक्त प्रकरण के वक्त वर्तमान थानाध्यक्ष अमित कुमार अवकाश में थे और इस तरह का मनमानी पुलिस पदाधिकारियों द्वारा किए जाने पर पीड़िता के शिकायत सुनकर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के निर्देश पर मेडिकल जांच कराया गया है और अवकाश से लौटने पर थानाध्यक्ष अमित कुमार द्वारा बयान लिया गया है।

सदर अस्पताल परिसर में आधुनिक सुविधाओं से लैस बने, मॉडर्न अस्पताल का लिया जायजा

डीएम ने सदर अस्पताल के हर वार्ड का लिया जायजा, कमियों को दुरुस्त करने के दिये निर्देश,

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर ।जय प्रकाश नारायण सदर अस्पताल परिसर में जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन पहुंच अस्पताल के सभी विभाग के वार्डो का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मरीजों को दी जाने वाली दवाइयां, एंबुलेंस की व्यवस्था, पैथोलॉजी व्यवस्था के साथ साथ ऑक्सीजन से लेकर सभी मूलभूत सुविधाओं की बारीकी से जांच की, साथ ही सभी विभागों के उपस्थिति पंजी एवं कई कागजातों को भी बारीकी से जांच करने के साथ देखा गया। वहीं जिलाधिकारी ने कहा अभी शहर का तापमान काफी ज्यादा है और असामान्य परिस्थिति बन रही है, उसी कड़ी में सदर अस्पताल का जायजा लिया गया है, साथ ही सभी विभागों के वार्ड में मरीजों की इलाज प्रक्रिया को लेकर समुचित व्यवस्था की जांच की गई, जांच के क्रम में अस्पताल में काफी हद तक व्यवस्था सुदृढ़ है, जहां कमियां पायी गयी हैं, उन्हें भी जल्द पूरा कर दुरुस्त करने के निर्देश सिविल सर्जन को दिये हैं। वहीं उन्होंने कहा कि गर्मी को देखते हुए एंबुलेंस में और सभी विभागों के वार्ड में एसी की समुचित व्यवस्था मुहैया कराने की पहल चल रही है, मरीजों को समय पर समुचित चिकित्सकीय सुविधा मिले इसके लिए भी निर्देश दिया गया है।

वहीं उन्होंने जिला वासियों को जानकारी देते हुए कहा कि अब भागलपुर के सदर अस्पताल में एमसीएच बनकर तैयार हो गया है, जहां पर सारे सामान लग चुके हैं, अंतिम रूप कार्य पूर्ण होने के साथ जल्द इसे शुरू किया जाएगा। जहां एक ही छत के नीचे दवाइयां, जांच, ऑक्सीजन एवं रोगियों का इलाज सुविधा उपलब्ध होगा, साथ ही उन्होंने कहा विक्टोरिया भवन को भी बन जाने से मरीजों को काफी फायदा हुआ है, वही अस्पताल परिसर में दीदी की रसोई की व्यवस्था का भी जायजा लेने के साथ उनकी तारीफ करते दिखे।

ईद त्यौहार को लेकर शान्ति समिति की हुई बैठक

प्रात : किरण ब्यूरो

प्रातः किरण संवाददाता।

नाथनगर (भागलपुर)। थाना परिसर में भाईचारा मिलत के पावन पर्व ईद को लेकर शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में ईद को सद्भाव भाईचारे के साथ शांति पूर्ण ढंग से मनाने हेतू सर्वसम्मति से निर्णय लिया। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष महताब खान ने किया। इस दौरान थानाध्यक्ष ने ईद मनाने को लेकर उपस्थित सदस्यों के बीच होने वाले समस्याओं को सुनने के बाद उपस्थित सदस्यों व बुद्धिजीवी लोगों से कहा कि ईद को शांतिपूर्ण ढंग से मनाया जाएगा। वही ईद की नमाज पढ़ने के लिए उक्त मार्ग पर आने-जाने वालों की सुविधाओं का भी ख्याल रखा जाएं। वही थानाध्यक्ष मो. खान ने अपील करते हुए कहा कि ईद पर्व आपसी भाईचारे के साथ मनाए ।किसी तरह की अप्रिय गतिविधियों को लेकर असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर बनाए रखना है। वही इलाके के चिन्हित सभी संवेदनशील जगहों पर मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस बल की विशेष तैनाती किये जाएंगे, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो सके। वही भीषण गर्मी को देखते हुए ईद पर्व के दिन सीटीएस के ईदगाह मैदान में वजू बनाने और पे जल की व्यवस्था की मांग की गई है। जिसको लेकर थानाध्यक्ष ने कहा पानी की व्यवस्था की जाएगी। बैठक में नाथनगर पूजा समिति के अध्यक्ष पप्पू यादव, महामंत्री देवशीष बनर्जी, शांति समिति सदस्य भवेश यादव, नेजाहत अंसारी, जॉनी, असफाक अंसारी, अब्दुल करीब, नीलम देवी, समेत कई लोग उपस्थित थे।

विवादित जमीन पर पुलिस के साथ एक पक्ष के लोगों के साथ हुई नोकझोंक

मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची कई थाना की पुलिस टीम, दो को किया गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

नाथनगर (भागलपुर) ।मधुसूदनपुर थाना क्षेत्र के महमदपुर गांव में जमीन विवाद मामले को लेकर सूचना स्थल पर स्थानीय थाना पुलिस के साथ एक पक्ष के लोगों के साथ नोकझोंक का मामला सामने आया है। वही पुलिस के साथ हुई नोकझोंक के बाद पुलिस ने मौके से दो लोगों को हिरास्त मे लेकर थाना लेजाया गया। वही मामले को लेकर एक पक्ष के नितेश चौधरी उर्फ मुन्ना ने बताया कि जमीन विवाद को लेकर न्यायालय में टाइटल सूट चल रहा है। वही उक्त जमीन पर दूसरे पक्ष के भूमाफिया व दबंगों द्वारा जबरन जमीन पर दीवार देने के लिए पिलर गाड़ने लगा था, जिसको लेकर मधुसूदनपुर थाना पुलिस को शिकायत करने पर मौके पर मधुसूदनपुर थाना पुलिस पदाधिकारी द्वारा संबंधित जमीन से जुड़े कागजात की मांग करते हुए काम को बन्द कराने के साथ अल्टीमेटम हिदायत के साथ वापस चले गए थे। पुनः शंकर तांती, नागेश्वर तांती, सुनील तांती, सुरेंद्र तांती, नन्दू तांती, प्रवीण तांती, रवि तांती, चंदन तांती, अमर चौधरी, कपिलदेव चौधरी, गोपाल चौधरी, पप्पू तांती सभी लोगों ने जबर्दस्ती परिवार वालों के साथ गालीगलौज व मारपीट करने लगा, अपनी जान बचा कर किसी तरह मधुसूदनपुर थाना पहुंचकर घटना की जानकारी दी। जिसके बाद मधुसूदनपुर थाना पुलिस विवादित जमीन पर पहुंचकर भूमाफिया लोगों को समझाबुझा कर जमीन पर घेराबंदी का काम बंद करने के लिए कहा इतने में उक्त भूमाफिया द्वारा पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बलों के साथ धक्का मुक्की करने को उतारू हो गया। उक्त वारदात की जानकारी मिलने बाद मौके पर कई थाना की पुलिस टीम पहुंचकर मामले को नियंत्रित करने में जुट गयी वही पुलिस ने मौके से दो लोगो को हिरास्त में ले लिया है।

वही मामले को लेकर एसएसपी आनंद कुमार ने बताया कि महमदपुर गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षो में मारपीट की घटना की सूचना पर मधुसूदनपुर थाना पुलिस पहुंची थी। जहां पर पुलिस टीम के साथ हल्की नोकझोंक होने जैसी किसी तरह की मारपीट की घटना सामने नाही आई है। वही घटना की जांच को लेकर डीएसपी सिटी के द्वारा निगरानी की जा रही हैं।

74 मतों के साथ अध्यक्ष पद पर निर्वाचित घोषित हुए सुभाष यादव

प्रात : किरण संवाददाता

नाथनगर (भागलपुर)। प्रखंड के बेलखोरिया पंचायत के पैक्स चुनाव विधिवत रूप से संपन्न हुआ। चुनाव के निर्वाचन परिणाम के तहत बेलखोरिया पंचायत के पैक्स अध्यक्ष सुभाष यादव को 74 मतों से विजय घोषित किया गया है, और सामान्य सदस्य में पांच उमीदवार सुविता देवी, आशा रानी सिंह, सत्यप्रकाश सुमन, प्रभाष यादव और गुड़िया देवी को विजय घोषित किया गया है ।वही अत्यंत पिछड़ा वर्ग के चंदा देवी निर्विरोध निर्वाचित हुई है। वही मामले को लेकर निर्वाचन पदाधिकारी अंतिमा कुमारी ने बताया कि पैक्स चुनाव को लेकर नाथनगर के बेलखोरिया में तीन बूथ बनाये गए थे, जिसको लेकर सुबह सात बजे से ही मतदान शुरू कराया गया था। उक्त परिक्षेत्र में कुल 1878 मतदाता वोटर सूची के तहत थे, जिसमें कुल 1047 मतदाता द्वारा मतदान किया गया है। वही देर शाम 6 बजे से निर्वाचित पदाधिकारी नाथनगर की बीडीओ अंतिमा कुमारी के नेतृत्व में प्रखंड परिसर स्थित कृषि भवन में मतगणना किया गया था। मतगणना के दौरान प्रत्याशी अशोक कुमार को 74 मतों से पराजित कर प्रत्याशी सुभाष यादव विजय हुए है। वही निर्वाचित हुए प्रत्याशी सुभाष के समर्थकों द्वारा अबीर गुलाल लगा कर खुशी का इजहार करते हुए निर्वाचित अध्यक्ष सुभाष यादव को फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया।

ईद पर्व को लेकर थाना परिसर में शांति समिति का बैठक

प्रात : किरण ब्यूरो

संग्रामपुर (मुंगेर)। ईद के मद्देनजर प्रखंड क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से बुधवार को संग्रामपुर थाना परिसर मैं थाना अध्यक्ष रंजन कुमार की अध्यक्षता में शांति समिति की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी अजेश कुमार एवं अंचलाधिकारी स्नेहा सत्यम भी मौजूद थी। शांतिपूर्ण बैठक को संबोधित करते हुए थानाध्यक्ष रंजन कुमार ने कहा कि ईद इबादत एवं आपसी भाईचारे का त्यौहार है। भाई चारे के साथ उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि बिना किसी विद्वेष के आपसी भाईचारे के साथ ईद को मनाए। इस दौरान सभी शांति समिति के सदस्यों का यह दायित्व होता है की सौहार्द बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्वों को चिन्हित कर तत्काल इसकी सूचना प्रशासन को दें। ईद मुस्लिम समाज का एक महत्वपूर्ण त्योहार है। प्रखंड क्षेत्र के कोराडी पतघआघर, कुआँगड़ी,ददरी जाला एवं संग्रामपुर के अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के द्वारा ईद का नमाज अदा कर एक दूसरे से गले लग कर ईद मनाते हैं।

मजदूर ने की आत्महत्या

मुंगेर। शेरपुर गांव निवासी जो बच्चों के मजदूर पीता 50 वर्षीय अरविंद कुमार मंडल ने जहर खाकर आत्महत्या कर लेंगे का समाचार प्राप्त हुआ है। मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है मृतक के बराबर पति सदस्य अमरजीत कुमार ने बताया कि उसके पिता की मानसिक स्थिति कमजोर थी जिसकी 25 साल से दवा चल रही थी बुधवार की सुबह 4:00 बजे उनकी तबीयत बिगड़ गई उनके मुंह से खून आ रहा था शायद उन्होंने कीटनाशक दवा खा लिया था तत्काल उनका इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई कोतवाली थाना धीरेंद्र कुमार पांडे ने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराने के बाद सबको परिजनों को सौंप दिया। अरविंद के परिजन ने बताया कि अरविंद आत्महत्या कर लिया है इस संबंध में पुलिस छानबीन कर रही है।

प्रचंड गर्मी दिखा रही अपना रौद्र रूप, पारा हुआ 43 के पार

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। पूरे सूबे में तपती गर्मी से लोगों का हाल बेहाल हो रहा है, एक तरफ जहां जिलाधिकारी के आदेशानुसार कई जिले में तपती गर्मी को देखते हुए स्कूल बंद करने का आदेश जारी कर दिया है, तो वहीं कई स्कूलों के समय में परिवर्तन कर दिया गया है। दोपहर की चिलचिलाती धूप में सड़कें वीरान हो गई हैं, मौसम विभाग की माने तो अभी तापमान में 2 से 3 दिनों तक गिरावट होने की कोई संभावना नहीं देखी जा रही है, साथ ही पछुआ हवा के बढ़ने के साथ तेज तपिश का भी प्रभाव रहने की संभावना व्यक्त की है, बढ़ते तापमान के बीच उमस भी बनी रहेगी। आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान का असर बक्सर, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, रोहतास, भगवा, औरंगाबाद, परवल सहित दक्षिण व पश्चिम जिलों के आसपास के इलाकों में विशेष तौर पर देखने को मिलेगी। वही मौसम विज्ञान केंद्र पटना के मुताबिक पश्चिम बंगाल और उसके आसपास एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना है इसके प्रभाव से अगले 48 घंटे तक राज्य में तेज पछुआ हवाएं भी चलती रहेंगी।

प्रधानाध्यापक की अनियमितता को ग्रामीणों ने एक एक कर किया चरितार्थ

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया/बड़हरा कोठी । प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय हरिराही में व्याप्त अव्यवस्था और विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा विद्यालय संचालन में बरती जा रही अनियमितता, प्रधानाध्यापक के लगातार अनुपस्थित रहने, विद्यालय अवधि में प्रधानाध्यापक द्वारा शराब के नशे में धुत्त रहने, विद्यालय द्वारा निर्गत विद्यालय परित्याग प्रमाण पत्र में की जा रही गलतियां सहित मध्याह्न भोजन बन्द रहने से संबंधित वीडियो वायरल होने के बाद ग्रामीणों एवं विद्यालय के कर्मियों ने प्रधानाध्यापक के करतूतों पर जमकर भड़ास निकाला। शिक्षकों की संख्या के संबंध में पूछे जाने पर शिक्षक दिनेश कुमार राम ने बताया कि विद्यालय में 10 शिक्षक थे जिसमें तीन शिक्षक को दूसरे विद्यालय में प्रतिनियुक्त किया गया है। मौके पर पांच शिक्षक उपस्थित तथा प्रधानाध्यापक अनिल कुमार हांसदा और सहायक शिक्षक सुबोध कुमार सिंह अनुपस्थित पाए गए। वाइरल वीडियो और विद्यालय की अव्यवस्था के संबंध में पूछे जाने पर मौके पर उपस्थित शिक्षकों ने बताया कि हमलोग तो प्रधानाध्यापक के आदेश का पालन करते हैं और नियमित ड्यूटी करते हैं। विद्यालय के व्यवस्था के लिए प्रधानाध्यापक जिम्मेवार हैं और वही कुछ बताएंगे। मध्याह्न भोजन के संबंध में पूछे जाने पर मौके पर उपस्थित रसोइया दीदी सीता देवी, ललित देवी, रूपा देवी, अरुनलता देवी ने बताई कि प्रधानाध्यापक ही रसोई का सारा सामान उपलब्ध करवाते हैं। भंडार का चाबी उन्ही के पास रहता है। प्रधानाध्यापक के अनुपस्थिति के कारण सोमवार से ही मध्याह्न भोजन बन्द है। रसोइया दीदियों ने बताई की उनलोगों को पांच महीने से मानदेय तक नही मिला है। मौके पर विद्यालय पहुंचे अभिभावक पिंकी देवी, मीना देवी, विकाश मंडल, रवि कुमार, निर्भय कुमार शर्मा, संजय मंडल सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय का हालत बदतर हो गया है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक नियमित विद्यालय नही आते हैं जब कभी आते भी हैं तो हमेशा शराब के नशे में धुत्त रहते हैं। अभिभावकों व छात्रों ने आरोप लगाया कि विद्यालय परित्याग प्रमाण पत्र निर्गत करने में छात्रों से पांच पांच सौ रुपया लिया गया है। हालांकि मौके पर उपस्थित शिक्षकों ने इस आरोप को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि बेवजह आरोप लगाया जा रहा है। शिक्षकों के प्रतिउत्तर पर अभिभावकगण काफी उग्र हो गए जिसे समझाबुझा कर शांत कराया गया। अभिभावकों ने बताया कि मध्याह्न भोजन कई दिनों तक बन्द रहता है छात्र भी कम ही आते हैं। फिर भी छात्रों का उपस्थिति बनाकर मध्याह्न भोजन की राशि का खर्च दिखाया जा रहा है। मौके पर उपस्थित रसोइया दीदी ने भी स्वीकार किया कि कम छात्र विद्यालय आते हैं ।परीक्षा के समय ही ज्यादा छात्र विद्यालय आते हैं। अभिभावकों ने शिकायत किया कि विद्यालय का शौचालय हमेशा बन्द ही रहता है।

जिला विधि पदाधिकारी के आदेश अंचल कार्यालय खड़गपुर में फांक रहा है धूल

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। अंचल कार्यालय हवेली खड़गपुर भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबा हुआ है। रैयत भ्रष्टाचार के कारण परेशान है। बिहार भूमि सुधार विभाग इस भ्रष्टाचार का निवारण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा पा रहा है जिसके कारण एक पत्रकार ने यहां के रैयतों को भ्रष्टाचार से मुक्ति दिलाने के लिए बिहार के मुख्य सचिव, भूमि सुधार विभाग के सचिव, आयुक्त मुंगेर , जिला पदाधिकारी मुंगेर , अनुमंडल पदाधिकारी खड़गपुर,अंचल अधिकारी हवेली खड़गपुर , प्रभारी अंचल निरीक्षक ओमप्रकाश प्रसाद को तीन बार वकालतन नोटिस देकर कई बिंदुओं पर जवाब मांगा गया था। लेकिन बिहार के आला अधिकारी ने विभागीय कार्यवाही करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी को पत्र भेजकर वकालत नोटिस के बिंदुओं पर जवाब मांगा है। अनुमंडल पदाधिकारी खड़गपुर को जिला पदाधिकारी मुंगेर में पत्रकां संख्या 180 /23 भेज कर सो का नोट के 13 बिंदुओं पर जवाब देने का निर्देश दिया है। अनुमंडल पदाधिकारी खड़गपुर ने इस आलोक में अपने कार्यालय से 4 बार रिमाइंडर पत्र भेज कर अंचलाधिकारी संतोष कुमार सिंह से जवाब मांगा है लेकिन समाचार लिखे जाने तक अंचलाधिकारी हवेली खड़गपुर ने कोई जवाब अपने अंचल कार्यालय से अनुमंडल कार्यालय को नहीं भेजा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुंगेर के सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह (जदयू का राष्ट्रीय अध्यक्ष) का वरद हस्त रहने के कारण व्यापक भ्रष्टाचार के बावजूद भी बिहार भूमि सुधार विभाग द्वारा अंचल अधिकारी संजय कुमार सिंह पर कोई कार्यवाही नहीं हो रही हैं। जबकि क्षेत्र की जनता अंचल कार्यालय के व्यापक भ्रष्टाचार से परेशान होकर जिलाधिकारी कार्यालय और आयुक्त कार्यालय का भी चक्कर लगा रहे हैं। जिला अधिकारी और आयुक्त के आदेश को रद्दी की टोकरी में रखकर अंचल अधिकारी धूल चाटवा रहा है। इस आलोक में खड़गपुर के एक पत्रकार नै उपरोक्त सभी पदाधिकारी के खिलाफ उच्च न्यायालय पटना में याचिका दायर करने की तैयारी कर लिया है।

एनीमिया की स्थिति आंकलन के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला का किया गया आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया । स्वास्थ्य विभाग और यूनिसेफ के सहयोग से इजिचेक, एनीमिया स्क्रीनिंग उपकरण को जिले के दो प्रखंड रुपौली एवं भवानीपुर में मॉडल के रूप में प्रयोग किया जा रहा है। जिससे संबंधित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय सह अस्पताल परिसर स्थित सभागार में किया गया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ अभय प्रकाश चौधरी, डीपीएम सोरेंद्र कुमार दास, डीएमएनई आलोक कुमार, यूनिसेफ के स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ सिद्धार्थ शंकर रेड्डी, स्थानीय सलाहकार शिव शेखर आनंद, राज कुमार, क्लिनों हेल्थ इनोवेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दीप्ती सुंदर मोहंती, इजीरेक्स के संस्थापक पार्थ प्रतिम दास महापात्रो, सिफार के धर्मेंद्र रस्तोगी सहित रुपौली एवं भवानीपुर स्वास्थ्य केंद्र के एमओआईसी, बीएचएम, सीएचओ, एएनएम, एलटी, डेटा ऑपरेटर सहित कई अन्य उपस्थित थे। सिविल सर्जन डॉ अभय प्रकाश चौधरी ने कहा वर्तमान समय में 45 से अधिक उम्र वाले प्रत्येक 11 में से एक वयस्क को किडनी से संबंधित पुरानी बीमारी होती है। इसके साथ ही 45 वर्ष से अधिक आयु के लगभग 80 प्रतिशत लोग मधुमेह से पीड़ित हैं। जबकिं प्रत्येक 3 में से 2 महिलाओं में हीमोग्लोबिन की मात्रा कम आंकी गई है। हालांकि शुरूआती दौर में इस तरह की बीमारियों की सही जानकारी मिल जाए तो यह चिकित्सीय क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। अगर यह उपकरण कारगर होता है तो इसे पूरे जिले में लागू किया जाएगा।

यूनिसेफ के स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ सिद्धार्थ शंकर रेड्डी ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग एवं यूनिसेफ ने इजिचेक के साथ समन्वय स्थापित कर एक तरह से नया उपकरण को बिहार में पहली बार प्रयोग में लाने जा रही है। जो पूर्णिया सहित पूरे राज्य के लिए मॉडल के रूप में देखने को मिलेगा। इस उपकरण के माध्यम से क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं में एनीमिया, किशोरियों में खून की कमी, मधुमेह की जांच को वगैर रक्त के नमूने लिए मात्र पांच से दस मिनट के अंदर आसानी से किया जा सकता है। इससे अस्पताल आने वाले मरीजों को समय रहते विभिन्न प्रकार की बीमारियों की जानकारी मिल जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की मंशा यही है कि समय के साथ पैसे की बचत कर आसानी से बीमारियों का पता लगाकर उसका उपचार किया जा सके। क्लिनों हेल्थ इनोवेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दीप्ती सुंदर मोहंती ने बताया कि सामुदायिक स्तर पर गर्भवती महिलाओं एवं किशोरियों सहित बड़े बुजुर्ग किसी न किसी बीमारी से ग्रसित रहते हैं। जिस कारण समय एवं पैसे की अत्यधिक बोझ झेलना पड़ता है।

फाइलेरिया मुक्त भारत अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है पेशेंट सपोर्ट ग्रुप

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया । दुनिया में कई ऐसी बीमारियां हैं, जिनका इलाज संभव नहीं है। ऐसी ही एक बीमारी का नाम है लिम्फीडिमा जिसे आम भाषा में हाथी पांव भी बोलते हैं। इसे दुनिया की सबसे अनोखी बीमारी बताया जाता है। ऐसी ही बीमारी से ग्रसित सुबोध सिंह जब सिर्फ 22 वर्ष के थे तो एक दिन अचानक बुखार के साथ पाथव में लहर होने का अनुभव हुआ। दो तीन दिन लगातार बुखार एवं पांव में लहर के बाद अचानक बाएं पैर में सूजन होनी लगी तो उनके पिता नजदीकी ग्रामीण डॉक्टर से दिखाया। डॉक्टर ने उन्होंने दवाई दी लेकिन इसका कोई असर नहीं होने पर उनके माता-पिता परेशान हो गए। बच्चे के इलाज के लिये एक के बाद एक न जाने कितने चिकित्सकों का दरवाजा खटखटाया। तब कहीं जाकर उनके फाइलेरिया ग्रसित होने का पता चला। छह माह के बाद लाइन बाजार में चिकित्सक से दिखाया तो उन्होंने ऑपरेशन कराने की सलाह दी। वो ऑपरेशन करवा तो लिए लेकिन फिर वही स्थिति बनी रही। उसके बाद वेल्लोर जाकर भी दिखाया मगर रोग का कोई समुचित इलाज नहीं था। इसलिये उन्होंने उसी वक्त ये ठान लिया कि भले वो कभी पूरी तरह ठीक न हो पायें लेकिन जीवन में कुछ ऐसा जरूर करेंगे ताकि किसी दूसरे व्यक्ति को मच्छर जनित इस रोग का शिकार न होना पड़े। आज सुबोध 37 वर्ष के हो चुके हैं। वह साउंड बॉक्स का व्यापार करते हैं। वर्ष 2022 से पेशेंट सपोर्ट ग्रुप से जुड़कर आम लोगो को जागरूक करने के साथ अपने आप को भी काफी हल्का महसूस कर रहे हैं।

रोग से बचाव के प्रति कर रहे हैं लोगों को जागरूक : सुबोध पूर्णिया पूर्व प्रखंड के बेल्लोरी सहित आसपास के इलाकों में फाइलेरिया मुक्त भारत अभियान को मजबूत बनाने के प्रयास में जुटे हैं। वर्ष 2022 में फाइलेरिया ग्रसित मरीजों को एकत्रित कर उनके स्वास्थ्य में सपोर्ट करने के लिए शीतला पेशेंट सपोर्ट ग्रुप का निर्माण किया गया। पेशेंट सपोर्ट ग्रुप में वे सक्रिय सदस्य की भूमिका में हैं। इस ग्रुप में स्थानीय क्षेत्र के 11 फाइलेरिया ग्रसित मरीजों को शामिल किया गया। अब हर महीने ग्रुप की बैठक का आयोजन किया जाता है। वह समूह की विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से आसपास के ग्रामीणों को फाइलेरिया से बचाव व इसके प्रबंधन संबंधी उपायों के प्रति जागरूक कर रहे हैं। वहीं संक्रमितों को भी प्रभावित अंगों की देखरेख, जरूरी व्यायाम, मच्छरदानी का प्रयोग व आसपास के माहौल को स्वच्छ बनाये रखने के प्रति जागरूक कर रहे हैं। मरीजों को अस्पताल से लिंक कराते हुए जरूरी चिकित्सकीय सुविधा, दवा व परामर्श उपलब्ध कराने में अपने समूह के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

रोग के बेहतर प्रबंधन से सुगम जीवन संभव : सुबोध बताते हैं कि 15 सालों से वे इस गंभीर रोग से जूझ रहे हैं। उन्हें पता है कि रोग का कोई स्थायी समाधान नहीं है। लेकिन प्रभावित अंगों की समुचित देखरेख, जरूरी व्यायाम को जीवन में अपना कर इसके साथ सुगमता पूर्वक जीवन यापन संभव है। सरकार द्वारा रोग पर प्रभावी नियंत्रण को लेकर हर साल एमडीए कार्यक्रम संचालित किया जाता है। जिसमें लोगों को डीईसी व अल्बेंडाजोल की दवा सेवन कराया जाता है। इसका सेवन रोग पर प्रभावी नियंत्रण के लिये जरूरी है। आस-पास के ग्रामीण व संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति को वे इसके प्रति जागरूक करते हैं। गांव में संचालित फाइलेरिया पेशेंट सपोर्ट ग्रुप से जुड़ने के बाद उनके इस अभियान को बेहद मजबूती मिली है। समूह की बैठकों में रोग से संबंधित विभिन्न मसलों पर विस्तृत चर्चा की जाती है। नजदीकी पीएचसी से उन्हें लिंक किया जाता है। इसकी मदद से उन्हें जरूरी चिकित्सकीय सुविधा व सुझाव आसानी से उपलब्ध हो पाता है।

रोग नियंत्रण में समूह निभा रहा महत्वपूर्ण भूमिका : जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ आरपी मंडल ने बताया कि फाइलेरिया रोगियों को रोग प्रबंधन की तकनीक के प्रति जागरूक करते हुए उपलब्ध चिकित्सकीय सेवाओं का लाभ उन तक पहुंचाने में फाइलेरिया पेशेंट सपोर्ट ग्रुप महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सरकार के स्तर से रोगियों को हर सहायता उपलब्ध करायी जाती है। उन्होंने बताया कि फाइलेरिया एक मच्छरजनित रोग है। इसका कोई समुचित इलाज नहीं। लेकिन कुशल प्रबंधन व प्रभावित अंगों की समुचित देखरेख से इससे होने वाली जटिलताओं से बहुत हद तक बचा जा

तेरे नाम के लिए सलमान को याद आए सतीश कौशिक, सीक्वल की है प्लानिंग

सलमान खान एक बार फिर ईद के दिन 4 साल बाद बड़े परदे पर वापसी करने जा रहे हैं। दबंग-3 के बाद यह उनकी पूरी तरह से वापसी है। हालांकि इस बीच वे राधे-यूअर मोस्ट वांटेड भाई और अंतिम में नजर आने के साथ ही हाल ही प्रदर्शित हुई शाहरुख खान की पठान में भी दिखाई दिए थे। लेकिन इन सभी फिल्मों में उनकी भूमिका अतिथि कलाकार की थी। राधे-यूअर मोस्ट वांटेड भाई जरूर उनकी फिल्म थी लेकिन यह कोविड की भेंट चढ़ गई थी। 21 अप्रैल को प्रदर्शित होने वाली किसी का भाई किसी की जान का जोरशोर से प्रचार कर रहे सलमान खान मीडिया से भी लगातार बातचीत कर रहे हैं।

मीडिया से बातचीत के दौरान ही उन्होंने हाल ही में दिवंगत हुए निर्माता, निर्देशक, अभिनेता व लेखक सतीश कौशिक को याद किया। दो दशक पूर्व जब सलमान खान का करियर डांवाडोल स्थिति में चल रहा था तब एक फिल्म आई थी तेरे नाम। इस फिल्म के गीत-संगीत ने प्रदर्शन पूर्व ही श्रोताओं और दर्शकों को अपने साथ जोडने में सफलता प्राप्त कर ली थी। वर्ष 2003 में प्रदर्शित हुई तेरे नाम ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता प्राप्त की थी। इस फिल्म का निर्देशन किया था सतीश कौशिश ने जो इससे पहले दर्शकों को रूप की रानी चोरों का राजा सरीखी फिल्म दे चुके थे। तेरे नाम शुद्ध प्रेम कहानी थी, जिसने दर्शकों के दिलों को छुआ था। इस फिल्म को देखने के बाद दर्शक सलमान की एक्टिंग के मुरीद हो गए थे। बॉक्स ऑफिस पर भी सलमान खान की तेरे नाम हिट साबित हुई थी। इस बीच सलमान खान ने इस मूवी को लेकर खुलासा किया है। एक्टर ने बताया कि तेरे नाम के दूसरे पार्ट पर सतीश कौशिक काम करे थे। सलमान खान इन दिनों अपनी मूवी किसी का भाई किसी की जान का प्रमोशन जोरों शोरो से कर रहे हैं। इस दौरान भाईजान ने मीडिया से भी बातचीत की है जिसमें उन्होंने तेरे नाम के दूसरे पार्ट को लेकर खुलासा किया है। उन्होंने तेरे नाम के लिए एक प्लॉट पर चर्चा की थी और 20 साल बाद कहानी में क्या हुआ होगा। उन्होंने सतीश कौशिक के साथ प्लॉट शेयर किया था और मिस्टर इंडिया स्टार ने सलमान से वादा किया था कि वह जल्द ही स्क्रिप्ट पर काम करना शुरू कर देंगे। सलमान ने कहा कि वह भविष्य में किसी समय तेरे नाम के सीक्वल की योजना बनाने पर विचार करेंगे।

द ब्रोकन न्यूज 2 में श्रिया पिलगांवकर का किरदार इंसाफ के लिए लड़ता नजर आएगा

अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर ने द ब्रोकन न्यूज के दूसरे सीजन पर काम करना शुरू कर दिया है और शो के सेट से बीटीएस की तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें जयदीप अहलावत और सोनाली बेंद्रे भी हैं। सीरीज में अभिनेत्री एक पत्रकार की भूमिका निभाती हैं। पहले सीजन में पत्रकार के चरित्र पर गलत आरोप लगाया जाता है, लेकिन दूसरे सीजन में वह उस व्यवस्था के खिलाफ अपनी पूरी ताकत से लड़ती हुई दिखाई देगी, जिसने उसे सबकी नजर में नीचे गिरा दिया था। उन्होंने कहा – मेरा किरदार राधा एक धमाके के साथ वापस आ गया है और सिस्टम से लड़ने के लिए एक मिशन पर है, जिसने उस पर गलत आरोप लगाया। वह इस सीजन में बहुत अप्रत्याशित है कि वह आगे क्या करने जा रही है जो मेरे लिए इसे और अधिक दिलचस्प बनाता है। मैं सीजन 2 को लेकर वास्तव में उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, मैं द ब्रोकन न्यूज के सीजन 1 के लिए मिले प्यार से बहुत खुश हूं। इसमें एक स्तरित, मानवीय अन्वेषण है कि विभिन्न समाचार चैनल देश में दैनिक प्रवचन को कैसे कैप्चर करते हैं। सीजन 2 में कहानी और रोमांचक हो जाती है, जिसमें आप बहुत सारे ट्विस्ट की उम्मीद कर सकते हैं। हमारी लेखन टीम ने सीजन 2 में अलग-अलग थीम और कहानियों के साथ एक अविश्वसनीय काम किया है।

धड़क 2 नहीं बना रहे करण जौहर

सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी के धड़क 2 में काम करने की खबर ने सोमवार को सुर्खियां बटोरी थीं। एक दिन बाद फिल्म निर्माता करण जौहर ने इस बात से इनकार किया है कि उनकी प्रोडक्शन कंपनी धर्मा प्रोडक्शन फिल्म बना रही है। मूल में जान्हवी कपूर और ईशान खट्टर थे और यह जान्हवी की पहली फिल्म थी। मंगलवार को करण जौहर ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर धड़क 2 से जुड़े होने से इनकार किया। फिल्म निर्माता का मानना है कि प्यार के लिए सभी बाधाओं के खिलाफ जाने के इस क्षेत्र में फ्रेंचाइजी मूल्य प्राप्त करने की क्षमता है। कई विषयों पर विचार करने के बाद, फिल्म निर्माता ने एक ऐसे विषय को हरी झंडी दी है, जो धड़क का सीक्वल बनने के योग्य है। लेख में यह भी दावा किया गया कि फिल्म का निर्देशन नवोदित निर्देशक शाजिया इकबाल द्वारा किया जाएगा और सिद्धांत और तृप्ति दोनों कच्ची और गहन प्रेम कहानी में शामिल होने के लिए उत्साहित थे। अभी यह साफ नहीं है कि धड़क 2 किसी और प्रोडक्शन हाउस के तहत बन रही है या नहीं बन रही है। करण इन दिनों अपनी निर्देशित फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। इसमें आलिया भट्ट, रणवीर सिंह, जया बच्चन, शबाना आजमी और धर्मेंद्र हैं। फिल्म 2016 की फिल्म ऐ दिल है मुश्किल के बाद उनके निर्देशन में वापसी कर रही है। यह 28 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। एक दिन पहले करण जौहर ने विक्रमादित्य मोटवाने द्वारा निर्देशित वेब शो जुबली की तारीफ की थी। उन्होंने लिखा, आजादी के बाद की शुरुआत और हिंदी सिनेमा की उन्नति के बारे में एक धीमी गति से जलने वाली, डूबने वाली, संदर्भित कहानी। शानदार सेट पीस और प्रदर्शन का यह सेट उत्तम है और समान माप में मुड़ा हुआ है ... ग्रे चरित्र ग्राफ पर राज करता है और व्यक्त संवाद की तुलना में अनकहा बहुत अधिक शक्तिशाली है ... उन्होंने पूरी स्टार कास्ट खासकर सिद्धांत गुप्ता की तारीफ की।

एनटीआर 30 से जुड़े सैफ अली खान

दो सप्ताह पूर्व आरआरआर से उत्तर भारत में लोकप्रिय हुए सितारे जूनियर एनटीआर ने बताया था कि उन्होंने अपनी अगली फिल्म एनटीआर30 की शूटिंग शुरू कर दी है। अब इस फिल्म को लेकर कहा जा रहा है कि इस फिल्म में हिन्दी सिनेमा के ख्यातनाम चौथे खान सैफ अली खान ने भी फिल्म के क्रू को ज्वाइन कर लिया है। इस फिल्म के जरिये बोनी कपूर की बेटी जाह्नवी कपूर भी साउथ फिल्म उद्योग से जुड़ गई हैं। जाह्नवी कपूर इस फिल्म में नायिका के तौर पर दिखाई देंगी। इसके साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है। फिल्म ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने अपने ट्विटर हैंडल पर फिल्म एनटीआर 30 को लेकर अपडेट दिया है। ट्वीट के मुताबिक, जूनियर एनटीआर की फिल्म की कास्ट में सैफ अली खान शामिल हो गए हैं और 18 अप्रैल यानी मंगलवार से फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। तरण आदर्श ने दो तस्वीरें भी शेयर की हैं जिसमें सैफ अली खान के साथ जूनियर एनटीआर और फिल्म डायरेक्टर कोरताला शिवा भी नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही बताया है कि फिल्म फिल्म एनटीआर 30 5 अप्रैल, 2024 को रिलीज होने वाली है। सैफ अली खान पिछली बार फिल्म विक्रम वेधा में नजर आए थे। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखाया है। अब वह जूनियर एनटीआर के साथ फिल्म एनटीआर 30 के अलावा निर्देशक ओम राउत की फिल्म की आदिपुरुष रावण की भूमिका में नजर आएंगे। वैसे इस फिल्म को लेकर काफी हंगामा हो रहा है। यह फिल्म 16 जून, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। वहीं, जूनियर एनटीआर फिल्म एनटीआर 30 के अलावा एनटीआर 31 में नजर आएंगे। फिल्म एनटीआर 31 के साल 2025 में रिलीज होने की चर्चा है। इस फिल्म का निर्देशन प्रशांत नील करने जा रहे हैं, जो इन दिनों प्रभास के साथ सालार को पूरा करने में लगे हुए हैं। कोरताला शिवा के निर्देशन में बनने वाली फिल्म एनटीआर 30 से जाह्नवी कपूर साउथ फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने वाली हैं।

मेरी सबसे पसंदीदा मेरे माता-पिता की लव स्टोरी है

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने बताया कि कैसे उनके माता-पिता ने सभी की मर्जी के खिलाफ शादी की और कहा कि अगर उनका पुनर्जन्म होता है तो वह उन्हें फिर से अपने माता-पिता के रूप में चाहती हैं। माता-पिता की शादी की सालगिरह पर कंगना ने उन्हें विश करने के लिए इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कई थ्रोबैक फोटोज शेयर कीं। कंगना ने अपनी मां आशा और पिता अमरदीप की पुरानी तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, मम्मा के प्यार में पड़ने और इस दिन उससे शादी करने के लिए नानू सहित सभी के खिलाफ जाने के लिए धन्यवाद पापा। आपकी प्रेम कहानी मेरी सबसे पसंदीदा है। एक फोटो शेयर करते हुए कंगना ने लिखा, आप दोनों को शादी की सालगिरह मुबारक हो. जैसे मम्मा कहती हैं अगर मेरे पास सात जन्म हैं, तो मैं हर जन्म में तुम्हारे पापा को अपने पति के रूप में चाहती हूं। उसी तरह, अगर मेरे पास और भी जन्म हैं, तो मैं चाहती हूं कि आप दोनों मेरी मम्मी और पापा बनो। उन्होंने कहा, चाचा जगदीप रनौत और चाची शर्मिला को शादी की सालगिरह मुबारक हो। उन्होंने अरेंज मैरिज की थी, लेकिन बाद में उन्हें पता चला कि उनके पैट्स नेम बबलू और बबली थे। हाहा, शादियां वाकई स्वर्ग में तय होती हैं। कपल की एक और तस्वीर के साथ कंगना ने लिखा, मेरी मां के पास कभी लिपस्टिक तक नहीं थी। एक संयुक्त परिवार में बड़े होने की खुशी यह थी कि एक बच्चे के रूप में, मैंने अपना सारा समय अपनी चाची की ड्रेसर पर बिताया, उनकी आई शैडो, लिपस्टिक और उनके नेल पेंट (बोतल) को तोड़ने में बिताया। वह अब तक की सबसे धैर्यवान, दयालु और सज्जन महिला हैं। लव यू चाची।

सारा अली खान ने खत्म किया मर्डर मुबारक का दिल्ली शेड्यूल

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान ने मर्डर मुबारक का शेड्यूल पूरा कर लिया है। सारा ने इंस्टाग्राम पर दिल्ली में रैप अप की एक झलक साझा की। उसने मर्डर मुबारक लिखे केक की तस्वीर पोस्ट की और कैप्शन दिया- दिल्ली शेड्यूल रैप। उन्होंने होमी और उनकी पत्नी फैशन डिजाइनर अनाइता श्रॉफ का एक वीडियो भी साझा किया। इसके अलावा सारा जरा हटके जरा बच के रोमांटिक ड्रामा फिल्म में विक्की कौशल के साथ नजर आएंगी। वह करण जौहर की अगली फिल्म ऐ वतन मेरे वतन में भी नजर आएंगी, जिसमें वह 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन की पृष्ठभूमि के खिलाफ एक काल्पनिक कहानी में बहादुर स्वतंत्रता सेनानी की भूमिका निभाएंगी।

सलमान खान की तारीफ स्क्रिप्टेड नहीं होती

डांसर-एक्टर राघव जुयाल जल्द ही बड़े पर्दे पर सलमान खान और पूजा हेगड़े के साथ एक्शन फिल्म किसी का भाई किसी की जान में नजर आएंगे। बॉलीवुड सुपरस्टार से तारीफ मिलने पर वह बहुत खुश हैं। हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, सलमान ने बताया कि उन्होंने पहली बार राघव को एक स्टेज शो में देखा था। राघव के परफॉर्मेंस से प्रभावित होकर उन्होंने उनके साथ काम करने का मन मना लिया। राघव के लिए, तारीफ विनम्र और भावनात्मक थी। राघव ने कहा, मुझे पता है कि जब सलमान भाई किसी की तारीफ करते हैं तो यह स्क्रिप्टेड नहीं होता है। यह सीधे उनके दिल से आता है और वह जो कहते हैं वो करते हैं। जब मैं स्टेज पर परफॉर्म करता था, तो मैं कई मशहूर हस्तियों से मिला, जिन्होंने मेरी स्टाइल की तारीफ की, लेकिन भाई उन कुछ लोगों में से एक हैं, जो मुझे याद करते हैं। वह खुले दिल के व्यक्ति हैं और जो लोग उनके साथ काम करते हैं या उनके साथ रहते हैं, वे ये बातें जानते हैं। किसी का भाई किसी की जान 21 अप्रैल को रिलीज होने वाली है। फिल्म में वेंकटेश, जस्सी गिल, सिद्धार्थ निगम, भूमिका चावला जैसे सितारे भी हैं। फिल्म में राघव सलमान के भाई के किरदार में हैं।

काम करने वालों की बढ़ी आबादी अर्थव्यवस्था के लिए अच्छे संकेत, पर चुनौतियां भी लेंगी जन्म

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत विश्व में सर्वाधिक आबादी वाला देश बन गया है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट ने यह दावा किया। बुधवार को संगठन के डैशबोर्ड के अनुसार, भारतीयों की आबादी 142.86 करोड़ और चीन की 142.57 करोड़ है। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका इन दोनों से बहुत पीछे 34 करोड़ के साथ तीसरे नंबर पर है। भारत की आबादी का बड़ा हिस्सा युवाओं का होगा, जो लंबी अवधि में हितकारी माना जा रहा है।

बड़ा युवा वर्ग न केवल कामकाजी वर्ग के रूप में, बल्कि एक बड़े उपभोगकर्ता वर्ग के रूप में भी देखा जा रहा है। एक अनुमान के अनुसार, देश में कामकाजी आबादी 97 करोड़ के करीब है। इसे अच्छा संकेत माना जा रहा है।बड़ी आबादी में समृद्धि बढ़ाने से स्थानीय उपभोग बढ़ेगा, यह अर्थव्यवस्था को बाहरी झटके को सहने की क्षमता देगा। समृद्ध आबादी के ज्यादा उपभोग से नए अवसर भी पैदा होंगे। संयुक्त राष्ट्र के फरवरी 2023 तक के डाटा के आधार पर विभिन्न विशेषज्ञों ने दावा किया था कि अप्रैल 2023 में भारत आबादी में चीन को पीछे छोड़ देगा। हालांकि, इसकी कोई निश्चित तारीख रिपोर्ट में नहीं है। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों का मानना है कि चीन व भारत से मिले डाटा की अनिश्चितता से तारीख बताना संभव नहीं। भारत में 2011 के बाद अगली जनगणना लंबित है।

वर्ष 2050 तक आठ देशों में दुनिया की 50 फीसदी आबादी

रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2050 तक भारत, पाकिस्तान, कांगो, मिस्र, इथोपिया, नाइजीरिया, फिलीपीन व तंजानिया में दुनिया के 50 प्रतिशत नागरिक रह रहे होंगे, रोचक ढंग से चीन इन 8 देशों में नहीं है। अजरबैजान में 100 लड़कियों पर 113 लड़कों और चीन में 112 लड़कों का जन्म यहां की आबादी में बड़े पैमाने पर बढ़ती लैंगिक असमानता बताता है। वैश्विक औसत 100 लड़कियों पर 106 लड़कों का जन्म है। बीते 3 दशकों में जिन 12 देशों में यह अनुपात ज्यादा बिगड़ा उनमें भारत भी शामिल है। भारत की आबादी दोगुनी होने में 75 वर्ष लगे, विश्व को भी 76 वर्ष ही लगे। यानी देश की जनसंख्या वृद्धि दर वैश्विक औसत के करीब रही।

बढ़ती आबादी से चिंतित भारतीय

रिपोर्ट में 1007 भारतीयों सहित करीब 7.8 हजार लोगों पर किए सर्वे के हवाले से कहा गया कि 63 प्रतिशत भारतीयों में बढ़ती जनसंख्या से चिंताएं घर कर चुकी हैं। वे इसकी वजह से कई आर्थिक मसले खड़े होते देख रहे हैं। आर्थिक के साथ-साथ भारतीयों को पर्यावरण, मानवाधिकार, यौन अधिकार व प्रजनन स्वास्थ्य पर भी इसका दुष्प्रभाव नजर आ रहा है। हालांकि, रिपोर्ट में इससे चिंता न करने की बात कही गई है। रिपोर्ट में बताया गया कि 2021 में भारत ने जबरन परिवार नियोजन पर अपना विरोध सामने रखा था। संसद में कहा गया कि सरकार ऐसी नीतियों का समर्थन नहीं करती, क्योंकि इनके नुकसान ही सामने आए हैं।

चीन को यह भी गवारा नहीं : संख्या ही नहीं, गुणवत्ता पर भी निर्भर हैं लाभ

दुनिया की सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश की हैसियत भारत से गंवाने पर चीन ने कहा कि उसके पास अब भी 90 करोड़ के करीब 'क्वालिटी' कामगार हैं, जो उसके विकास को तेजी देते रहेंगे। यूएन रिपोर्ट के बाद प्रतिक्रिया में चीन के विदेश मंत्रालय प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा, जनसंख्या से मिलने वाले फायदे संख्या पर नहीं, गुणवत्ता पर भी निर्भर करते हैं। जैसे आबादी महत्वपूर्ण है, वैसे ही प्रतिभा भी। वेनबिन ने कहा, चीन की आबादी 140 करोड़ के करीब है। इनमें से कामकाजी उम्र के नागरिकों की संख्या 90 करोड़ के आसपास है।

मुश्किलें : बच्चों का जन्म घटा, हर तीसरा नागरिक बुजुर्ग

साल 2022 में चीन की आबादी 8.50 लाख घटी। इस साल 9.56 लाख बच्चे पैदा हुए, जो 2021 के 10.62 लाख से कम हैं। प्रति 1 हजार 6.77 बच्चे पैदा हुए, जबकि 2021 में संख्या 7.52 थी। यह चीन की आबादी के नकारात्मक चरण में पहुंचने का संकेत है। वहीं, चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के अनुसार 2020 के आखिर तक देश में 60 वर्ष से अधिक उम्र के 26.4 करोड़ नागरिक थे। 2035 तक यह संख्या 40 करोड़ पहुंच जाएगी, यह कुल आबादी का 30 प्रतिशत हिस्सा होगी।

रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया की कुल 804.5 करोड़ आबादी में से एक-तिहाई लोग चीन व भारत में रहते हैं। लेकिन अब दोनों ने ही जनसंख्या वृद्धि को धीमा किया है।

चीन में बीते छह दशकों में पहली बार आबादी घटी है। वहीं, भारत में वर्ष 2011 में जनसंख्या की सालाना वृद्धि दर 1.2 प्रतिशत रही। इसमें भी कमी दर्ज की गई। यह आंकड़ा इससे पहले के दशक में 1.7 प्रतिशत था।

एजेंसी की भारत प्रतिनिधि आंद्रिया वोग्नर के अनुसार बड़ी आबादी से डरने की जरूरत नहीं है। नागरिकों को अधिकार मिलते रहें, तो इसे प्रगति और विकास का चिह्न मानना चाहिए।

आंद्रिया के अनुसार, सवाल उठाने के बदले 140 करोड़ लोगों को 140 करोड़ अवसरों की तरह देखना चाहिए। इनमें से करीब 25.4 करोड़ लोग 15 से 24 वर्ष आयु वर्ग में आते हैं। वे इनोवेशन, नई सोच और लंबे समय काम आने वाले समाधान का स्रोत बन सकते हैं।

आंद्रिया बताती हैं कि महिलाओं व लड़कियों को समान शिक्षा व कौशल विकास के अवसर और तकनीक व डिजिटल इनोवेशन तक पहुंच देकर ज्यादा तेजी से आगे बढ़ा जा सकता है। भारतीय संगठन पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया की अधिकारी पूनम मुतरेजा के अनुसार भारत ने अपनी आबादी को नियंत्रित रखने में कई सही कदम उठाए हैं। यूक्रेन व नाइजर को महज 19, कांगो व अंगोला को 23, सोमालिया व जांबिया को 25, नाइजीरिया को 29 और पाकिस्तान को महज 35 वर्ष आबादी दोगुना करने में लगे। चीन का आंकड़ा रिपोर्ट में नहीं।

हुरुन ग्लोबल इंडेक्स-2023 : यूनिकॉर्न एवं गजेल की संख्या के लिहाज से भारत तीसरा बड़ा देश

नयी दिल्ली, एजेंसी। दुनिया में यूनिकॉर्न एवं गजेल की संख्या के लिहाज से अमेरिका व चीन के बाद भारत तीसरा सबसे बड़ा देश है। हुरुन ग्लोबल-500 कंपनियों की संख्या के मामले में यह पांचवें स्थान पर काबिज है। वहीं, रूस और सऊदी अरब जैसे 9 देशों में एक भी यूनिकॉर्न नहीं हैं। वहीं भारत में कुल 138 यूनिकॉर्न हैं और रूस व सऊदी अरब जैसे देशों में एक भी नहीं है। हुरुन ग्लोबल यूनिकॉर्न इंडेक्स-2023 के मुताबिक, भारत में 138 यूनिकॉर्न हैं। इनमें 70 की शुरुआत भारतीय सह-संस्थापकों ने किए हैं, लेकिन इनके मुख्यालय भारत के बाहर हैं। वहीं, कुल भारतीय स्टार्टअप में 68 यूनिकॉर्न का मुख्यालय देश में ही है। रूस व सऊदी अरब के अलावा जहां एक भी यूनिकॉर्न नहीं हैं, उनमें पोलैंड, इरान, वेनेजुएला, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश, पाकिस्तान व रोमानिया हैं। यूनिकॉर्न का मूल्यांकन एक अरब डॉलर या अधिक होता है। गजेल का मूल्यांकन 50 करोड़ डॉलर से एक अरब डॉलर के बीच होता है।

सबसे बड़े निवेशक

सिकोइया कैपिटल, टाइगर ग्लोबल मैनेजमेंट व सॉफ्टबैंक सबसे बड़े निवेशक हैं। इन्होंने क्रमश-238, 179 और 168 यूनिकॉर्न में निवेश किया है।

भारत के आगे बढ़ने की संभावना : भारत व चीन के अगले पांच वर्षों में हुरुन ग्लोबल-500 की रैंकिंग में आगे बढ़ने की संभावना बन रही है। फ्रांस, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया अपना स्थान खो सकते हैं क्योंकि यहां स्टार्टअप बनने की रफ्तार घट रही है।

आर्थिक सुस्ती के बावजूद शानदार प्रदर्शन : हुरुन रिपोर्ट के चेयरमैन एवं मुख्य शोधकर्ता रुपर्ट हूगवेर्फ ने कहा, कोविड-19 शुरू होने के बाद तीन साल का इतिहास यूनिकॉर्न के प्रदर्शन के लिहाज से शानदार रहा है। इस दौरान प्रतिदिन एक यूनिकॉर्न बने। आर्थिक सुस्ती के बावजूद एक साल में दुनिया में 500 से ज्यादा नए यूनिकॉर्न सामने आए।

प्रधानमंत्री मोदी से मिले एप्पल के सीईओ, निवेश की प्रतिबद्धता जताई

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी एप्पल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी टिम कुक ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और देश में अपने विस्तार एवं निवेश की प्रतिबद्धता जताई। सात साल बाद भारत दौरे पर आए कुक ने एक ट्वीट में प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात की तस्वीर पोस्ट करते हुए कहा कि एप्पल भारत के भविष्य पर प्रौद्योगिकी के सकारात्मक प्रभाव डालने की उनकी सोच से सहमत है।

कुक ने अपने ट्वीट में कहा, गर्मजोशी से भरे स्वागत के लिए प्रधानमंत्री का आभार।... हम देश भर में वृद्धि और निवेश के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भी कुक के साथ मुलाकात को खुशनुमा बताते हुए एक ट्वीट में कहा, विभिन्न मुद्दों पर आपके साथ विचारों का आदान-प्रदान कर खुशी हुई। भारत में प्रौद्योगिकी के दम पर हो रहे व्यापक बदलावों पर भी चर्चा हुई।

एप्पल के सीईओ के तौर पर कुक की मोदी से यह दूसरी मुलाकात थी। इसके पहले वह वर्ष 2016 में भी अपने भारत दौरे पर प्रधानमंत्री से मिले थे। अपनी दिल्ली यात्रा के दौरान कुक ने सूचना प्रौद्योगिकी एवं दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर से भी मुलाकात की। दोनों मंत्रियों ने भारत में एप्पल की गतिविधियों को बढ़ाने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होने की जानकारी अपने ट्वीट में दी। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, कुक ने भारत में एप्पल का कलपुर्जा आपूर्ति आधार बढ़ाने में सरकार से समर्थन मांगा है। इस क्रम में एप्पल भारत में अनुबंधित इकाइयों के जरिये उपलब्ध रोजगार की संख्या को दोगुना कर दो लाख करना चाहती है। कुक की भारत यात्रा को इस लिहाज से अहम माना जा रहा है कि एप्पल अब भारत में अपनी मौजूदगी बढ़ाने की कोशिश में है। दुनिया के दूसरे बड़े स्मार्टफोन बाजार के तौर पर भारत एप्पल के लिए कुछ वही भूमिका निभा सकता है जैसी चीन ने पिछले 15 साल में निभाई है। एप्पल अपनी आपूर्ति गतिविधियों को चीन से बाहर ले जाने की कोशिश में है और भारत की इसमें अहम भूमिका हो सकती है। कुक राष्ट्रीय राजधानी में एप्पल के पहले स्टोर का उद्घाटन करने के लिए दिल्ली आए हुए हैं।

ट्विटर के देसी विकल्प कू में भी छंटनी, कंपनी ने 30 फीसदी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अधिकारियों के साथ ट्विटर के विवाद के बीच कई सरकारी अधिकारियों, क्रिकेट सितारों, मशहूर हस्तियों और आम लोगों ने स्थानीय विकल्प के रूप में कू का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया था।भारत में ट्विटर इंक की प्रतिद्वंद्वी कू ने हाल के महीनों में अपने लगभग एक तिहाई कर्मचारियों को बाहर कर दिया है माना जा रहा है कि फर्म ने घाटे और धन जुटाने में असमर्थता के कारण यह फैसला लिया है। टाइगर ग्लोबल की ओर से समर्थित कंपनी के एक प्रवक्ता ने मीडिया को बताया कि तीन साल पुराने माइक्रोब्लॉगिंग ऐप ने अपने लगभग 260 श्रमिकों में से 30त्न की छंटनी कर दी है। कंपनी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि फिलहाल पूरी दुनिया में विकास से अधिक दक्षता पर फोकस किया जा रहा है। कंपनियों को अपनी वित्तीय स्थिति को ठीक करने की ज्यादा जरूरत है।

शुरुआत में ट्विटर और सरकार के साथ विवाद के कारण बेंगलुरु स्थित माइक्रोब्लॉगिंग कंपनी को फायदा हुआ पर जैसे-जैसे लोग फिर ट्विटर की ओर लौटने लगे कंपनी की समस्याएं बढ़ने लगी। हालांकि, नकदी के मामले में कंपनी के सामने मौजूदा संकट वैश्विक बाजार में आईटी कंपनियों के प्रति मंदी का रुख बढ़ने के कारण पैदा हुआ है। एक लंबी उड़ान भरने वाले स्टार्टअप के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले कू के मुल्यांकन में इस दौरान बड़ी गिरावट दर्ज की गई है।

कंपनी के सह-संस्थापक मयंक बिदावतका ने एक साक्षात्कार में कहा कि छह करोड़ से अधिक डाउनलोड के साथ कू के पास अच्छी पूंजी है और यह मुद्रीकरण प्रयोगों के साथ लाभप्रदाता कंपनी बनने की कोशिशों में जुटी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में अन्य सोशल मीडिया कंपनियों की तुलना में राजस्व भी सबसे अधिक है। रिसर्च फर्म ट्रैक्सन के मुताबिक, कू जो अपने निवेशकों में एक्सेल और कलारी कैपिटल को भी गिनती है, ने पिछले साल 273 मिलियन डॉलर के मूल्यांकन पर धन जुटाया था। प्रवक्ता ने कहा कि स्टार्टअप ने निकाले गए कर्मचारियों को मुआवजा पैकेज, विस्तारित स्वास्थ्य लाभ और नई नौकरियां खोजने में सहायता जैसी सुविधाएं मुहैया करायी है।

सिम्फनी लिमिटेड ने बीएलडीसी टेक्नोलॉजी द्वारा संचालित दुनिया की सबसे पहली एयर कूलर रेंज लॉन्च की

अहमदाबाद , एजेंसी। एवोपरेटिव एयर कूलरों में वैश्विक अग्रणी कंपनी सिम्फनी लिमिटेड ने बीएलडीसी टेक्नोलॉजी द्वारा संचालित दुनिया की सबसे पहली एयर कूलर रेंज लॉन्च की। अत्यधिक ऊर्जा कुशल ऐसी बीएलडीसी एयर कूलर रेंज, अन्य कूलरों की तुलना में 60 प्रतिशत तक कम बिजली की खपत करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप प्रति वर्ष रु. 2,000 तक की ऊर्जा की बचत होती है। कंपनी ने बीएलडीसी रेंज में 80 लीटर, 55 लीटर और 30 लीटर क्षमता के 3 मॉडल लॉन्च किए हैं। अत्यधिक ऊर्जा कुशल होने के अलावा, इसमें अतिरिक्त सुविधाओं जैसे 7-गति विकल्प, 8 घंटे तक की नाइट स्लीप मोड, टचस्क्रीन कंट्रोल पैनल आदि भी हैं।

मरेंगो सिम्स अस्पताल ने किडनी की बीमारी के रोगियों के लिए एक एडवान्स्ड हेमोडायलिसिस युनिट की शुरुआत की

अहमदाबाद एजेंसी। मरेंगो सिम्स अस्पताल ने किडनी की बीमारी के रोगियों में नई आशा जगाने के लिए एक एडवान्स्ड हेमोडायलिसिस युनिट की शुरुआत की है। एडवान्स्ड हेमोडायलिसिस युनिट डॉ. सिद्धार्थ मावाणी, डिरेक्टर, नेफ्रोलॉजी और किडनी प्रत्यारोपण, मरेंगो सिम्स अस्पताल, डॉ. मयूर पाटिल, कन्सल्टन्ट नेफ्रोलॉजिस्ट, मरेंगो सिम्स अस्पताल, नेफ्रोलॉजिस्ट और प्रत्यारोपण चिकित्सक डॉ. पंकज शाह और डॉ. रेचल शाह के विशेषज्ञ मार्गदर्शन में काम करेगी। किडनी की विफलता के रोगियों की देखभाल के लिए मौजूदा सुविधा को मजबूत करने के लिए, अस्पताल स्वास्थ्य सुविधा के परिसर में एक नए, बड़े और बेहतर हेमोडायलिसिस युनिट के साथ आया है। अस्पताल ने अस्पताल में 45000 से अधिक डायलिसिस देखे हैं और अब तक 54 किडनी प्रत्यारोपण किए हैं। नया सेन्टर 12 डायलिसिस स्टेशनों के साथ एक अस्पताल-आधारित युनिट है और नवीनतम डायलिसिस मशीनों और आरओ प्लांट से सुसज्ज है। अस्पताल यूनिट के निर्बाध कामकाज के लिए नेफ्रोलॉजिस्ट, डायलिसिस तकनीशियन, डायलिसिस नर्स, रीनल डायटीशियन और सामाजिक कार्यकर्ताओं की एक समर्पित और कुशल टीम की चौबीसों घंटे उपलब्धता प्रदान करता है। मरेंगो सिम्स अस्पताल के नेफ्रोलॉजी और किडनी प्रत्यारोपण के निदेशक डॉ सिद्धार्थ मवानी कहते हैं, इस एडवान्स्ड डायलिसिस युनिट के साथ हम किडनी की देखभाल में सेवाओं के दायरे का विस्तार करने के लिए सुसज्जित हैं।

ऋण बाजार के विकास को उपभोग-आधारित ऋण ने दी सबसे ज्यादा मजबूती

मुंबई, एजेंसी। 'ट्रांसयूनियन सिबिल क्रेडिट मार्केट इंडिकेटर (सीएमआई)' रिपोर्ट के नए संस्करण का कहना है कि उपभोग-आधारित ऋण के समर्थन से भारत के क्रेडिट मार्केट में विकास की गति तेज बनी हुई है। रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि दिसंबर 2022 को समाप्त होने वाली चौथी तिमाही में वर्ल्ड मैक्रोइकॉनॉमिक कारकों को चुनौती देने के बावजूद कर्ज की मांग मजबूत रही। सीएमआई रिपोर्ट का कहना है कि 18-30 आयु वर्ग के ऐसे उपभोक्ताओं में निरंतर तेजी आई है जो कर्ज लेने के लिए नए हैं और कर्ज को लेकर पूछताछ करने में सबसे आगे हैं। वहीं, जहां तक कर्ज की मांग में हिस्सेदारी की बात है, ग्रामीण क्षेत्रों से भी मामूली वृद्धि हुई है। भारत के कर्ज उद्योग को रिटेल क्रेडिट हेल्थ का एक विश्वसनीय और समकालीन बेंचमार्क देने वाली सीएमआई रिपोर्ट के अनुसार दिसंबर 2022 में सीएमआई बेंचमार्क 100 के स्तर पर पहुंच गया, जो 2021 में इसी अवधि में 93 से अधिक था। सीएमआई रिपोर्ट के नए संस्करण के निष्कर्षों पर बोलते हुए ट्रांसयूनियन सिबिल के एमडी और सीईओ श्री राजेश कुमार ने कहा, 'भारत का क्रेडिट बाजार निरंतर विकास पथ पर है और क्रेडिट प्रदर्शन लगातार मजबूत बना हुआ है। हालांकि, वैश्विक प्रतिकूलताओं के प्रभाव के कारण, कर्ज देने मेमें जोखिम, विशेष रूप से शुरुआती विलंब और उतार-चढ़ाव की सावधानीपूर्वक निगरानी करना जारी रखना महत्वपूर्ण है।

अक्षय तृतीया के मौके पर फोनपे पर सोना खरीदने पर पाएं निश्चित कैशबैक

मुंबई, एजेंसी। भारत के प्रमुख डिजिटल पेमेंट प्लैटफ़ॉर्म डीटी ने अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर आज एक रोमांचक ऑफ़र की घोषणा की। फोनपे 22 अप्रैल, 2023 को उसके ऐप के ज़रिए डिजिटल गोल्ड खरीदने पर निश्चित कैशबैक ऑफ़र करेगा। ऐप पर ग्राहक, बिना किसी मेकिंग चार्ज के सबसे ज़्यादा शुद्धता वालाट्ट 24 कैरेट सोना मुफ़्त स्टोरेज के साथ खरीद सकते हैं। खरीदा गया सोना, ग्राहक की तरफ़ से पार्टनर, बीमा किए गए बैंक स्तर के लॉकर में सुरक्षित रखते हैं। फोनपे 22 अप्रैल को 1 ग्राम या उससे ज़्यादा की सोने की खरीदारी पर 50 रुपये से लेकर 500 रुपये तक निश्चित कैशबैक मिलेगा। सिर्फ़ फोनपे ही ऐसा डिजिटल पेमेंट ऐप है जो डिजिटल गोल्ड के क्षेत्र की प्रमुख और भरोसेमंद कंपनियों एमएमटीसी पंप और सेफ गोल्ड दोनों से, आपको ज़्यादा शुद्धता वाला सोना उपलब्ध कराता है।

फोनपे ऐप पर सोना खरीदने के ये फ़ायदे हैं-

1. निश्चित तौर पर ज़्यादा शुद्धता- ग्राहक फोनपे पर, पार्टनर की तरफ़ से ऑफर किया जाने वाला 99.99 प्रतिशत प्रमाणित शुद्धता का 24 कैरेट सोना खरीद सकते हैं।

2.सुविधा-ग्राहक अपने घर में बैठे-बैठे किसी भी समय डिजिटल गोल्ड खरीद सकते हैं। स्टोर करके रखा गया सोना किसी भी समय बेचने पर मिलने वाला पैसा, 48 घंटों के अंदर उनके बैंक अकाउंट में जमा कर दिया जाता है।

3.बीमा से सुरक्षित बैंक ग्रेड के लॉकर में स्टोरेज- डिजिटल तरीके से खरीदे गए, प्रमाणित 24 कैरेट के सोने पर कोई मेकिंग चार्ज नहीं और इसे बैंक ग्रेड के गोल्ड लॉकर में बिना किसी शुल्क के सुरक्षित रखा जाता है।

अमेजन किंडल डायरेक्ट पब्लिशिंग ने की पेन टू पब्लिश कॉन्टेस्ट के पांचवें एडिशन के विजेताओं की घोषणा

मुंबई, एजेंसी। अमेजन की सेल्फ-पब्लिशिंग सर्विस किंडल डायरेक्ट पब्लिशिंग (केडीपी) ने अपने प्रमुख कॉन्टेस्ट पेन टू पब्लिश के पांचवें वर्ष के परिणामों की घोषणा की है। इस कॉन्टेस्ट को महत्वाकांक्षी लेखकों से शानदार प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है, जिन्होंने जूरी सदस्यों के एक सम्मानित पैनल के सामने अपनी ई-बुक्स को प्रस्तुत किया। केडीपी पेन टू पब्लिश कॉन्टेस्ट विभिन्न शैलियों में सेल्फ-पब्लिश्ड लेखकों को साहित्यिक रूप से पहचान दिलाती है। इस कॉन्टेस्ट के जरिय, केडीपी ने अंग्रेजी, हिन्दी और तमिल तीनों प्रतिभागी भाषाओं में से प्रत्येक में 11-11 सेल्फ-पब्लिश्ड ई-बुक्स का चयन किया। शीर्ष 3 विजेताओं में से प्रत्येक को एक लाख रुपए का नकद पुरस्कार दिया गया, और तीनों भाषाओं में प्रत्येक प्रथम उपविजेता को 50,000 रुपए का पुरस्कार दिया गया। दूसरे नंबर के सभी उपविजेताओं को 30,000 रुपए का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया, जबकि शीर्ष 11 में से शेष 8 प्रतिभागियों को 10,000 रुपए की राशि प्रदान की गई। जूरी पैनल में अंग्रेजी के लिए बेस्ट-सेलिंग लेखक सुदीप नागरकर और सुधा नायर, हिन्दी के लिए सत्या व्यास और विजय काकवानी, और तमिल के लिए नागा चोक्कन और केबल संकर शामिल थे। इस साल,

कॉन्टेस्ट में लिट्रेचर एंड फिक्शन, रोमांस, साइंस फिक्शन एंड फैंटेसी, और मिस्ट्री एंड थ्रिलर्स जैसी शैलियों में आवेदन प्राप्त हुए। इन सभी आवेदनों को जूरी पैनल द्वारा वास्तविकता, रचनात्मकता और लेखन की गुणवत्ता सहित कई मानदंडों के आधार पर परखा गया था। वैशाली अग्रवाल, कैटेगरी लीडर, किंडल कंटेंट इंडिया, अमेजन ने कहा, पिछले 10 वर्षों से, अमेजन केडीपी निरंतर लेखकों को प्रोत्साहित करने और उन्हें एक ऐसी सेवा प्रदान करने की दिशा में काम कर रहा है, जो उन्हें अपनी ई-बुक्स को स्वयं प्रकाशित करने और मान्यता प्राप्त लेखक बनने में सक्षम बनाता है। केडीपी पेन टू पब्लिश कॉन्टेस्ट के पांचवें वर्ष में डॉक्टर्स, वकील, इंजीनियर और गृहिणियों जैसे विभिन्न क्षेत्रों के नवोदित और स्थापित लेखकों ने भागीदारी की है।

भारत फाइनेंशियल इन्क्लूजन लिमिटेड को ग्रेट प्लेस टू वर्क ने बीएफएसआई सेक्टर में भारत के 25 सर्वश्रेष्ठ कार्यस्थलों में दी मान्यता

मुंबई , एजेंसी। इंडसइंड बैंक की 100 फीसदी सहायक कंपनी भारत फाइनेंशियल इंक्लूजन लिमिटेड (बीएफआईएल) को ग्रेट प्लेस टू वर्क0 द्वारा मान्यता दी गई है। इस तरह बीएफआईएल देश में बीएफएसआई (बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा) सेक्टर में टॉप 25 सर्वश्रेष्ठ कार्यस्थलों में शामिल हो गया है। बीएफआईएल ने लगातार छठे वर्ष यह मान्यता हासिल की है और इस तरह यह कंपनी की उस प्रतिबद्धता को प्रमाणित करता है, जिसके तहत बीएफआईएल अपने कार्यस्थल को बेहतर और मौलिकता की संस्कृति के अनुरूप बनाना चाहता है। बीएफआईएल की यह उपलब्धि एक ऐसे कार्य वातावरण के निर्माण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को भी साबित करती है।

ब्रेट ली ने की अर्जुन तेंदुलकर की तारीफ, कहा-

उनसे अंतिम ओवर के दबाव को खूबसूरती से संभाला

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने अंतिम ओवर के दबाव को खूबसूरती से संभालने के लिए मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज अर्जुन तेंदुलकर की प्रशंसा की है। सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मुंबई इंडियंस के मैच में अपना आईपीएल डेब्यू किया। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अंतिम ओवर में अपना पहला विकेट हासिल किया और भुवनेश्वर कुमार के रूप में पहला आईपीएल विकेट लिया।

ब्रेट ली ने कहा कि अर्जुन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खुद को पूरी तरह से तराशा। उन्होंने कहा, उन्होंने (अर्जुन) दबाव को खूबसूरती से संभाला। उस आखिरी ओवर में सिर्फ 4-5 रन देकर आईपीएल में अपना पहला विकेट हासिल किया। उन्हें बधाई लेकिन मैंने ऐसा होने से पहले कहा था, चाहे अंत में कुछ भी हो, डेथ ओवर में गेंदबाजी

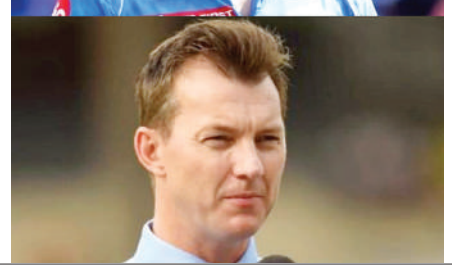

करने का उनका अनुभव - मुझे उम्मीद है कि यह एक सकारात्मक है, बस उनके खेल को ताकत से ताकत तक ले जाएगा।

ली ने कहा, उसने उस वाइड-लाइन यॉर्कर को मारने की कोशिश की और उसने इसे बहुत अच्छी तरह से किया। यह मुश्किल है, केवल अपना दूसरा मैच खेल रहा है, वह दबाव में था कि पूरी टीम उस पर भरोसा कर रही थी ... उसने खुद को बेदाग बनाया, उसने अच्छी तरह से बात की और उसके खेल में सुधार होने वाला है।

जहां कई पूर्व क्रिकेटरों ने अर्जुन के प्रदर्शन की प्रशंसा की, वहीं पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर राशिद लतीफ ने कहा कि तेज गेंदबाज को अपने गेंदबाजी एक्शन में बदलाव करने की आवश्यकता हो सकती है क्योंकि उनका संरेखण अच्छा नहीं है। लतीफ ने कहा, वह (अर्जुन) अपने प्रारंभिक चरण में है। उसे बहुत मेहनत करनी है। उसका संरेखण अच्छा नहीं है, वह गति उत्पन्न करने में सक्षम नहीं होगा।

राशिद लतीफ ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि अगर वह एक अच्छा खिलाड़ी बनना चाहता है तो उसका आधार मजबूत होना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर कोई अच्छा बायोमैकेनिकल कंसल्टेंट उनका मार्गदर्शन करता है तो शायद वह अपनी गेंदबाजी में कुछ तेजी ला सकते हैं। यह काफी मार्मिक विषय है, कोचिंग करना और खिलाड़ी को बदलना। सचिन खुद ऐसा कर सकते थे लेकिन उन्होंने इसके लिए घरेलू क्रिकेट पर भरोसा किया। उन्होंने कहा, आपका आधार मजबूत होना चाहिए। जब वह उतरता है, तो वह अंदर आने के बजाय बाहर जाता है। उसका संतुलन अच्छा नहीं है, और यह उसकी गति को प्रभावित कर रहा है। लेकिन फिर से यह अभी भी शुरुआती चरण में है। वह 135 किमी प्रति घंटे तक जा सकता है, वह है एक अच्छा बल्लेबाज है। वह 2-3 साल में एक अच्छा खिलाड़ी बन सकता है।

कूल्हे की चोट के कारण मैड्रिड ओपन में नहीं खेलेंगे राफेल नडाल

मैड्रिड (एजेंसी)। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल अभी कूल्हे की चोट से पूरी तरह नहीं उबर पाए हैं और इस कारण वह अगले सप्ताह मैड्रिड ओपन में भाग नहीं ले पाएंगे। बाईस बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नडाल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दौरान चोटिल हो गए थे और उन्होंने जनवरी के बाद कोई टूर्नामेंट नहीं खेला है। चोट के कारण वह इंडियन वेल्स, मियामी, मोंटे कार्लो और बार्सिलोना टूर्नामेंट में नहीं खेल पाए थे। मैड्रिड ओपन सोमवार से शुरू होगा जिसमें नडाल पांच बार के चैंपियन हैं। नडाल ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर स्पेनिश में लिखा, 'इसके (चोट) कारण मुझे छह से आठ सप्ताह तक बाहर रहना था लेकिन मैं पिछले 14 हफ्ते से बाहर हूं। उन्होंने कहा, 'हमने चिकित्सकों की राय पर अमल किया लेकिन उन्होंने जैसे कहा था उस तरह से मैं चोट से नहीं उबर पाया और अब हम स्वयं को मुश्किल परिस्थितियों में पा रहे हैं। छत्तीस वर्षीय नडाल ने इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी कि वह 28 मई से होने वाले फ्रेंच ओपन में खेल पाएंगे या नहीं।

इवांस चेबेट ने फिर जीती बोस्टन मैराथन, कीनिया का रहा दबदबा

बोस्टन (एजेंसी)। मौजूदा चैम्पियन इवांस चेबेट ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार को यहां लगातार दूसरी बार बोस्टन मैराथन में जीत हासिल की जबकि विश्व रिकार्ड धारक इलियुड किपचोगे छठे स्थान पर रहे। कीनिया के चेबेट ने 2 घंटे, 5 मिनट और 12 सेकंड का समय लेकर दौड़ जीती। 2 बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता किपचोगे को यहां खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा था लेकिन वह पहले तीन में भी जगह नहीं बना पाए।तंजानिया के गेब्रियल गेय विजेता से 10 सेकंड पीछे दूसरे स्थान पर रहे। कीनिया के बेंसन किपरुटो ने तीसरा स्थान हासिल किया। कीनिया की हेलेन ओबिरी ने दो घंटे 21 मिनट और 38 सेकंड का समय लेकर महिला वर्ग में पहला स्थान हासिल किया। इथियोपिया की अमाने बेरिसो उनसे 12 सेकंड पीछे दूसरे जबकि इजराइल की लोना सालपीटर तीसरे स्थान पर रही।

आईपीएल के बीच बड़ी खबर, इस क्रिकेटर ने सभी प्रारूपों से लिया संन्यास

नईदिल्ली (एजेंसी)। एक तरफ जहां आईपीएल 2023 में बल्लेबाजों द्वारा खूब रन निकलते हुए देखने को मिल रहे हैं तो दूसरी ओर इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज गैरी बैलेंस ने क्रिकेट के सभी रूपों से संन्यास का ऐलान कर दिया है। 33 वर्षीय गैरी अपनी जन्मभूमि जिम्बाब्वे में लौट आए थे और यॉर्कशायर द्वारा रिलीज किए जाने के बाद दो साल का करार किया था। उन्होंने जिम्बाब्वे के लिए एक टेस्ट, एक टी20आई और पांच वनडे मैच खेले, जबकि इंग्लैंड के लिए उन्होंने 16 वनडे और 23 टेस्ट मैच खेले। गैरी बैलेंस के करियर की बात करें तो उन्होंने 5 टेस्ट शतक लगाए। उनका हालिया शतक अपने देश जिम्बाब्वे के लिए तब आया जब वह देश के एकमात्र पहला और आखिरी मैच खेले थे। उन्होंने नाबाद 137 रनों की पारी खेली थी।

प्रोफेशनल क्रिकेटर्स एसोसिएशन की ओर से जारी बयान में बैलेंस ने कहा, काफी सोच-विचार के बाद मैंने तत्काल प्रभाव से पेशेवर क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने का फैसला किया है। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने जिम्बाब्वे को उच्चतम स्तर पर खेलना जारी रखने का मौका देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद थी कि जिम्बाब्वे जाने से मुझे खेल के लिए एक नई खुशी मिलेगी और मैं हमेशा जिम्बाब्वे क्रिकेट का शुक्रगुजार रहूंगा कि उसने मुझे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी का मौका दिया और अपनी टीम में मेरा स्वागत किया।

उन्होंने आगे कहा, हालांकि, मैं उस चरण में पहुंच गया हूं जहां मुझे अब पेशेवर खेल की कठोरता के लिए खुद को समर्पित करने की इच्छा नहीं है और यह जिम्बाब्वे क्रिकेट और खेल को ही नुकसान पहुंचाएगा, अगर मुझे आगे बढ़ना चाहिए। मैं उन्हें आगे बढ़ने की हर सफलता की कामना करता हूं।

बैलेंस ने 2014 में अपनी शुरुआत करने के बाद इंग्लैंड के लिए 23 टेस्ट खेले और उनके लिए 1498 रन बनाए, जिसमें चार शतक और सात अर्धशतक शामिल थे। उन्होंने 2014 और 2015 सीज़न में यॉर्कशायर के साथ काउंटी चैंपियनशिप भी जीती थी। पिछले दिसंबर में, यॉर्कशायर ने घोषणा की कि बैलेंस ने विवाद के बीच में आने के बाद रिलीज होने का अनुरोध किया था, जहां उन्होंने क्लब टीम के साथी अजीम रफीक के खिलाफ नस्लवादी भाषा का इस्तेमाल करना स्वीकार किया था।

कमेंटेटर आलोचना करते हैं तो उसे उसके लिए पैसे मिलते हैं, बटलर ने दिया बड़ा बयान

मुंबई (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स और इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर का कहना है कि अगर कोई कमेंटेटर किसी खिलाड़ी की आलोचना करता है तो वह केवल अपना काम कर रहा है और इसे स्वीकार करना किसी भी क्रिकेटर के करियर का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। बटलर ने 'ह्यूमंस ऑफ बॉम्बे' को दिए साक्षात्कार में कहा, ''स्वीकृति आपके काम का एक बड़ा हिस्सा है। इस बात को स्वीकार करना कि प्रसारणकर्ता किसी को अपनी राय देने के लिए भुगतान करता है, वे सिर्फ अपना काम कर रहे हैं। जब वे मेरी आलोचना करते हैं तो यह मुझ पर व्यक्तिगत हमला नहीं होता है।

उन्होंने कहा, ''और मैं अन्य खेल देखता हूं। मैं फुटबॉल देखता हूं और कहा जाता है 'ओह वह कैसे चूक गया? यह इतना आसान था। ठीक यही लोग करते हैं जब मैं कैच छोड़ता हूं या कम स्कोर पर आउट हो जाता हूं। जब मैं दूसरे खेल देखता हूं तो मैं भी ऐसा ही करता हूं। इसे बस स्वीकार करना होगा। इंग्लैंड के सीमित ओवरों के कप्तान का कहना है कि वह हमेशा सभी प्रारूप में खेलने वाला क्रिकेटर बनना चाहते थे और टेस्ट क्रिकेट में प्रदर्शन नहीं कर पाना एक ऐसी चीज है जो अभी भी उन्हें परेशान करती है। बटलर ने कहा, ''मेरी ताकत हमेशा बेहतर एकदिवसीय और टी20 खिलाड़ी होना रही है। मैं सभी प्रारूप का खिलाड़ी और एक बहुत ही सफल टेस्ट क्रिकेटर बनने के लिए बेताब था। मैंने काफी टेस्ट क्रिकेट खेला लेकिन कभी भी इस स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया जिससे मुझे लगता कि मैंने वह हासिल कर लिया है जो करना चाहता था और यह हताशा हमेशा रहेगी। मैं हमेशा दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक बनना चाहता हूं। बटलर ने कहा कि भारतीय क्रिकेटरों को विदेशों में श्रृंखला खेलते हुए भी जो समर्थन मिल रहा है, वह आंखें खोलने वाला है।

उन्होंने कहा, ''जिस तरह से भारतीय खिलाड़ियों को प्यार और समर्थन दिया जाता है, उनकी प्रसिद्धि का स्तर अविश्वसनीय है। केवल एक चीज जिसे (मैं) इंग्लैंड के फुटबॉल से जोड़ सकता हूं। यह देखना आकर्षक है कि वे इससे कैसे निपटते हैं, मीडिया का सामना करना। आईपीएल से सीखा है कि कैसे अफरातफरी के बीच सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी अच्छे तरीके से इससे निपटते हैं। बटलर ने कहा, ''उस रात (आईपीएल 2023 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ) बस देखा जब (महेंद्र सिंह) धोनी बल्लेबाजी करने उतरे। दर्शकों की इतनी अधिक उम्मीदें थी। वह जिस तरह स्थिति और बाहरी दबाव के बीच व्यवहार करता है वह काफी अविश्वसनीय है।

उन्होंने कहा, ''भारतीय टीम जहां भी खेलने जाती है उसे काफी समर्थन मिलता है... क्रेग कीस्वेटर कार में मुझे मैनचेस्टर ग्राउंड (पदार्पण मैच के लिए) लेकर गए और मैंने टीम बस के आने का इंतजार कर रहे भारतीय प्रशंसकों की भीड़ को देखा। यह आंख खोलने वाला अनुभव था। बटलर ने कहा कि भारत में होने वाले आगामी 50 ओवरों के विश्व कप पर अधिक ध्यान आईपीएल के बाद ही दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ''भारत क्रिकेट खेलने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है। तो यह बहुत बड़ा होने वाला है। एक बार जब आईपीएल खत्म हो जाएगा तो ध्यान उस ओर लगना शुरू हो जाएगा। इंग्लैंड के पास मजबूत खिलाड़ियों का समूह है। 2015 के बाद से हमारा क्रिकेट और मजबूत होता चला गया है। हमारी टीम अच्छी है, संतुलित है।

टॉम मूडी ने पृथ्वी शॉ को हटाने का सुझाव दिया, कहा- वॉर्नर के साथ यह बल्लेबाज करे ओपनिंग

नईदिल्ली (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज टॉम मूडी ने दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को रिप्लेस करने की बात कही है। मूडी ने कहा कि 20 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ दिल्ली को शॉ के बजाय कप्तान डेविड वार्नर के साथ मिचेल मार्श पर उतारना चाहिए। मूडी का मानना है कि आईपीएल 2023 शॉ का साल नहीं होगा क्योंकि उन्होंने अभी तक प्रभाव नहीं छोड़ा है। उन्होंने कहा, आपको कुछ खिलाड़ियों पर कड़ा फैसला लेना होगा जो कोई रोशनी नहीं दिखा रहे हैं। पृथ्वी शॉ के साथ अब तक हमने जो देखा है उसके सबूत पर यह अच्छी तरह से हो सकता है कि आईपीएल 2023 उनका साल ऐसा न हो जिसकी हम सभी को उम्मीद थी। उन्होंने कहा, यह बस हो सकता है, ओह, हम उसे कुछ और खेल देंगे और देखें कि क्या होता है। वे कुछ खेल चलते हैं, एक फ्रेंचाइजी के रूप में आपके मौके खत्म हो गए हैं।यह संकट का समय है। मूडी के अनुसार नम्बर तीन पर बल्लेबाजी करने वाले मार्श को शीर्ष पर आना चाहिए। उन्होंने कहा,उसने (मार्श) हाल ही में ऐसा किया है और उसने इसे सफलतापूर्वक किया है। वह स्वाभाविक रूप से एक प्रवर्तक है, इसलिए वह [डेविड] वार्नर का पूरक होगा, इससे उसे भी मदद मिलेगी।

विश्व शतरंज चैंपियनशिप:राउंड 7

समय के दबाव में डिंग से हुई गलती , नेपोमनिशी हुए 4-3 से आगे

अस्ताना, कज़ाकिस्तान (एजेंसी)। विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2023 नें आज अपना आधा पड़ाव पार कर लिया और 14 राउंड की विश्व चैंपियनशिप का सातवाँ राउंड टूर्नामेंट का पाँचवाँ परिणाम लेकर आया । पिछले राउंड में शानदार वापसी कर स्कोर बराबर करने वाले चीन के डिंग लीरेन के सामने आज रूस के यान नेपोमनिशी नें सफ़ेद मोहरो से राजा का प्यादा दो घर खेलकर शुरुआत की और जबाब में डिंग नें फ्रेंच ओपनिंग खेलकर नेपो को चौंकाने की कोशिश की ,डिंग अपनी इस चाल में कामयाब होते भी दिखे और खेल की 21 चाल के करीब वह बेहतर स्थिति में नजर आ रहे थे

और 24वीं चाल में एक अतिरिक्त प्यादा देकर हाथी का एक्स्चेंज देते हुए उन्होने एक रोचक स्थिति हासिल कर ली थी , खेल की 31 वीं चाल में उन्होने नेपो के राजा की स्थिति को कमजोर करने के लिए प्यादा कुर्बान कर दिया पर यहाँ उनके पास घड़ी में 1 मिनट से कम समय बचा था और ऐसे में वह लगातार 2 हाथी की गलत चाल खेल गए और मुश्किल में लग रहे नेपो 37 चालों में जीत दर्ज करने में कामयाब रहे ।इस जीत के साथ अब जबकि सात राउंड खेले जाने है रूस के यान नेपोमिनिशी अब 4-3 से आगे चल रहे है । अगला राउंड अब एक दिन के विश्राम के बाद खेला जाएगा ।

चैंपियंस लीग

मैनचेस्टर सिटी और रियाल मैड्रिड सेमीफाइनल में होंगे आमने-सामने

म्यूनिख (एजेंसी)। एर्लिंग हालैंड ने फिर से मैनचेस्टर सिटी की तरफ से गोल दागा जिससे उनकी टीम ने चैंपियंस लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां उसका सामना रियाल मैड्रिड की मजबूत टीम से होगा।

मैनचेस्टर सिटी ने बायर्न म्यूनिख के खिलाफ क्वार्टर फाइनल का दूसरा चरण 1-1 से ड्रा खेला लेकिन पहले चरण में 3-0 की दमदार जीत के कारण वह 4-1 के कुल योग से जीत दर्ज करके अंतिम चार में जगह बनाने में सफल रहा। पहला हाफ गोल रहित छूटने के बाद हालैंड ने 57वें मिनट में मैनचेस्टर सिटी को बढ़त दिलाई। यह इस सत्र में सिटी की तरफ से उनका 48वां गोल था। बायर्न की तरफ से

जोशुआ किमिच ने 83वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदला लेकिन यह टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाने के लिए पर्याप्त नहीं था।

मैनचेस्टर सिटी पहली बार चैंपियंस लीग जीतने की कोशिश करेगा लेकिन इसके लिए उसे मौजूदा चैंपियन रियाल मैड्रिड की कड़ी चुनौती से पार पाना होगा। रियाल मैड्रिड ने एक अन्य क्वार्टर फाइनल में चेल्सी को 4-0 के कुल योग से पराजित किया। सेमीफाइनल का पहला चरण मई में खेला जाएगा। पिछले साल रियाल मैड्रिड ने सेमीफाइनल में मैनचेस्टर सिटी को 6-5 से हराया था।

आज स्टोक्स के फिट होने से चेन्नई की सनराइजर्स के खिलाफ उम्मीदें बढ़ीं, ये हो सकती है प्लेइंग 11

चेन्नई (एजेंसी)। चार बार की चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम शुक्रवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करेगी तो उसे उम्मीद रहेगी कि उसके स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स आखिरकार फिट होकर मैदान पर उतरेंगे।

पांव की चोट के कारण स्टोक्स पिछले तीन मैचों में नहीं खेल पाए थे लेकिन चेन्नई के लिए यह राहत की बात है कि अब वह फिट हैं और चयन के लिए उपलब्ध हैं। स्टोक्स ने बुधवार को अभ्यास सत्र में भी हिस्सा लिया था। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) पर करीबी जीत दर्ज करने के बाद चेन्नई की टीम अपने घरेलू मैदान पर लौट रही है और ऐसे में इंग्लैंड के कप्तान की वापसी से उसे और मजबूती मिलेगी। उसके प्रतिद्वंदी सनराइजर्स को पिछले मैच में मुंबई इंडियंस के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

डेवोन कॉनवे और रुतुराज गायकवाड़ की सलामी जोड़ी के शानदार प्रदर्शन तथा शिवम दुबे की आक्रामक पारी की मदद से चेन्नई ने पिछले मैच में बड़ा स्कोर खड़ा किया था। अजिंक्य रहाणे जिस तरह से बेफिक्र होकर आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे हैं, उससे चेन्नई को मजबूती मिली है

लेकिन उसके अन्य बल्लेबाज खास योगदान नहीं दे पाए हैं। चेन्नई के प्रमुख बल्लेबाज जहां अपना जलवा दिखा रहे हैं वहीं उसके गेंदबाज रन प्रवाह रोकने में नाकाम रहे हैं।

चेन्नई का क्षेत्ररक्षण भी अच्छा नहीं रहा है। श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना ने आरसीबी के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन किया लेकिन अन्य गेंदबाजों के लिए ऐसा नहीं कहा जा सकता है हालांकि प्रत्येक मैच के बाद तुषार देशपांडे के प्रदर्शन में सुधार हो रहा है। चेन्नई को अगर सनराइजर्स के बल्लेबाजों पर लगाम कसनी है तो उसके तीनों स्पिनरों महेश तीक्ष्णा, रविंद्र जडेजा और मोइन अली को और बेहतर प्रदर्शन करना होगा। चेन्नई ने सनराइजर्स के खिलाफ पिछले पांच में से चार मैचों में जीत दर्ज की है और वह अपने इस रिकॉर्ड को और बेहतर करने की कोशिश करेगा।

दूसरी तरफ सनराइजर्स को अपने बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी तथा इसमें कप्तान एडेन मार्कराम को अहम भूमिका निभानी होगी। सनराइजर्स को यदि चेन्नई को उसके घरेलू मैदान पर हराना है तो उसके सभी बल्लेबाजों को उपयोगी योगदान देना होगा। सनराइजर्स को पिछले मैच में पावर प्ले में विकेट गंवाने का नुकसान उठाना पड़ा था तथा इसके बाद टीम के मुख्य कोच ब्रायन लारा ने कहा था कि मध्यक्रम के किसी बल्लेबाज को आखिर तक टिके रहना होगा।

सनराइजर्स का दारोमदार हैरी ब्रुक पर भी टिका होगा। अगर उनका बल्ला चलता है तो फिर चेन्नई के लिए उनसे पार पाना मुश्किल होगा। सनराइजर्स के गेंदबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा है। उसकी टीम में वाशिंगटन सुंदर है जिनका यह घरेलू मैदान है और वह अपनी विशेष छाप छोड़कर टीम को जीत दिलाने की कोशिश करेंगे।

टीम इस प्रकार हैं

चेन्नई सुपर किंग्स – रुतुराज गायकवाड़, डेवोन कॉन्वे, मोइन अली, अंबाती रायडू, रवींद्र जडेजा, शिवम दूबे, एमएस धोनी, महेश ठीकशाना, मथीशा पथिराना, तुषार देशपांडे, आकाश सिंह

सनराइजर्स हैदराबाद – मयंक अग्रवाल, हैरी ब्रूक, राहुल त्रिपाठी, एडेन मार्करम, अभिषेक शर्मा, हेनरिक क्लासेन, अब्दुल समद, वाशिंगटन सुंदर, भुवनेश्वर कुमार, कार्तिक त्यागी, उमरान मलिक

मैच –शाम 7-30 बजे।

संक्षिप्त समाचार

यमुना खादर में खून से लथपथ हालत में मिला शव, कुछ दिनों पहले ही बाल सुधार गृह से बाहर आया था किशोर

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में चाकू से ताबड़तोड़ वार कर किशोर की हत्या कर दी। बुधवार को उसका शव उस्मानपुर दूसरा पुश्ता यमुना खादरमोहम्मद मुस्तफा, मां शबाना, एक छोटा भाई व बहन है। पुलिस को दिए बयान में शबाना ने बताया कि मंगलवार रात करीब 9.30 बजे आलम में खून से लथपथ हालत में मिला। मृतक की पहचान न्यू उस्मानपुर निवासी आलम के रूप में हुई है। किशोर के हाथ, गर्दन, कमर सहित शरीर पर कई जगह चाकू के निशान मिले हैं। शास्त्री पार्क थाना पुलिस हत्या की धारा में प्राथमिकी पंजीकृत कर मामले की जांच कर रही है। जान गंवाने वाला किशोर कुछ ही दिनों पहले लोनी में हुई एक चोरी के मामले में बाल सुधार गृह से बाहर आया था। मृतक के परिवार में पिता मुस्तफा, मां शबाना समेत कई सदस्य है। बुधवार सुबह करीब साढ़े दस बजे पुलिस को सूचना मिली थी कि खादर में एक शव पड़ा हुआ है। आशंका है कि लूटपाट का विरोध करने पर किशोर की हत्या की गई है। शुरुआत में उसकी पहचान नहीं हो सकी। पहचान के लिए पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों मे पूछताछ की तो मृतक के परिवार का पता चला। परिवार ने मौके पर पहुंचकर शव की पहचान की। मृतक की मां ने पुलिस को बताया कि रात करीब साढ़े नौ बजे वह अपने तीन दोस्तों के साथ गया था, रातभर घर नहीं लौटा। परिवार ने उसे काफी तलाशा, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल पाया। जब वह गया था तो उसके पास पर्स, मोबाइल व अन्य सामान था, लेकिन शव के पास से कुछ नहीं मिला। जिससे अंदेशा है कि उसकी हत्या की गई है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि किशोर की किसी से रंजिश तो नहीं थी।

दिल्ली का दिलः हिंदू-मुस्लिम परिवारों ने एक-दूसरे को दी किडनी, पेश की भाईचारे की मिसाल

नई दिल्ली, एजेंसी। ओखला स्थित फोर्टिस एस्कार्ट्स में एक अनूठा और सौहार्दपूर्ण मामला सामने आया है जहां हिंदू और मुस्लिम परिवारों ने किडनी स्वैप ट्रांसप्लांट के माध्यम से दो लोगों की जान बचाई है। पहले कश्मीर के सुल्तान डार (62) किडनी की गंभीर बीमारी के साथ ही लिवर के भी मरीज थे जबकि पूर्व सैन्याधिकारी विजय कुमार (58) किडनी की गंभीर बीमारी से ग्रस्त थे। दोनों डायलिसिस पर थे। इन दोनों मरीजों की पत्नियों के ब्लड ग्रुप अपने पतियों से अलग लेकिन एक-दूसरे के लिए उपयुक्त थे। दोनों की पत्नियां अपने पति के लिए उपयुक्त किडनी डोनर की तलाश में थीं। चिकित्सकों द्वारा काउंसलिंग के बाद दोनों परिवार किडनी स्वाप ट्रांसप्लांट के लिए सहमत हो गए। नेफ्रोलाजी एंड किडनी ट्रांसप्लांट के प्रिंसीपल डायरेक्टर डा. संजीव गुलाटी और डा. अजित सिंह नरूला की देखरेख में टीम के सदस्यों ने मिलकर इस ट्रांसप्लांट को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। डा. गुलाटी ने बताया कि दोनों परिवारों ने ट्रांसप्लांट की आवश्यकता को बखूबी समझा और वे अपने-अपने परिवार के सदस्यों को बचाने के लिए एक-दूसरे को किडनी डोनेट करने के लिए आगे आए। फोर्टिस एस्कार्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट के जोनल डायरेक्टर बिदेश चंद्र पाल चिकित्सकों की टीम को बधाई दी।

दिल्ली एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय उड़ान के टायलेट से मिला 75 लाख का सोना, जांच जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाईअड्डे पर एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान के शौचालय से करीब 75 लाख रुपये मूल्य की सोने की तीन छड़ें बरामद हुई हैं। सीमा शुल्क अधिकारी ने बताया कसीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 110 के तहत पैकिंग सामग्री के साथ सोने को जब्त कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। सीमा शुल्क अधिकारियों ने बुधवार को बताया, च्आईजीआई हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा प्राप्त कएि गए इनपुट के आधार पर 17 अप्रैल को नई दिल्ली में आईजीआई के टर्मिनल 3 पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए उपयोग किए जाने वाले एक विमान की तलाशी ली गई। इस दौरान सीमा शुल्क अधिकारियों ने दो वस्तुओं को उड़ान के स्टारबोर्ड की तरफ के शौचालय के ऊपरी हिस्से के पैनल पर चिपकने वाली टेप से चिपका हुआ पाया। एक वरिष्ठ सीमा शुल्क अधिकारी ने कहा, च्हटाने और खोलने पर, एक आयताकार सोने की पट्टी और दो असमान आकार की सोने की छड़ें बरामद हुईं, जिनका वजन 1400 ग्राम था।

गुरुग्राम में मुख्यमंत्री उड़नदस्ता की टीम ने अवैध रूप से चल रहे 13 बेड के अस्पताल पर मारा छापा

बादशाहपुर (गुरुग्राम), एजेंसी। मुख्यमंत्री उड़नदस्ता की टीम ने बिना डिग्री व बिना अनुमति के अवैध हस्पताल खोलकर लोगों के जीवन से खिलवाड करने वाले आन्नद अस्पताल पर छापेमारी की। 13 बेड के अस्पताल में बिना डिग्री के ही व्यक्ति मरीजों का इलाज करते पाया गया। पिछले सप्ताह भी उड़नदस्ता की टीम ने सेक्टर 52 में इसी तरह के 16 बेड के अस्पताल पर छापेमारी की थी। बजघेड़ा थाना पुलिस में आरोपितों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। मौके पर अस्पताल में बिजली भी चोरी कर जलाई जा रही थी। बिजली निगम की टीम भी अस्पताल संचालक पर बिजली जुर्माना लगाने की तैयारी कर रही है। अवैध आन्नद अस्पताल को रामबीर निवासी गांव लक्ष्मणपुर थाना भारौली जिला भिन्ड मध्यप्रदेश, विकास भारद्वाज निवासी जिल मंहु थाना कोतवाली सीतापुर उतरप्रदेश, नन्दकिशोर निवासी कापसहेडा 98 साउथ वेस्ट दिल्ली व मन्तु कुमार पान्डे निवासी थाना चोपरानचाक झारखण्ड द्वारा संयुक्त रूप से चलाया जाना पाया गया। जो काफी समय से लोगों के इलाज के नाम से उनके जीवन के साथ खिलवाड कर रहे थे। रामबीर खुद मरीजों को देखता पाया गया। अवैध हस्पताल में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ निरीक्षण करने पर एक आपरेशन रूम व मरीजो के लिए 13 बेड मिले, उपरोक्त अस्पताल में एलोपैथिक दवाईया, मरीजो को अस्पताल में दाखिल करके इलाज करने के दस्तावेज पाए गए। जिनको सील करके स्वास्थ्य विभाग द्वारा कब्जे में लिया गया। रामबीर, विकास भारद्वाज , नन्दकिशोर व मन्तु कुमार पान्डे के विरुद्ध थाना बजघेडा में मामला दर्ज कराया गया है। अस्पताल पर रेड के दौरान बिजली विभाग द्वारा बिजली चैकिंग के दौरान बिजली चोरी होनी पाई गई। अवैध अस्पताल संचालकों के विरुद्ध बिजली विभाग द्वारा कार्यवाही की जाएगी। बिजली निगम की टीम लोड चेक करने के बाद जुर्माना राशि तय करेगी।

भाजपा की सूची जारी न होने से दावेदारों की बढ़ी धड़कन, दो दिन पहले शुरू हो चुकी है नामांकन प्रक्रिया

नोएडा, एजेंसी।
निकाय चुनाव चुनाव के लिए जिले में 17 अप्रैल से नामांकन प्रक्रिया शुरू है। दो दिन बीत गए हैं, लेकिन अभी तक सत्ताधारी दल भाजपा भी अपने प्रत्याशियों के नाम घोषित नहीं कर सकी है। इससे भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने के इच्छुक नेताओं की दिल की धड़कन बढ़ गई है।

कई दिनों से वह लखनऊ में अपने आकाओं के यहां डेरा डाले हुए हैं। कुछ को हाथ से टिकट फिसलता भी नजर आ रहा है। जिले में एक नगर पालिका व पांच नगर पंचायतों में चुनाव होना है। रबूपुरा और बिलासपुर को छोड़कर बाकी सभी जगह प्रत्येक सीट से तीन-तीन दावेदार हैं।

जहांगीपुर नगर पंचायत से चार दावेदार हैं। यहां पर सांसद डाक्टर महेश शर्मा व जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह अपने-अपने समर्थक को टिकट दिलवाने पर अड़े हैं। सूत्रों का दावा है कि रबूपुरा व बिलासपुर में टिकट को लेकर टकराव नहीं है। रबूपुरा में जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह के परिवार से ही

चेयरमैन बनते आए हैं।

मौजूदा समय में भी उनके भाई वीरेंद्र सिंह चेयरमैन हैं। जिला स्तर से अकेले उनके भाई का ही नाम हाईकमान को भेजा गया था। बताया जाता है कि विधायक की सहमति से नाम में बदलाव हुआ है। वीरेंद्र सिंह की जगह अब उनके बेटे शशांक सिंह इस बार मैदान में होंगे। बिलासपुर नगर पंचायत से भी सुदेश देवी नागर के नाम पर टकराव नहीं है। उन्हें भी टिकट मिलना तय माना जा रहा है।

जहांगीपुर, जेवर, दनकौर नगर पंचायत व दादरी नगर पालिका सीट के लिए संभावित दावेदारों के बीच इस समय लखनऊ में रस्साकसी का खेल चल रहा है। दादरी में निवर्तमान चेयरमैन गीता पंडित की दावेदारी मजबूत मानी जा रही है। उनके अलावा पवन बंसल व जगभूषण गर्ग का नाम भी जिला स्तर से हाईकमान को भेजा गया है।

सूत्र बताते हैं कि जिला स्तर से हाईकमान को भेजी गई सूची में गीता पंडित के नाम के आगे जिताऊ प्रत्याशी लिखे जाने की बात सामने आई थी। इस पर भाजपा के अंदर ही कड़ा एतराज हुआ। इस मुद्दे पर नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच टकराव बढ़ता देख पार्टी जिलाध्यक्ष विजय भाटी को कहना पड़ा कि किसी भी दावेदार के नाम के आगे जिताऊ प्रत्याशी नहीं लिखा गया है।

दनकौर में पूर्व चेयरमैन राजवती की दावेदारी मजबूत मानी जा रही है। यहां से दो अन्य रेखा देवी व रजनी वाल्मीकि ने भी लखनऊ में अपने आकाओं के माध्यम से हाईकमान पर दबाव बना रखा है। दोनों के आका अपने-अपने स्तर से पैरवी में लगे हैं।

जहांगीपुर सीट से सांसद महेश शर्मा के करीबी निवर्तमान चेयरमैन जयप्रकाश शर्मा की दावेदारी मजबूत बताई जा रही है, लेकिन भूरी सिंह के लिए जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह पैरवी कर रहे हैं। मलूचंद शर्मा व अतुल शास्त्री भी अपने आकाओं के माध्यम से लखनऊ में दबाव बनाए हुए हैं। जेवर सीट से रविंद्र शर्मा उर्फ बॉबी शर्मा, संजीव शर्मा व नीरज गोयल में से किसी के हाथ भी बाजी लग सकती है, लेकिन टिकट की घोषणा होने तक सभी की धड़कन बढ़ी हुई है। यहीं कारण है कि किसी भी दावेदार ने अभी तक शहर में मतदाताओं के बीच जाकर जनसंपर्क नहीं किया है। प्रचार से अभी सभी दावेदार दूरी बनाए हुए हैं।

दिल्ली पुलिस में 350 करोड़ का घोटाला, फर्जी बिल बनवाकर विभाग से निकाले रुपए

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली पुलिस को 2022-2023 वित्तीय वर्ष में मिले करोड़ों रुपये के बजट में मेंटेनेंस कार्य के मद में करीब 350 करोड़ से अधिक का घोटाला किए जाने का मामला सामने आया है। माइनर वर्क के 150 करोड़ और प्रोफेशनल सर्विसेज के करीब 200 करोड़ के फंड का दुरुपयोग किए जाने के मामले में पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने सर्तकता विभाग को जांच करने के आदेश दिए हैं।

दिल्ली पुलिस हाउसिंग निगम द्वारा किए गए आडिट में पूरा घोटाला खुला है। इसकी जानकारी मिलने के बाद आयुक्त ने कार्रवाई की है। आयुक्त के निर्देश पर प्रोविजन एंड फाइनेंस डिविजन के विशेष आयुक्त लालतेंदू मोहंती ने जिले व विभिन्न यूनिटों में तैनात 40 डीसीपी व एडिशनल डीसीपी से खर्चों का पूरा ब्योरा पेश करने को कहा है। घोटाले के इस मामले ने पुलिस विभाग में खलबली मचा दी है। मुख्यालय सूत्रों के मुताबिक डीसीपी से पूछा गया है कि उन्होंने प्रोफेशनल सर्विसेज के फंड का किस-किस कार्य के लिए इस्तेमाल किया है। सूत्रों की मानें तो जिले व यूनिटों के डीसीपी ने प्रोफेशनल सर्विसेज के फंड का मूल उद्देश्य में खर्च करने के बजाए ज्यादातर खर्च माइनर वर्क जैसे थानों, पुलिस कालोनियों व अधिकारियों के कार्यालयों आदि की रंगाई पुताई में दिखा दिया। खर्चे का बिल कई गुना ज्यादा दिखाकर हेराफेरी करने की जानकारी पुलिस आयुक्त को मिली है। सूत्रों के मुताबिक माइनर वर्क के लिए बीते 29 मार्च को 150 करोड़ का बजट दिया गया। मुख्यालय को पता चला कि माइनर वर्क का पैसा डीसीपी थानों, कालोनियों व कार्यालयों के रिपेयर के काम में लगा रहे हैं और मेंटेनेंस का फर्जी बिल पेश कर भुगतान लेने जा रहे हैं। आयुक्त के निर्देश पर विशेष आयुक्त लालतेंदु मोहंती ने आनन-फानन में सभी डीसीपी को वायरलेस मैसेज भेज भुगतान लेने से पहले बिल के बारे में जानकारी मांग ली।

पुलिस अधिकारी का कहना है कि सभी जिले व यूनिटों ने अपने-अपने ठेकेदार तय कर रखे हैं।

बिना अधिग्रहण किए प्राधिकरण ने 4000 वर्ग मीटर जमीन बिल्डर को लीज डीड की, कोर्ट के आदेश के बाद सामने आया मामला

नोएडा, एजेंसी।
सेक्टर-76 में आम्रपाली सिलिकान सिटी प्रोजेक्ट में चार हजार वर्ग मीटर जमीन पर अवैध रूप से बाजार संचालित हो रहा है। इस जमीन से अतिक्रमण साफ कर प्रोजेक्ट को सौंपा जाए। यह आदेश 29 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने दिया है, जिसमें पुलिस, प्रशासन, नोएडा प्राधिकरण की जिम्मेदारी तय की है।

कोर्ट आदेश के बाद जब अवैध बाजार को हटाने की टीम पहुंची तो पता चला कि इस जमीन का अधिग्रहण ही नोएडा प्राधिकरण ने नहीं किया, बिना अधिग्रहण किए ही चार हजार वर्ग मीटर जमीन आम्रपाली समूह को लीज डीड कर दी गई।

अब कागजी दस्तावेज को खंगालने का काम किया जा रहा है, जिसमें बहुत ही चौकाने वाला मामला प्रकाश में आ रहा है। इसमें प्राधिकरण अधिकारियों की गर्दन फंसती नजर आ रही है। बाजार को हटाकर प्रोजेक्ट के लिए कैसे दें, इसका कभी अधिग्रहण ही नहीं हुआ। आम्रपाली समूह को बेची गई जमीन में चार हजार वर्ग मीटर जगह शामिल है। इसके एवज में सात करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्राधिकरण ले भी चुका है। इसमें फंसे अधिकारी अब बाहर निकलने का प्रयास कर रहे है और विधि विभाग अधिकारियों के साथ मंथन में जुटे है। कैसे जमीन खाली कराई जाए और सुप्रीम कोर्ट आदेश का पालन हो। हालांकि इस पूरे प्रकरण में 25 अप्रैल को प्राधिकरण सुप्रीम कोर्ट में अपना पक्ष रखने जा रहा है, जिसकी तैयारी शुरू हो चुकी है। बता दें प्राधिकरण वर्ष 2010 में करीब 1.72 लाख वर्गमीटर जमीन का आवंटन सेक्टर-76 में आम्रपाली सिलिकान सिटी प्रोजेक्ट के लिए आम्रपाली समूह को किया था। जमीन में एक पैच करीब चार हजार वर्गमीटर का बचा, जिसे बिल्डर ने प्राधिकरण से देने के लिए कहा। हालांकि, अधिकारी यह जानते थे कि जमीन का अधिग्रहण नहीं हुआ है। फिर भी प्राधिकरण ने जमीन को शामिल कर 1.76 लाख वर्ग मीटर जमीन की लीज डीड कर दी।

बीजेपी ने जारी की उम्मीदवारों की फाइनल लिस्ट, ईश्वरप्पा के बेटे को नहीं मिला टिकट

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के लिए सिर्फ एक दिन बचा है। सत्तारूढ़ भाजपा ने बुधवार को अपनी चौथी सूची जारी की, जिसमें बचे हुए दो निर्वाचन क्षेत्रों शिवमोग्गा और मानवी के उम्मीदवारों के नाम हैं। शिवमोग्गा में पार्टी ने मौजूदा विधायक और भाजपा के वरिष्ठ नेता के एस ईश्वरप्पा के परिवार को टिकट देने से इनकार करते हुए चन्नबसप्पा को टिकट दिया है। ईश्वरप्पा ने बेटे के लिए विधानसभा क्षेत्र से मांगा था टिकट ईश्वरप्पा ने हाल ही में पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को चुनावी राजनीति से संन्यास लेने की अपनी इच्छा जाहरि की थी और शिवमोग्गा से विधानसभा चुनाव में उन्हें मैदान में नहीं उतारने का अनुरोध किया था। हालांकि, कहा जाता है कि उन्होंने अपने बेटे के ई कंटेश के लिए विधानसभा क्षेत्र से टिकट मांगा था। भाजपा के वरिष्ठ नेता और एमएलसी अयानुर मंजूनाथ, जो शिवमोग्गा से टिकट के दावेदार थे, ने आज पार्टी छोड़ दी और जेडी (एस) में शामिल हो गए।

वंदे भारत ट्रेन कोच निर्माण के लिए यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में लग सकती है फैक्ट्री

7 हजार करोड़ का होगा निवेश

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी।
वंदे भारत ट्रेन के कोच का गौतमबुद्ध नगर में निर्माण हो सकता है। टीटागढ़ वेगन्स और रामकृष्ण फार्जिंग्स लि. ने संयुक्त उपक्रम के लिए यमुना प्राधिकरण से सौ एकड़ जमीन मांगी है। प्राधिकरण ने जमीन आवंटन पर मौखिक सहमति के साथ ही निवेश के लिए शासन में आवेदन करने की सुझाव दिया है। औद्योगिक इकाई में वंदे भारत कोच के अतिरिक्त ट्रेन के लिए व्हील का भी निर्माण होगा।

यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए वंदे भारत ट्रेन का परिचालन शुरू हुआ है। विभिन्न रूट पर वंदे भारत ट्रेन दौड़ रही हैं। इन ट्रेन के कोच का गौतमबुद्ध नगर में निर्माण करने के लिए टीटागढ़ वेगन्स के निदेशक अनिल कुमार अग्रवाल और रामकृष्ण फार्जिंग्स लि. के कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य वित्त अधिकारी ललित कुमार खेतान ने मंगलवार को प्राधिकरण सीईओ डा. अरुणवीर

सिंह से मिलकर प्राधिकरण क्षेत्र में निर्माण इकाई लगानी की इच्छा जताई है। इकाई के लिए प्राधिकरण से सौ एकड़ जमीन मांगी गई है। इन्वेस्ट यूपी की आन लाइन बैठक में भी उन्होंने अपने प्रस्ताव से अवगत कराया। उन्हें अपने प्रस्ताव के साथ निवेश के लिए आवेदन करने को कहा गया है। प्राधिकरण सीईओ डा. अरुणवीर सिंह ने बताया कि सेक्टर दस में सौ एकड़ जमीन आवंटित करने पर सहमति बनी है।

चार चरण में इकाई का विस्तार होगा। पहले चरण में सात हजार करोड़ रुपये के निवेश का दावा किया गया है। दोनों कंपनी पश्चिम बंगाल बेस्ड हैं और रेलवे के लिए वेगन्स व अन्य उपकरण का निर्माण कर रही हैं। सालाना 12 वेगन्स की निर्माण इकाई है। यमुना प्राधिकरण के सेक्टर 32 में मेट्रो कोच फैक्ट्री भी प्रस्तावित है। इसके लिए प्राधिकरण ने पीपी इंटरनेशनल को 25 एकड़ जमीन आवंटित की है। जमीन की लीजडीड हो चुकी है। दो बीघा जमीन पर कब्जा न मिल पाने के कारण फैक्ट्री का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका, लेकिन प्राधिकरण का दावा है कि जमीन का मामला सुलझ गया है। फैक्ट्री में सौ कोच सालाना बनेंगे। पहले फेज में छह सौ लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा।

पाक सुप्रीम कोर्ट की सरकार को चेतावनीः अगर चुनावी चंदा जारी नहीं किया ,तो भुगतने होंगे गंभीर परिणाम

इस्लामाबाद एजेंसी।
पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सरकार को पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा में चुनाव कराने के लिए आवश्यक धन जारी करने में विफल रहने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। मीडिया रिपोटरें में यह जानकारी दी गई है।

डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय और साथ ही सिंध और बलूचिस्तान विधानसभाओं की शर्तों को पूरा करने पर एक साथ पाकिस्तान भर में आम चुनाव कराने के रक्षा मंत्रालय के अनुरोध पर सुनवाई करते हुए चेतावनी जारी की। पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश उमर अता बंदियाल, न्यायमूर्ति इजाजुल अहसान और न्यायमूर्ति मुनीब अख्तर की तीन सदस्यीय पीठ ने याचिका पर सुनवाई की।

एक दिन पहले, रक्षा मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट में एक आवेदन दायर किया था, जिसमें शीर्ष अदालत से अपने 4 अप्रैल के आदेश को वापस लेने का अनुरोध किया गया, जिसने

14 मई को पंजाब विधानसभा के लिए चुनाव की तारीख तय की थी।

डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, इसने शीर्ष अदालत से निर्देश जारी करने के लिए कहा कि राष्ट्रीय और सभी प्रांतीय विधानसभाओं के आम चुनाव एक ही तारीख पर कराए जाएं। आवेदन के साथ, रक्षा मंत्रालय ने कोर्ट में एक रिपोर्ट भी जारी की, जो स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) और अन्य विभागों को चुनाव कराने के लिए ईसीपी को 21 अरब रुपये जारी करने के बाद रिपोर्ट प्रस्तुत करने के अपने निर्देशों के अनुपालन में पंजाब और केपी विधानसभाओं के लिए एससी के समक्ष रखी गई। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, मंत्रालय ने अपनी रिपोर्ट में देश में कड़ी सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर उसी दिन चुनाव कराने की जरूरत पर जोर दिया। यह भी कहा गया है कि सशस्त्र बल अक्टूबर की शुरुआत तक चुनावी कर्तव्यों का पालन करने में सक्षम होंगे।

भारत में होने वाले एससीओ सम्मेलन में हिस्सा लेंगे पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो

इस्लामाबाद, एजेंसी।
पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी अगले महीने भारत में होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में हिस्सा लेंगे। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जेहरा बलूच ने यहां साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में इसकी घोषणा की। बलूच ने कहा,

बिलावल भुट्टो जरदारी भारत के गोवा में 4-5 मई, 2023 को होने वाली एससीओ विदेश मंत्री परिषद (सीएफएम) की बैठक में पाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।इसके साथ ही हफ्तों से चली आ रही इन अटकलों पर विराम लग गया कि भुट्टो व्यक्तिगत रूप से सम्मेलन में हिस्सा लेंगे या नहीं।

बलूच ने कहा कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर के निमंत्रण पर सम्मेलन में शामिल होंगे। उन्होंने कहा, बैठक में हमारी भागीदारी एससीओ चार्टर और प्रक्रियाओं के प्रति पाकिस्तान की प्रतिबद्धता और पाकिस्तान की विदेश नीति की प्राथमिकताओं में क्षेत्र को

दिए जाने वाले महत्व को दर्शाती है। यह हाल के वर्षों में किसी भी पाकिस्तानी नेता का भारत का पहला उच्चस्तरीय दौरा होगा। इससे दोनों देशों के संबंधों में आई कड़वाहट के कम होने की उम्मीद है।

फरवरी 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत के लड़ाकू विमानों ने पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर को नष्ट कर दिया था, जिसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध काफी तनावपूर्ण हो गए थे। अगस्त 2019 में भारत ने जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा वापस लेकर उसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया था, जिसके बाद दोनों देशों के संबंधों में और कड़वाहट पैदा हो गई।

यूक्रेन को अमेरिकी पैट्रियट मिसाइल प्रणाली मिल गई है : रक्षा मंत्री ओलेक्सी रेजनिकोव

वाशिंगटन, एजेंसी। यूक्रेन के रक्षा मंत्री ओलेक्सी रेजनिकोव ने बुधवार को कहा कि उनके देश को सतह से हवा में मार करने वाली अमेरिकी पैट्रियट मिसाइल प्रणाली मिल गई है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन को लंबे समय से इस प्रणाली की दरकार थी और उन्हें उम्मीद है कि इस प्रणाली से देश को युद्ध के दौरान रूसी हमलों से बचाने में मदद मिलेगी।

यूक्रेनी रक्षा मंत्री ने ट्वीट किया, आज, हमारा खूबसूरत यूक्रेनी आकाश और सुरक्षित हो गया है क्योंकि पैट्रियट वायु रक्षा प्रणाली यूक्रेन पहुंच गई है। अमेरिका ने पिछले साल अक्टूबर में यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल प्रणाली देने पर सहमति जताई थी। वहीं यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा था कि पैट्रियट प्रणाली का मिलना रूस के हमले के खिलाफ मील का

पत्थर होगा।

अमेरिका की यह अत्याधुनिक मिसाइल विमान, क्रूज मिसाइलों और कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों को भी निशाना बना सकती है। रूस ने यूक्रेन में रिहायशी क्षेत्रों और नागरिक संबंधी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने के लिए ऐसे हथियारों का इस्तेमाल किया है। यूक्रेन की वायु सेना के प्रवक्ता यूरी इहनाट ने मंगलवार देर रात कहा कि पैट्रियट प्रणाली की आपूर्ति एक ऐतिहासिक घटना होगी और यूक्रेन अधिक दूरी तक रूसी लक्ष्यों को नष्ट कर सकेंगे। रेजनिकोव ने पैट्रियट प्रणाली के लिए अमेरिका, जर्मनी और नीदरलैंड के लोगों को धन्यवाद दिया। उन्होंने हालांकि न तो यह बताया कि कितनी प्रणालियां मिली हैं और न ही बताया कि इसकी आपूर्ति कब की गई।

क्या है पैट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम?: पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम को अमेरिका की सबसे सफल और शक्तिशाली मिसाइल डिफेंस सिस्टम माना जाता है। इसका इस्तेमाल सबसे पहले 1980 में किया गया था। इसका रडार 110-130 किमी की रेंज में लड़ाकू विमान, 160-190 किमी की रेंज में बमवर्षक, 85-100 किमी की रेंज में मिसाइल, 60-70 किमी की रेंज में मिसाइल के वारहेड का पता लगाकर उन्हें तबाह कर सकता है। पैट्रियट बैटरी विमान को भी गिरा सकती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129